Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 62
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 19 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

स्पोर्ट्स-12

बारिश से बाधित ब्रिसबेन टेस्ट मैच ड्रॉ रहा

अंबेडकर की विरासत पर कांग्रेस-भाजपा में तकरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस एससी-एसटी प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में बीआर अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के खिलाफ भोपाल में विरोध प्रदर्शन किया।

मंगलवार को संसद में अपने भाषण के दौरान गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बी आर अंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और अन्य सत्तारूढ़ पार्टियों तथा कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच जोरदार टकराव हुआ। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संविधान निर्माता का अपमान करने के आधार पर गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, आरजेडी, वामपंथी दलों और शिवसेना-यूबीटी सहित लगभग सभी विपक्षी दलों के हमले के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने शाह का जोरदार बचाव किया।

संसद में हो-हल्ला राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों और महाराष्ट्र, बिहार और तमिलनाडु जैसे स्थानों पर भी फैल गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी, डीएमके प्रमुख एम के स्टालिन, शिवसेना-यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने शाह की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पहले भी भ्रम फैलाने और लोगों को गुमराह करने के लिए उनके और यहां तक कि पीएम नरेंद्र मोदी के बयानों को गलत तरीके से पेश किया है। शाह ने मीडिया से कहा, 'मैं तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए कांग्रेस की निंदा करता हूं। ऐसा क्यों हुआ? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बीजेपी नेताओं ने एनडीए सरकारों के संविधान को बनाए रखने के तरीके पर बात की और तथ्यों के साथ साबित किया कि कांग्रेस अंबेडकर विरोधी, संविधान विरोधी और आरक्षण विरोधी है।' वरिष्ठ बीजेपी नेता ने कहा कि कांग्रेस ने वी डी सावरकर का भी अपमान किया और आपातकाल लगाकर संविधान में निहित मूल्यों की धज्जियां उड़ा दीं। शाह ने कहा, 'जब ये सारे तथ्य सामने आए, तो कांग्रेस ने अपनी पुरानी चालें चलीं और तोड़-मरोड़ कर तथ्य पेश करके समाज को गुमराह करने की कोशिश की।' कांग्रेस द्वारा उनके इस्तीफे की मांग के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अगर इससे कांग्रेस अध्यक्ष खुश होंगे तो वह इस्तीफा दे सकते हैं लेकिन इससे उनकी समस्याएं कभी हल नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि खड़गे ने राहुल गांधी के दबाव में आकर अंबेडकर पर उनके विचारों को तोड़-मरोड़ कर उनके खिलाफ इस 'दुर्भावनापूर्ण' अभियान का हिस्सा बनने का काम किया है।

राजनाथ सिंह, अश्विनी वैष्णव और किरेन रिजिजू समेत शाह के कैबिनेट सहयोगियों ने उनके बचाव में रैली निकाली और संविधान निर्माता के कथित अपमान के लिए मुख्य विपक्षी दल पर एक नया हमला किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक दशक में अंबेडकर के सपने को पूरा करने के लिए अथक काम किया है। मोदी ने कहा कि दशकों से 'चैत्य भूमि' के लिए भूमि से जुड़ा एक मुद्दा लंबित था, जहां अंबेडकर का अंतिम संस्कार किया गया था। उन्होंने कहा, 'न केवल हमारी सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाया, बल्कि मैं वहां प्रार्थना करने भी गया हूं।' खड़गे ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में अंबेडकर के लिए कोई सम्मान है, तो उन्हें आज ही गृह मंत्री को बर्खास्त कर देना चाहिए, अगर वह खुद इस्तीफा नहीं देते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने आरोप लगाया कि शाह की टिप्पणी भाजपा की 'जातिवादी और दलित विरोधी मानसिकता' को दर्शाती है। शाह पर संविधान के निर्माता का अपमान करने का आरोप लगाते हुए खड़गे ने कहा कि गृह मंत्री को मंगलवार को राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान अंबेडकर के 'अपमान' के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। (शेष पृष्ठ 9)

मुंबई तट पर नौका और नेवी की बोट में टक्कर, 13 की मौत

टीएन रघुनाथ। मुंबई

भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के संयुक्त अभियान में बचाए गए यात्री।

बुधवार को दक्षिण मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के पास अरब सागर में भारतीय नौसेना की स्पीड बोट से एक निजी नौका के टकराने से हुए हादसे में एक नौसैनिक सहित 13 लोग पानी में समा गए, जबकि निजी नौका पर सवार 99 से अधिक पर्यटक यात्रियों को बचा लिया गया। इस दुर्घटना की पुष्टि करते हुए रक्षा प्रवक्ता ने देर शाम कहा कि यह दुर्घटना नौसेना के एक जहाज से टकराने के कारण हुई '18 दिसंबर को लगभग 1600 बजे इंजन परीक्षण से गुजर रहे नौसेना के एक जहाज ने नियंत्रण खो दिया और मुंबई के करंजा के पास एक यात्री नौका नील कमल से टकरा गया। नौका गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा द्वीप के लिए यात्रियों को ले जा रही थी।'

रक्षा प्रवक्ता ने कहा, 'इस दुर्घटना में कथित तौर पर 13 लोगों की दुखद मौत हो गई है, जिसमें नौसेना का एक जवान और नौसेना के जहाज पर सवार दो मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) के कर्मचारी शामिल हैं।' नौसेना ने जीवित बचे लोगों की संख्या 99 बताई है। रक्षा प्रवक्ता ने कहा, 'जीवित बचे लोगों को नौसेना और क्षेत्र में मौजूद नागरिक नावों द्वारा उठाया गया है और उन्हें आसपास के जेटी और अस्पतालों में ले जाया गया है। निजी नाव नीलकमल में 100 से अधिक यात्री सवार थे और यह गेटवे ऑफ इंडिया से घारापुरी द्वीप की ओर जा रही थी, जहां यूनेस्को की विश्व धरोहर एलीफेंटा गुफाएं हैं। भारतीय नौसेना की नाव में छह लोग सवार थे। तटरक्षक और समुद्री पुलिस के समन्वय में नौसेना द्वारा तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया। चार नौसेना हेलीकॉप्टर, 11 नौसेना के जहाज, एक तटरक्षक नाव और तीन समुद्री पुलिस की नावें बचाव कार्य में लगी हुई हैं। इससे पहले नौसेना के जानकार सूत्रों ने पुष्टि की थी कि नीलकमल को भारतीय नौसेना की स्पीड बोट ने टक्कर मारी थी। चूंकि दोनों जहाजों के बीच टक्कर बहुत तीव्र थी, इसलिए यात्री नाव और नौसेना के जहाज दोनों से ही हताहत हुए। टक्कर के कारण, 'नीलकमल' टूटकर पलटा और डूब गया, उसमें सवार यात्री समुद्र में गिर गए। कुछ ही समय बाद, आस-पास के अन्य घाटों से यात्रियों द्वारा क्लिक किए गए इस त्रासदी के वीडियो में लोगों को मदद के लिए चिल्लाते हुए, तैरने के लिए अपने हाथ-पैर फेंकते हुए या अपने प्रियजनों को ठंडे समुद्री पानी में डूबने से बचाने की कोशिश करते हुए दिखाया गया।

यह दुर्घटना रायगढ़ जिले में पड़ने वाले उरण-करंजा के तट पर शाम करीब 4 बजे हुई, जिसके तुरंत बाद एक बड़े पैमाने पर बहु-एजेंसी खोज और बचाव (एस एंड आर) अभियान शुरू किया गया। नौसेना के मुख्य प्रवक्ता ने कहा, 'क्षेत्र में एसएआर प्रयासों के साथ-साथ सभी कर्मियों की गिनती जारी है।' भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक, मुंबई पुलिस और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण की टीमें इस अभियान में शामिल हैं। नौसेना की ग्यारह नावें, तीन समुद्री पुलिस नावें, एक तटरक्षक नाव और चार हेलीकॉप्टर एस एंड आर अभियान में शामिल हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, जहाज के मालिक राजेंद्र पडटे ने कहा कि 'नीलकमल' दोपहर करीब 3.15 बजे एलीफेंटा द्वीप के लिए अपनी नियमित पर्यटन यात्रा पर रवाना हुआ था (शेष पृष्ठ 9)

एनसीआर में बढ़ी प्रदूषण की रफ्तार, एक्यूआई 445 पार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बुधवार को दिल्ली में एक और दिन जहरीली हवा के साथ बीता, क्योंकि कुल वायु गुणवत्ता सूचकांक (ग्रैप) खतरनाक 445 (लगभग गंभीर प्लस) को पार कर गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस के साथ, घने कोहरे ने शहर को घेर लिया, जिससे दृश्यता बुरी तरह प्रभावित हुई और पहले से ही खतरनाक वायु गुणवत्ता और भी खतरनाक हो गई। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली के अनुसार, 12.857 प्रतिशत के साथ परिवहन क्षेत्र वायु प्रदूषण में मुख्य योगदानकर्ता है, इसके बाद उद्योग (6.617 प्रतिशत), सड़क निर्माण (1.85 प्रतिशत), अपशिष्ट (1.23 प्रतिशत) और धूल (0.913 प्रतिशत) हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, हवा की गति में कमी के कारण पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में जहरीली वायु गुणवत्ता का अनुभव हो रहा है, जिससे स्थानीय प्रदूषक वातावरण में केंद्रित हो रहे हैं। मंगलवार को शहर का 24 घंटे का औसत एक्यूआई शाम 4 बजे 433 था, जबकि सोमवार को यह 379 था। शहर के 36 निगरानी स्टेशनों में से 32 ने एक्यूआर को 'गंभीर प्लस' श्रेणी में दर्ज किया, जबकि कई स्थानों पर (शेष पृष्ठ 9)

कटरा निवासियों ने शुरू किया रोपवे परियोजना का विरोध

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू

श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति, कटरा ने बुधवार को प्रस्तावित 250 करोड़ रुपये की रोपवे परियोजना के विरोध में शांतिपूर्ण बंद का आह्वान किया। यह रोपवे परियोजना ताराकोट मार्ग को सांझी छत से जोड़ती है, जो त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित गुफा मंदिर की ओर जाती है। कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने कटरा शहर में मार्च निकाला। दिन के दौरान तीर्थयात्रियों को पूर्ण बंद के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। परिवहन सुविधाएं भी निलंबित रहीं, जिससे तीर्थयात्रियों के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना मुश्किल हो गया।

चार दिवसीय विरोध प्रदर्शन के पहले दौर के अंत में, संघर्ष समिति ने जम्मू और कश्मीर सरकार को 15 दिसंबर तक उनकी मांगों को मानने का अल्टीमेटम दिया था, अन्यथा उनके पास अपना आंदोलन फिर से शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। विभिन्न हितधारकों के बीच किसी ठोस आश्वासन या बातचीत के अभाव में संघर्ष समिति ने शांतिपूर्ण बंद का फैसला किया। रोपवे परियोजना का विरोध करने के लिए समिति ने विभिन्न संगठनों के समर्थन से शालीमार पार्क से एक बड़ी रैली निकाली। हाथों में तख्तियां लेकर और काली पट्टी बांधकर प्रदर्शनकारियों ने मंदिर बोर्ड और परियोजना के खिलाफ नारे लगाए। वैष्णो देवी ट्रैक मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल ने संवाददाताओं से कहा, संघर्ष समिति हमारे अधिकारों के लिए लड़ रही है, क्योंकि बोर्ड 60,000 से अधिक परिवारों की रोजी-रोटी (शेष पृष्ठ 9)

बाइडन प्रशासन ने दी एच-1 बी वीजा नियमों में ढील

पीटीआई। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने एच-1बी वीजा के नियमों में ढील दी है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों के लिए विशेष कौशल वाले विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करना आसान हो जाएगा और एफ-1 छात्र वीजा को आसानी से एच-1बी वीजा में तब्दील किया जा सकेगा। इस कदम से हजारों भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों को फायदा होने की संभावना है। सबसे अधिक मांग वाला एच-1 बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों को ऐसे विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति मिलती है, जिनमें व्यावसायिक या प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर रहती हैं। मंगलवार को होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा घोषित इस नियम का उद्देश्य विशेष पदों और गैर-लाभकारी व सरकारी अनुसंधान संगठनों के लिए परिभाषा और मानदंडों को आधुनिक बनाकर नियोक्ताओं तथा श्रमिकों को अधिक सुविधा प्रदान करना है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन बदलावों से अमेरिकी नियोक्ताओं को अपनी (शेष पृष्ठ 9)

आप जीती तो वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा मुफ्त इलाजः केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बुजुर्गों को स्वास्थ्य की गारंटी दी है। बुधवार को उन्होंने ऐलान किया कि विस चुनाव बाद आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद संजीवनी योजना लागू कर दिल्ली के 60 साल से ऊपर के हर बुजुर्ग का मुफ्त इलाज कराएंगे। योजना के तहत बुजुर्ग निजी या सरकारी अस्पताल में अपना इलाज करा सकेंगे और उसका सारा खर्च सरकार उठाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए कोई भी आय या सामाजिक आर्थिक प्रतिबंध नहीं होगा। अरविंद केजरीवाल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज जो वह घोषणा करने जा रहे हैं। वह शायद देश के इतिहास में आज तक कभी नहीं की गई। बुजुर्गों का बहुत मान-सम्मान करते हैं। उनकी वजह से ही हम हैं। आज देश जहां पहुंचा है, बुजुर्गों ने ही पहुंचाया है। बुजुर्गों ने 24 घंटे मेहनत कर, खून पसीना बहाकर अपने परिवार को पाला, समाज को आगे बढ़ाया, देश को आगे बढ़ाया। उनके बच्चे होने के नाते उनके बुढ़ापे में फर्ज बनता है कि हम उनका ख्याल रखें। केजरीवाल ने आगे कहा कि बुढ़ापे में सभी को एक चीज तकलीफ देती है। (शेष पृष्ठ 9)

कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू होगी? भारत-चीन के बीच शांति वार्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ।

पिछले चार वर्षों से दोनों देशों के बीच ठंडे पड़े संबंधों में सुधार का संकेत देते हुए भारत और चीन ने बुधवार को सीमा पार सहयोग और आदान-प्रदान पर सहमति जताई, जिसमें कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करना, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करना और सीमा व्यापार शामिल है। वे क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए स्थिर, पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण भारत-चीन संबंधों की प्रमुखता पर सहमत हुए। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यहां एक बयान में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 23वीं बैठक, क्रमशः भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और विदेश मामलों के मंत्री वांग यी, बुधवार को बीजिंग में आयोजित की गई।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच कज़ान में हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार विशेष प्रतिनिधियों की बैठक हुई, जिसमें सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता के प्रबंधन की देखरेख करने और सीमा प्रश्न का निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तलाशने के लिए जल्द से जल्द बैठक करने का निर्णय लिया गया था। विशेष प्रतिनिधियों ने सीमा प्रश्न के समाधान के लिए निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य रूपरेखा की मांग करते हुए समग्र द्विपक्षीय संबंधों के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य को बनाए रखने के महत्व को दोहराया और इस प्रक्रिया में और अधिक जीवंतता लाने का संकल्प लिया। 2020 में भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी क्षेत्र में टकराव के बाद विशेष प्रतिनिधियों की यह पहली बैठक थी। विशेष प्रतिनिधियों ने अक्टूबर 2024 के नवीनतम विघटन समझौते के कार्यान्वयन की सकारात्मक रूप से पुष्टि की, जिसके परिणामस्वरूप संबंधित क्षेत्रों में गश्त और चराई हुई।

दोनों विशेष प्रतिनिधियों ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने ज़मीन पर शांतिपूर्ण स्थिति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया ताकि सीमा पर मुद्दे द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य विकास में बाधा न बनें। 2020 की घटनाओं से सीख लेते हुए, उन्होंने सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने तथा प्रभावी सीमा प्रबंधन को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की। उन्होंने इस उद्देश्य के लिए प्रासंगिक राजनयिक और सैन्य तंत्रों का उपयोग, समन्वय और मार्गदर्शन करने का निर्णय लिया।

अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय कैरियर से विदा लेकर क्रिकेट जगत को चौंका दिया

पीटीआई। ब्रिसबेन

भारत के अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तुरंत प्रभाव से संन्यास लेने का ऐलान करके क्रिकेट जगत को चौका दिया। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि अभी उनके भीतर खेल बाकी है। 38 वर्ष के अश्विन ने भारत के लिए अनिल कुंबले (619 विकेट) के बाद 106 मैचों में सर्वाधिक 537 टेस्ट विकेट लिए हैं। आईपीएल में अगले साल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए वापसी करने वाले अश्विन क्लब क्रिकेट खेलते रहेंगे। सीमित ओवरों के प्रारूप में वह 2011 विश्व कप और 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी विजेता टीम का हिस्सा थे। अश्विन ने ब्रिसबेन में तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद कप्तान रोहित शर्मा के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा , मैं आपका अधिक समय नहीं लूंगा। यह भारतीय टीम के क्रिकेटर के रूप में मेरा आखिरी दिन है। इसके बाद उन्होंने कोई सवाल लेने से इनकार कर दिया और घोषणा करके चले गए। श्रृंखला में अभी मेलबर्न और सिडनी टेस्ट बाकी है। पांच मैचों की श्रृंखला फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है।

अश्विन बृहस्पतिवार को भारत लौट आएंगे। संन्यास की घोषणा से पहले उन्हें ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली के साथ भावुक होते देखा गया। कोहली ने उनके कंधे पर हाथ रखा था और अश्विन को अपनी आंखें पोछते देखा गया। अश्विन ने एडीलेड में गुलाबी गेंद का टेस्ट खेलकर एक विकेट लिया था। पिछले तीन टेस्ट में अंतिम एकादश में जगह पक्की नहीं देखकर अश्विन ने शायद यह फैसला लिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि क्रिकेटर के तौर पर मेरे भीतर अभी पंच बाकी है लेकिन मैं क्लब स्तर पर उसे दिखाना चाहूंगा। मैने अपने कैरियर का पूरा मजा लिया। मेरी रोहित और बाकी खिलाड़ियों के साथ कई यादें हैं। उन्होंने चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की ओर इशारा करते हुए कहा , उनमें से कुछ पिछले कुछ साल में चले गए। हम आस्ट्रेलिया में भारतीय ड्रेसिंग रूम में उस जमात की आखिरी कड़ी हैं। अश्विन ने भारत

के लिए 116 वनडे खेलकर 156 विकेट लिए जबकि 65 टी20 में 72 विकेट चटकाए। उन्होंने 2010 में वनडे में और 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने कहा , मुझे कई लोगों को धन्यवाद देना है लेकिन सबसे पहले बीसीसीआई और अपने साथी खिलाड़ियों को धन्यवाद दूंगा। रोहित, विराट, अजिंक्य , पुजारा जिन्होंने विकेट के आसपास कैच लपककर मुझे विकेट दिलाए। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को भी धन्यवाद जिनके खिलाफ खेलने में मजा आया। उन्होंने मीडिया को धन्यवाद देते हुए कहा , यह भावुक पल है। मुझे माफ कीजिए कि सवाल नहीं ले सकूंगा। मेरे बारे में अच्छा और कभी कभी बुरा लिखने के लिए धन्यवाद।

उनके संन्यास से 2014 श्रृंखला की यादें ताजा हो गई जब तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आस्ट्रेलिया के विजई बढत लेने के बाद टेस्ट क्रिकेट से विदा ले ली थी। अश्विन का फैसला भले ही चौकाने वाला रहा हो लेकिन रोहित ने बताया कि पर्थ टेस्ट के दौरान इस बारे में बात हुई थी। उन्होंने कहा , यह उसके दिमाग में था और इस फैसले के पीछे कई कारण है। इसका जवाब वही दे सकता है लेकिन वह समझता है कि टीम क्या सोच रही है। उन्होंने कहा , जब मैं पर्थ पहुंचा तो हमने इस पर बात की और मैने उसे गुलाबी गेंद का टेस्ट खेलने के लिए मनाया। उसके बाद उसे लगा कि अगर श्रृंखला में उसकी फिलहाल जरूरत नहीं है तो वह खेल को अलविदा कह सकता है। भारत ने पर्थ में वॉशिंगटन सुंदर को उतारा जबकि अश्विन ने एडीलेड टेस्ट खेला और ब्रिसबेन में रविंद्र जडेजा को टीममें जगह मिली। रोहित ने कहा , उसके जैसे खिलाड़ी को जो हमारे लिए मैच विनर रहा है, ये फैसले खुद करने की अनुमति मिलनी चाहिए। उसे लगता है कि यह सही समय है तो ठीक है। बीसीसीआई ने एक्स पर अश्विन को शानदार कैरियर पर बधाई देते हुए लिखा , अश्विन निपुणता, कौशल, प्रतिभा और नवीनता का पर्याय रहा है।

प्रदेश में विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसर खुलने का रास्ता साफ

● विधानसभा में उच्च शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव लाने वाले चार विधेयक सर्वसम्मति से पारित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा ने उच्च शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव लाने वाले चार विधेयकों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। इन विधेयकों के तहत राज्य में तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और विदेशी विश्वविद्यालय परिसरों के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को शैक्षिक हब बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उच्च शिक्षा क्षेत्र में यह सुधार राज्य की छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगा। नए विश्वविद्यालयों और विदेशी परिसरों के माध्यम से छात्रों को उनके गृह राज्य में ही विश्व स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विदेशी विश्वविद्यालय के आने से प्रदेश के छात्रों को अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा, उन्हें उच्च स्तरीय शिक्षा अपने प्रदेश में ही अब सस्ती और सहज मिलेगी। उन्होंने कहा कि अभी तक उत्तर प्रदेश में ही रजिस्टर्ड संस्थायें यहाँ पर विश्वविद्यालय स्थापित कर सकती थी परन्तु अब इस नये संशोधन विधेयक द्वारा किसी भी अन्य राज्य में रजिस्टर्ड संस्थायें, कम्पनियाँ, ट्रस्ट जिनका ट्रैक रिकार्ड भी अच्छा हो, उत्तर प्रदेश में निजी विश्वविद्यालय खोलने के लिए अर्ह होंगें। यदि यूजीसी द्वारा विदेशी विश्वविद्यालय जिनको उत्तर प्रदेश द्वारा मान्यता दी जाती है तो ऐसी संस्थाये भी उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालय स्थापित कर सकेगी। यह विधेयक प्रदेश के छात्रों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेंगे। योगी सरकार की यह पहल उत्तर प्रदेश को शैक्षिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के साथ-साथ स्थानीय और वैश्विक स्तर पर रोजगार और शोध के अवसरों को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि यह बदलाव केवल नए विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में उच्च शिक्षा को सुलभ और उन्नत बनाने के लिए उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 12 सन् 2019) में संशोधन किया गया है। इसके तहत विद्या विश्वविद्यालय मेरठ, विवेक विश्वविद्यालय बिजनौर तथा चंडीगढ़ विश्वविद्यालय उन्नाव नए विश्वविद्यालयों की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान युवा कार्यकर्ता की मौत

● मृतक के एक परिजनों को सरकारी नौकरी व एक करोड़ रुपए देने की मांग

● डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर डाक्टर्स के पैनल ने किया पोस्टमार्टम

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय हुए बेहोश, पुलिस पर बर्बरता का लगाया आरोप

मृतक प्रभात पांडेय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को राजधानी में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा का घेराव करने के लिए निकले नेताओं-कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बेहोश हो गये। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान प्रदर्शन में शामिल होने सहजनवा, गोरखपुर से आए युवा कार्यकर्ता प्रभात पांडेय (28 वर्ष) की मौत हो गई। मौत प्रदर्शन के दौरान चोट लगने से हुई है। इस हादसे के बाद से कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित हैं। इस मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने योगी सरकार से एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। दिवंगत प्रभात के परिजनों और साथियों से मिलने के लिए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और नेता-कार्यकर्ता सिविल अस्पताल पहुंचे।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का आरोप है कि पुलिस, प्रशासन की मिस हैंडलिंग से कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडे की मौत हुई है। प्रदर्शन को रोकने के लिए सरकार ने नुकीली कीलें लगवाई थीं। उन्होंने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि पुलिस ने मेरा और कई कार्यकर्ताओं का गला दबाया। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। हमारी राहों में कंटीले तार बिछाए गए। पोस्टमार्टम से प्रभात की मौत की वजह साफ होगी। कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत के मामले में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक सिविल अस्पताल पहुंचे। यहां डिप्टी सीएम ने बताया कि युवक कांग्रेस कार्यालय में अचेत अवस्था में मिला था। युवक को अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। पोस्टमार्टम कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। मौत के कारणों की अभी जानकारी नहीं है। पोस्टमार्टम के बाद चिकित्सकों की रिपोर्ट से कारण पता चलेंगे। डॉक्टरों का पैनल पोस्टमार्टम करेगा। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच होगी ताकि सच्चाई सामने आए। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और कई अन्य पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को विधानसभा का घेराव करने के लिए आयोजित विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस द्वारा किसान संकट, बेरोजगारी, महंगाई, निजीकरण और कानून व्यवस्था समेत कई मुद्दों को लेकर राज्य विधानसभा का घेराव किया जाना था। विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर बुधवार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विरोध स्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए विधानसभा के चारों ओर बैरिकेड लगाए गए जबकि मार्ग में परिवर्तन के कारण लखनऊ के बीचों-बीच यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू है और राज्य विधानसभा का सत्र चल रहा है, ऐसे में किसी को भी आदेशों का उल्लंघन नहीं करने दिया जाएगा। विधानसभा की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगाकर मॉल एवेन्यू क्षेत्र में कांग्रेस कार्यालय के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए। पुलिस ने लखनऊ में लागू प्रतिबंधों का हवाला देते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी के मॉल एवेन्यू कार्यालय में ही रुकने का कहा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार महासचिव व प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेसजनों ने विधानसभा की ओर कूच किया, रास्ते में पुलिस प्रशासन द्वारा लगाई गई बैरीकेडिंग के पास पुलिस बल एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का मुक्की हुई। काफी संघर्ष के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय एवं कार्यकर्ताओं ने बैरीकेडिंग तोड़कर आगे बढ़े जहां भारी पुलिस बल द्वारा बड़ी भाले वाली बैरीकेडिंग लगाकर उन्हें रोका गया। आक्रोशित कांग्रेसजनों ने बैरीकेडिंग पर लगे भालों की परवाह न करते हुए उस पर चढ़कर आगे बढ़ने का प्रयास जारी रखा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बैरीकेडिंग पर चढ़कर योगी सरकार मुर्दाबाद, प्रदेश सरकार मुर्दाबाद का नारा लगाते हुए कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। तकरीबन एक घंटे से अधिक की जद्दोजहद के बाद पुलिस प्रशासन ने मजबूरन अविनाश पाण्डेय एवं अजय राय सहित सभी कांग्रेसी नेताओं ले लिया।

प्रदर्शन व ट्रैफिक डायवर्जन ने लोगों का चलना किया मुश्किल

लखनऊ। बुधवार को विधानसभा सत्र और कांग्रेस के प्रदर्शन के कारण ट्रैफिक डायवर्जन ने लोगों का चलना मुश्किल कर दिया। स्थिति यह रही कि तीन घंटे तक शहर के प्रमुख मार्ग जाम रहे। इससे स्कूली बच्चे रास्ते में फंस गए। कई लोगों की ट्रेनें तक छूट गईं। विधानसभा सत्र और कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन की तरफ से कांग्रेस कार्यालय के आसपास चौतरफा बैरिकेडिंग की गई थी। सुबह से ही कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। इसके बाद पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय जाने वाले विधानसभा मार्ग, मुख्यमंत्री आवास मार्ग और अन्य सभी मार्गों पर बैरिकेडिंग लगाकर रास्तों को बंद कर दिया। जिसका नतीजा यह रहा कि स्टेशन रोड पर जबरदस्त जाम के चलते ट्रेन पकड़ने वाले लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ा। स्कूल से छुट्टी होने के बाद बच्चों को भी जाम में जूझना पड़ा। लालबत्ती चौराहा से एनेक्सी तिराहा की ओर जाने वाला रास्ता डायवर्ट किया गया था। इधर जाने वाले वाहनों को एसएन ओवरब्रिज से नेहरु चौराहा, वाल्मीकि चौराहा होकर सदर ओवरब्रिज से बर्लिंगटन चौराहा की ओर डायवर्ट किया गया था। जाम के चलतें ये रास्ते पूरी तरीके से ब्लॉक हो गए। वहीं वाहनों को हजरतगंज से सिसेंडी तिराहा, एनेक्सी तिराहा से रॉयल होटल और बर्लिंगटन की ओर डायवर्ट किया गया था। जिसके चलते प्रदर्शन के कारण हज़रतगंज लालबाग, कैसरबाग, अशोक लाट चौराहा से बर्लिंगटन चौराहा, सदर ओवरब्रिज , वाल्मीकि चौराहा, नेहरू चौराहा होकर जाएगा, उदयगंज हुसैनगंज, सदर मॉल एवेन्यू में भीषण जाम लग गया। जाम के चलते कई अभिभावक पैदल चलकर बच्चों को लेने के लिए स्कूल पहुंचे थे।

भाजपा ने बाबा साहब के सपनों को वास्तविकता में बदलाः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े मामलों पर विपक्ष और कांग्रेस को सख्त जवाब दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए डॉ. अंबेडकर के विजन को साकार करने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। साथ सीएम योगी ने कांग्रेस और विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस बातें तो खूब करती हैए लेकिन पिछड़े समुदायों को सशक्त बनाने में लगातार विफल रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा ने बाबा साहेब डॉण् बीण्आरण् अंबेडकर के समानता के सपने को साकार करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार आरक्षण का विस्तार करने, शिक्षा और सरकारी नौकरियों में नए अवसर पैदा करने जैसी नीतियों को लागू कर दलित और पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण की दिशा में अहम योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की नीतियां डॉ. अंबेडकर के विचारों को केवल भाषणों में सीमित रखने के बजाय उन्हें जमीन पर लागू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन ने न केवल पिछड़े समुदायों के लिए अधिक अवसर प्रदान किए, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में भी सफलता हासिल की है।

प्रदेश में आज से 25 दिसंबर तक अटल जन्म शताब्दी समारोह मनाएगी योगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीएम योगी संगीत नाटक अकादमी में करेंगे शुभारंभ

प्रदेश सरकार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी समारोह मनाएगी। इस उपलक्ष्य में 19 से 25 दिसंबर तक धूमधाम से अनेक आयोजन किए जाएंगे। संस्कृति विभाग व उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले शताब्दी समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह, संगीत नाटक अकादमी में करेंगे। समारोह में प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, काव्य पाठ समेत अनेक आयोजन भी होंगे। इन आयोजनों के विजेताओं को 25 दिसंबर को सम्मानित भी किया जाएगा।

शताब्दी समारोह में उप्र राजकीय अभिलेखाकार व राज्य ललित कला एकेडमी की तरफ से प्रदर्शनी लगाई जाएगी। ललित कला एकेडमी की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि प्रदर्शनी में अटल जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया जाएगा। इसका उद्देश्य वर्तमान व भावी पीढ़ी को अटल जी के व्यक्तित्व से प्रेरित करना है। इसमें प्रदेश के कई जनपदों के कलाकारों द्वारा लगभग 30.35 से अधिक पेंटिंग लगाई जाएगी।

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के तहत उत्तर प्रदेश का कई राज्यों के साथ एमओयू होगा। मेजबान उत्तर प्रदेश के साथ मणिपुर, बिहार व छत्तीसगढ़ का एमओयू होगा। इन राज्यों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान होगा। वहीं संगीत नाटक अकादमी में उप्र के सूचना विभाग की तरफ से भी सुशासन पर प्रदर्शनी लगेगी। पूरे सप्ताह तक अनेक सांस्कृतिक गतिविधियां भी चलेंगी। कवि सम्मेलनए सांस्कृतिक कार्यक्रम व काव्य पाठ प्रतियोगिताएं भी चलेंगी।

प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पहले से बेहतर हुई हैं: बृजेश पाठक

● विधानसभा अध्यक्ष ने सपा विधायक अतुल प्रधान को सत्र से किया निष्कासित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा में शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बुधवार को जोरदार हंगामा हुआ। आक्रामक तेवर पर सपा के अतुल प्रधान को पूरे सत्र के लिए निष्कासित कर दिया गया। विधानसभा में अध्यक्ष के आदेश पर समाजवादी पार्टी के सदस्य अतुल प्रधान को सदन से निकाला गया। अतुल प्रधान को मार्शल बाहर कर दिया। वहीं, सदन में विपक्ष का वेल में हंगामा जारी रहा।

विधानसभा में सपा विधायक अतुल प्रधान के सवाल पर स्वास्थ्य

सरकार के जवाब से नाराज सपा सदस्यों ने किया हंगामा

मंत्री ब्रजेश पाठक के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन में हंगामा किया। इस दौरान विपक्ष ने सदन में नारेबाजी भी की। सपा के वरिष्ठ सदस्य दुर्गा प्रसाद यादव के प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के सवाल के जवाब में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा सदस्यों पर सदन को गुमराह किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इमरजेंसी सुविधाएं नहीं होती हैं। इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और सपा सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस नोंकझोक के चलते पहले सपा सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पहले वॉक आउट किया। फिर, सपा सदस्य एक-एक करके वेल में आए और डिप्टी सीएम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए।

सपा सदस्यों के आचरण पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आपत्ति दर्ज कराई। साथ ही विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा सदस्यों के आचरण को अशोभनीय बताया। उन्होंने सपा सदस्य अतुल प्रधान के आचरण को अशोभनीय बताते हुए पहले सदन से बाहर जाने को कहा। फिर विधानसभा के सुरक्षाकर्मियों से उन्हें जबरन निकलवा दिया। इसी के साथ सदन की कार्यवाही पहले 30 मिनट के लिए फिर 10-10 मिनट के लिए दो बार और 15 मिनट के लिए एक बार स्थगित की गई। इससे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अतुल प्रधान के आचरण को लेकर उनकी सदस्यता समाप्त किए जाने की भी बात कही। सदन में शोर-शराबे और हंगामे के बीच ही डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पहले से बेहतर हुई हैं। सपा के सदस्य आंख बंद करके किसी भी नोटिस पर हस्ताक्षर कर देते हैं और यहां गला साफ करने के लिए बिना किसी तैयारी के लिए कुछ भी बोल देते हैं। स्थगन समाप्त होने के बाद जैसे ही सदन व्यवस्थित हुआ, सपा के सदस्य फिर धरने पर बैठे रहे। इस बीच सपा के वरिष्ठ सदस्य महबूब अली,संग्राम सिंह यादव तथा नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि हम लोग सत्तापक्ष की आरती उतारने नहीं आए हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि विपक्ष को भी सदन में अपना आचरण मर्यादित रखना चाहिए। जबकि, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि उनकी मंशा सदन में किसी सदस्य की अवमानना करना नहीं है। विपक्ष के सदस्य जो भी आचरण करते हैं, वह केवल समाचार पत्रों में सुर्खियों में बने रहने के लिए होता है। सपा सदस्यों के शोर-शराबे और हंगामे के बीच ही विधायी कार्य निपटाए गए। प्रश्न काल से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक दिन पहले मंगलवार को सदन में सपा सदस्य के लगाए आरोपों के जवाब में कहा कि मेरे पास जाति का आधार नहीं है।

मैं उस विधानसभा क्षेत्र से आता हूं, जहां मेरी जाति के केवल एक हजार वोट हैं। सभी जाति और समाज ने मेरा साथ दिया है। मैंने सदन की गरिमा बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयास किया है। जवानी से लेकर आज तक मैंने अपना पूरा जीवन राजनीति को समर्पित किया है। इस दौरान कई आघात और आरोप भी सहे हैं। मुझसे कमजोर कोई नहीं होगा। मेरा कोई जातीय आधार नहीं है। काम और विधायकों का विश्वास ही मेरा वास्तविक आधार है। लेकिन, यदि कोई पीठ के खिलाफ बयान देता है, तो मैं नियमानुसार कार्रवाई करूंगा।

साजिशों से डरने वालों में से नहीं हूं मैं: आशीष पटेल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा विभाग में व्याख्याताओं की पदोन्नति में अनियमितताओं के आरोपों का सामना कर रहे राज्य मंत्री आशीष पटेल ने बुधवार को कहा कि वह साजिशों से डर वाले नहीं हैं और उन्होंने सूचना विभाग के कनिष्ठ अधिकारियों पर मंत्रियों को बदनाम करने का आरोप लगाया।

अपना दल (कमेरावादी) की नेता एवं समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर विधायक बर्नी पल्लवी पटेल द्वारा कथित अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर विधानसभा परिसर में धरना दिए जाने के दो दिन बाद मंत्री की यह प्रतिक्रिया आई है। सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर पोस्ट कर मंत्री पटेल ने कहा, साजिशों के जाल बुनते रहिए, मैं डरने वालों में से नहीं हूं। उत्तर प्रदेश विधानसभा परिसर में धरने का जिक्र करते हुए आशीष पटेल ने सवाल उठाया, धरनारत विधायक के साथ धरने पर बैठे और किसी बाहरी व्यक्ति से लगातार निर्देश प्राप्त कर रहे दो व्यक्ति कौन थे, जो उस समय देर रात राज्य के सबसे सुरक्षित परिसर विधानसभा में मौजूद थे, जहां सदन की कार्यवाही खत्म होने के बाद परिंदा भी पर नहीं मार सकता? किस पुलिस अधिकारी ने सारे नियमों को ताक पर रख कर इन्हें विधानसभा परिसर में आने की अनुमति दी? राज्य के सूचना विभाग पर आरोप लगाते हुए मंत्री ने कहा, 1700 करोड़ के बजट वाले राज्य के सूचना विभाग का काम माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथजी की अगुवाई वाली सरकारों की नीतियों, कार्यक्रमों की जानकारी आम जनमानस तक पहुंचाने की है। उन्होंने कहा, हालांकि विभाग के छोटे अधिकारी इसका उपयोग कर अपनी ही सरकार के मंत्रियों के मान मर्दन और चरित्र हनन में जुटे हैं। क्या इनका काम मंत्रियों पर झूठे आरोपों को रोकने के बजाय शह देना और अधूरे तथ्यों को उपलब्ध कराकर भ्रम पैदा कर खिलाफ में खबरें छपवाना है? अक्टूबर में लखीमपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक योगेश वर्मा को एक वकील द्वारा थप्पड़ मारे जाने की घटना का जिक्र करते हुए आशीष पटेल ने कहा, साजिश रचने वाले समझ लें, मैं माननीय विधायक योगेश वर्मा नहीं हूं, जो थप्पड़ खाने और अपमानित होने के बावजूद किसी मजबूरी में चुप रह गए। मैं सरदार पटेल का वंशज हूं। डरना नहीं मुकाबला करना मेरी फितरत में है। कोई कंकड़ फेंकेगा तो जवाब पत्थर से मिलेगा। उन्होंने कहा, एक बात और कितनी भी साजिश रचें, चरित्रहनन की कोशिश करें, अपना दल (एस) सामाजिक न्याय से जुड़े मामले उठाते रहेगा।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूचित हो कि मेरे मकान न. ED/531 सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ का LDA द्वारा जारी मूल आवंटन पत्र कहीं खो गया है। इसका प्रयोग अन्य द्वारा अवैध होगा। अंजली पत्नी मनोज कुमार चतुर्वेदी, सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ

सूचना

सूचना

हम, विवेक मिश्रा पुत्र श्रवण कुमार मिश्रा एवं शैलजा शर्मा पत्नी विवेक मिश्रा, निवासी 6/743, सेक्टर-6, विकास नगर, लखनऊ-22 एतद्द्वारा सूचित किया जाता हैं कि मूल आवंटन पत्र संख्या 4732 दिनांक 28.11.93, कब्ज़ा पत्र संख्या SPS4/935 दिनांक 11.01.96 एवं विक्रय विलेख संख्या 8396 दिनांक 29.11.99 यूपीएवीपी द्वारा सुश्री प्रवीण पत्नी श्री अजाज हैदर जैदी के पक्ष में खो गया। संपत्ति का पता 4/935 विकास नगर लखनऊ, यूपी है।
मैं आगे कहता हूं कि हम एसबीआई आरएसीपीसी अलीगंज, लखनऊ से ऋण के लिए उक्त संपत्ति पर साम्यिक बंधक बनाना चाहते हैं।
खोए हुए आवंटन पत्र, कब्ज़ा पत्र एवं विक्रय विलेख के संबंध में पुलिस में एफआईआर संख्या 20240000987141 दिनांक 18.12.2024 के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है।
यदि प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर कोई आपत्ति है, तो कृपया एसबीआई की उपरोक्त शाखा से संपर्क कर सकते है।

सौर ऊर्जा से जगमग हो रहा यूपी

सोलर रूफ टॉफ पैनल लगाने में देश में तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में श्पीएम सूर्य घर योजनाश् को उत्तर प्रदेश में नए आयाम मिल रहे हैं। केंद्र की योजनाओं को प्रदेश के विकास से जोड़ते हुए योगी सरकार ने यूपी को सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में शीर्ष राज्यों में ला खड़ा किया है। बिजली बचतए आय वृद्धि और हरित ऊर्जा के लक्ष्य को पूरा करने वाली इस योजना से प्रदेश के लाखों घर लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार की सक्रियता का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेशए सोलर रूफ्टॉप इंस्टालेशन के मामले में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद देशभर में तीसरे स्थान पर है। अब तक प्रदेश में 53 हजार से अधिक सोलर रूफ टॉप पैनल लगाए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 25 लाख सोलर रूफ्टॉप पैनल लगाने का है। योजना को जनता तक पहुंचाने में मिली सफ्लता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 18 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैंए जिनमें से 32 हजार से अधिक घरों में पैनल का इंस्टालेशन भी पूरा कर लिया गया है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत सरकार सोलर रूफ टॉप लगाने के लिए आकर्षक सब्सिडी प्रदान कर रही है। 1 किलोवॉट क्षमता के पैनल के लिए केंद्र सरकार 30 हजार रुपए और प्रदेश सरकार 15 हजार रुपए की सहायता देती हैए यानी कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी। इसी तरहए 2 किलोवॉट के पैनल के लिए केंद्र सरकार द्वारा 60 हजार और योगी सरकार द्वारा 30 हजारए कुल 90 हजार रुपए की सहायता लाभार्थियों को दी जा रही है। वहीं 3 किलोवॉट या उससे ऊपर के पैनल के लिए केंद्र की ओर से 78 हजार रुपए और राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपए की सब्सिडी मिलाकर 1 लाख 8 हजार रुपए तक की सहायता दी जा रही है। इस योजना का सीधा फायदा उन घरों को मिल रहा है जो बिजली बिल के बोझ से राहत पाना चाहते हैं।

पर्यटन मंत्री ने किया त्रिदिवसीय भातखंडे संगीत उत्सव-2024 का शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा है कि भातखंडे विश्वविद्यालय अपने विकास यात्रा के दौरान देश के निर्माण में सराहनीय भूमिका अदा की है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के छात्र एवं छात्रायें अपनी लगन और निष्ठा से जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़े और प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि यहां से निकलने वाले छात्र वैज्ञानिक बने, संगीतकार बने तथा जिस क्षेत्र में जाये, सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित करें।

जयवीर सिंह बुधवार को त्रिदिवसीय भातखंडे संगीत उत्सव-2024 का शुभारम्भ के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्रायें, कला प्रेमियों, कत्थक, नृत्य, गायन, संगीत वादन आदि विधाओं से जुड़े छात्र-छात्राओं की उपस्थिति थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जो सपना हमारे देश के नेताओं ने देखा था, उसको साकार करने की जिम्मेदारी छात्र-छात्राओं पर है। वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरू बनाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि छात्र-छात्रायें पूरी ईमानदारी से देशसेवा का संकल्प लें। जिस विधा में उनकी रूचि हो, उस विधा को ऊचांईयों पर लेकर जायें। यह विश्वविद्यालय देश की ही नहीं बल्कि विश्व का सर्वोच्च विश्वविद्यालय होगा। इस विद्यालय के बच्चे अपनी कला एवं निष्ठा से समाज एवं राष्ट्र के निर्माण का संकल्प ले। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में इस संस्थान को डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाता था। अब विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करके स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा के विभिन्न विषयों पर शोध कार्य भी संचालित किये जा रहे हैं। संस्कृति विभाग के सभी संस्थाओं तथा अकादमी को विश्वविद्यालय द्वारा संबंद्ध कर दिया गया है। जयवीर सिंह ने कहा कि यह विद्यालय भारत की सांस्कृतिक समृद्धि एवं गौरवशाली विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए शिक्षा तथा कलात्मक विधाओं में देश-विदेश में अमूल्य योगदान प्रस्तुत कर रहा है।

बाबा साहेब की आड़ में रोटी सेंकने की बजाय उनका सम्मान करें कांग्रेस व भाजपा: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस और भाजपा के लोगों को बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की आड़ में अपनी राजनैतिक रोटी सेंकने की बजाय, उनका पूरा आदर एवं सम्मान करना चाहिए।

मायावती ने बुधवार को एक्स पर कहा, कांग्रेस और भाजपा एवं कम्पनी के लोगों को बाबा साहेब की आड़ में अपनी राजनैतिक रोटी सेंकने की बजाय, उनका पूरा आदर एवं सम्मान करना चाहिए। इन पार्टियों के लिए इनके जो भी भगवान हैं, उनसे पार्टी (बसपा) को कोई ऐतराज नहीं है। उन्होंने कहा कि दलितों एवं अन्य उपेक्षितों के लिए एकमात्र भगवान केवल बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर हैं, जिनकी वजह से इन वर्गों को सात जन्मों तक का स्वर्ग मिल गया था, जब संविधान में उन्हें कानूनी अधिकार दिए गए थे।

बांग्लादेश हिंसा के खिलाफ विधायक ने निकाली संकल्प यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध बुधवार को सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में हिन्दू रक्षा संकल्प यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा को केवल सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र ही नहीं लखनऊ के अलग - अलग क्षेत्रों से भी प्रचंड जन समर्थन मिला। 10 हजार से अधिक समर्थकों के साथ डॉ. सिंह ने तेलीबाग स्थित वरदानी हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन कर यात्रा की शुरुआत की।

करीब एक किलोमीटर लम्बी पदयात्रा के अंत में शनि मंदिर चौराहे पर जनसभा को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा, आज पूरे देश में आवाज जा रही है, कि सरोजनीनगर की जनता अन्याय के खिलाफ खड़ी हुई है। आज समय चुप रहने का नहीं है, हर व्यक्ति को आवाज उठानी है। विधायक ने बताया वर्ष 1947 में बाग्लादेश में हिंदुओं की आबादी 22फीसद थी जो अब घटकर 7 फीसद पर आ गयी है। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भी भारत के करीब 4 हजार वीर सैनिकों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। बांग्लादेश में 5 अगस्त से लगातार हमले हो रहे हैं। अब तक 2000 से ज्यादा घटनाएं घटीं, हिन्दुओं के घरों को जलाया जा रहा है, माँ बहनों की आबरू पर वार किया जा रहा है, मंदिरों को तोड़ा और लूटा जा रहा है। साधु संतों को गिरफ्तार किया जा रहा है और उस से बड़ी बात उन्हें वकील तक नहीं मिल रहे हैं।

सरोजनीनगर विधायक ने सरोजनी नगर की जनता की ओर से भारत सरकार से अवैध बांग्लादेशियों को बाहर निकालने, बांग्लादेश के विरुद्ध कड़े प्रतिबन्ध लगाने का आग्रह किया। विधायक ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान में हिंदुओं की स्थित और महिलाओं की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा आज अफगानिस्तान में लड़कियों को शिक्षा और रोजगार तक से वंचित रखा जा रहा है।

डॉ. सिंह ने कांग्रेस पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा, वोट बैंक की राजनीति के चलते कांग्रेस ने शाहबानों केस में सुप्रीम कोर्ट का फैलसा पलटा। ट्रिपल को मान्यता दी जो मुस्लिम महिलाओं के शोषण का माध्यम है। डॉ. सिंह ने हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के मारे जाने पर लखनऊ में हुए प्रदर्शनों की निंदा भी की। अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाये जाने की घटना को लेकर डॉ. सिंह ने समाजवादी पार्टी को भी निशाने पर लिया। विधायक ने कहा तुष्टिकरण की राजनीति के लिए 56 निहत्थे कारसेवकों को गोलियों से छलनी किया, आतंकवादियों के खिलाफ मुकदमें वापस लिए। विधायक ने आरोप लगाते हुए कहा ये पार्टियाँ अच्छे मुसलामानों को भी राजनीति में आगे नहीं आने देती, अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जैसे अपराधियों को आगे बढ़ाती हैं।

सरोजनीनगर विधायक ने जातिवादी राजनीति करने वाले दलों पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि ये दल हिन्दुओं को जातियों में बाँट कर एक धर्म विशेष को प्रोत्साहन देते हैं, ये समाज और देश की कमजोर करते हैं। विधायक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, आज देश पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, 500 वर्षों के संघर्षों के उपरान्त भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। विधायक ने योगी के नारे बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे का समर्थन करते हुए कहा तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दलों से दूर रहने का आग्रह किया।

ज्ञापन देने सचिवालय की तरफ बढ़ रहे शिक्षकों को पुलिस ने रोका, धरने पर बैठे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● शिक्षा मंत्री के निर्देश पर निदेशक ने मौके पर पहुॅच कर लिया ज्ञापन

अपनी मांगो को लेकर सचिवालय तक शान्तिपूर्ण ढंग से मार्च कर रहे उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के शिक्षकों को बुधवार को जीपीओ के पास पुलिस ने रोक दिया। आगे बढ़ने से रोके जाने से नाराज शिक्षक प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी एवं नेता शिक्षक दल ध्रूव कुमार त्रिपाठी, एमएलसी के साथ शिक्षक वही पर धरने पर बैठे गए। शिक्षकों के प्रदर्शन को देखते हुए शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने बात कर ज्ञापन की मांगों पर कार्यवाही करने के लिए आश्वस्त किया। उसके बाद जाकर शिक्षक शांत हुए।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) कार्यालय पर प्रात: 11 बजे से आयोजित धरना में उस समय नया मोड़ आ गया जब सायं लगभग 04:00 बजे प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी ने घोषणा की कि हम सभी शान्तिपूर्ण ढ़ग से सचिवालय की ओर मार्च करेगे और ज्ञापन वही पर देगें। अध्यक्ष के निर्देश के बाद धरना स्थल पर उपस्थित हजारों की संख्या में शिक्षकों ने शिक्षा निदेशक कार्यालय से सचिवालय की ओर कूच किया। शिक्षक का हुजूम चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 21, 18 व 12 बहाल करो, तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण करो, पुरानी पेंशन बहाल करों, नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा लागू करो के नारे लगाते हुए सचिवालय की ओर जा रहे थे। तभी जीपीओ चौराहा पर तैनात भारी पुलिस बल ने रोक दिया। अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी एवं नेता शिक्षक दल ध्रूव कुमार त्रिपाठी, एमएलसी के साथ शिक्षक वही पर धरने पर बैठे गए।

शिक्षकों के उग्र तेवर देखते हुए शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी से बात कर ज्ञापन की मांगों पर कार्यवाही करने के लिए आश्वस्त किया। शिक्षामंत्री के निर्देश पर शिक्षा निदेशक डा महेन्द्र देव ने मौके पर पहुॅच कर ज्ञापन प्राप्त किया। तब जाकर शिक्षक शांत हुए। अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी ने घोषणा कि कि यदि एक माह के अन्दर मांगो पर प्रभावी कार्यवाही नही की गई तो शिक्षक जेल भरो आन्दोलन के लिए बाध्य होगें।

अल कायदा के कथित आतंकी को जमानत नहीं

विधि संवाददाता। लखनऊ

● 15 अगस्त को लखनऊ दहलाने की थी साजिश

वर्ष 2021 में स्वतंत्रता दिवस के दिन कुकर बम से धमाका कर राजधानी को दहलाने की साजिश रचने वाले अल कायदा के कथित आतंकी मुशीरूद्दीन उर्फ मुशीर उर्फ राजू को जमानत देने से हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने इंकार कर दिया है। पीठ ने कहा है कि एनआईए ने मुशीरूद्दीन के घर से इम्प्रोवाइज्ड विस्फोटक उपकरण (आईडी) बनाने की सामग्री बरामद की थी। जिसे उसने सह-अभियुक्त मिनहाज अहमद के साथ जाकर बाजार से खरीदा था।

जस्टिस संगीता चंद्रा एवम जस्टिस श्री प्रकाश सिंह की पीठ ने यह आदेश कथित आतंकी मुशीरूददीन की ओर से दाखिल अपील पर दिया है। अपीलार्थी ने लखनऊ की विशेष एनआईए अदालत के 29 मई 2023 के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। अपीलार्थी के वकील अजमल खान का कहना था कि अपीलार्थी ई-रिक्शा चलाने वाला गरीब आदमी है और उसे गलत फंसाया गया है। कहा गया कि मुशीरूददीन के मोबाइल पर सह-अभियुक्त मिनहाज अहमद का संदेश आता था लेकिन उसने उन संदेशों को किसी को भी फारवर्ड तक नहीं किया। वहीं अपील का विरोध करते हुए एनआईए की विशेष वकील शिखा सिन्हा का तर्क था कि एनआईए ने जो आरोप पत्र दाखिल किया है, उसमें अपीलार्थी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं। पीठ ने सभी तथ्यों पर गौर करने पर पाया कि अपीलार्थी मुशीरूददीन की बैंक पास बुक के विवरण से पता चलता है कि उसके और सह अभियुक्त मिनहाज के बीच लेनदेन होता था। अपीलार्थी के पास से जो वीडियो और आडियो क्लीपिंग मिली हैं, उनसे अपीलार्थी का आंतकी गतिविधियों में संलिप्तता साफ जाहिर होती है।

हार्ट ट्रांसप्लांट की जटिल सर्जरी पर नारायणा के विशेषज्ञों ने की चर्चा

लखनऊ। हार्ट ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में अग्रणी नारायणा हेल्थ सिटी जटिल कार्डियोथोरेसिक और प्रत्यारोपण मामलों के लिए उच्चतम मानक देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बुधवार को राजधानी स्थित एक निजी होटल में आयोजि प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान विशेषज्ञों ने जटिल केस स्टडीज़ पर चर्चा की, जो अंग प्रत्यारोपण की जटिलताओं में उत्कृष्टता को उजागर करते हैं।

पहला केस एक 66 वर्षीय पुरुष रोगी का था जो कानपुर से था। इस रोगी को एंजियोप्लास्टी कराई गई थी। लेकिन उसके इजेक्शन फ्रैक्शन में गंभीर कमी बनी रही, जिसके कारण वह कार्य नहीं कर पा रहे थे और बार.बार अस्पताल में भर्ती होने की समस्या थी। जांच के बाद डा अदिति सिंहवी की अगुवाई में टीम ने यह निष्कर्ष निकाला कि रोगी को हार्ट ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है। मानक प्रोटोकॉल के अनुसार, रोगी को हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए उम्मीदवार के रूप में पंजीकृत किया गया। अक्टूबर 2023 में एक उपयुक्त दाता मिलने पर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया गया। इस दौरान अन्य विशेषज्ञ डॉ बगीरथ आर, डॉ वरुण शेट्टी, डॉ जूलियस पुनन और डॉ कुमारन टी ने ट्रांसप्लांट सर्जरी में शामिल जटिलताओं और ऐसे गंभीर मामलों में पोस्ट.ऑपरेटिव देखभाल के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

जॉब कार्डधारकों को रोजगार मुहैया कराने में फिसड्डी 23 सचिवों को शोकॉज नोटिस

संवाददाता। मोहनलालगंज

● मनरेगा में लापरवाही बरतने पर खफा बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव ने लिया एक्शन

मनरेगा से जॉब कार्डधारकों को रोजगार मुहैया कराने में पंचायत सचिव और रोजगार सेवक फेल साबित हो रहे हैं। लिहाजा मोहनलालगंज ब्लॉक की चार दर्जन से अधिक पंचायतों में लक्ष्य के सापेक्ष 45 फीसद मानव दिवस भी सृजित नही किए जा सके हैं। जबकि एक दर्जन से अधिक पंचायतें ऐसी भी हैं जहां 10 फीसद से भी कम मानव दिवस सृजित किए गए हैं। समीक्षा में आंकड़े सामने आने के बाद बीडीओ ने लापरवाही बरत रहे पंचायत सचिवों को शोकॉज नोटिस जारी किया है। मोहनलालगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत करोरा सरथुवा दाउदनगर खुझौली परेहटा रायभान खेड़ा डलौना सिसेंडी मीरानपुर गोविंदपुर हसनपुर गढ़ा बैरीशालपुर शेरपुरलवल दखिनाशेषपुर पुरहिया भगवानपुर रतनपुर अघैया नन्दौली रामदासपुर बरवलिया भसंडा उत्तरगांव कुशमौरा परसपुर थट्टा नटौली शाहमोहम्मदपुर अपैया देवती मंगटैया कुबहरा भदेसुवा धनुवासांड गढ़ी मेंहदौली बलसिंहखेड़ा ब्रह्मदासपुर करोरवा अमवामुर्तजापुर पतौना भावाखेड़ा उदयपुर समेत 48 पंचायतों में मौजूदा वित्तीय वर्ष के 8 माह बीतने के बावजूद भी ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सेवक जॉब कार्डधारकों को रोजगार देने में फिसड्डी साबित हो रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक इन पंचायतों में निर्धारित लक्ष्य का 45 फीसद मानव दिवस भी सृजित नही किए जा सके हैं। जिसे लेकर बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव ने लोगों को रोजगार मुहैया कराने में लापरवाही बरत रहे 23 पंचायत सचिवों को कड़ा पत्र जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया है। बीडीओ ने जल्द प्रदर्शन नही सुधारने पर कार्रवाई का अल्टीमेटम दिया है।

14 पंचायतों में 10 फीसद से भी कम मानव दिवस सृजित

मोहनलालगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत सरथुवा रायभानखेड़ा डलौना गोविंदपुर शेरपुरलवल परेहटा भगवानपुर अघैया उत्तरगांव रामदासपुर शाहमोहम्मदपुर अपैया भौंदरी और अमवामुर्तजापुर में 10 फीसद से भी कम मानव दिवस सृजित किए जा सके हैं। जिसे लेकर नाराज बीडीओ ने सचिवों को फटकार लगाकर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

नहीं बढ़ा वायरल रेस्पिरेटरी इंफेक्शन भीड़भाड़ में जाने से बचें लोगः पीजीआई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में पिछले कुछ महीनों में लखनऊ में कोविड और इन्फ्लूएंजा के मामलों में उछाल के दावे का पीजीआई ने खंडन किया है। पीजीआई ने कहा है कि हमारे लैब के आंकड़ों के अनुसार संक्रमणों की घटना राष्ट्रीय आंकड़ों के अनुरूप है और हमारी प्रयोगशाला के पिछले वर्ष के आंकड़ों से भी मेल खाती है। वायरल श्वसन संक्रमण में कोई अप्रत्याशित उछाल नहीं आया है।

शीतकालीन सत्र के आगमन के साथ ही लखनऊ क्षेत्र में श्वसन संबंधी बीमारी के पैटर्न में अचानक बदलाव आया है। पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19, इन्फ्लूएंजा ए और इन्फ्लूएंजा बी के मामलों में भारी कमी आई है। यह संक्रमण अगस्त और सितंबर 2024 के महीने में थे, लेकिन मौसम में बदलाव के कारण इनका संचरण चक्र बाधित हो गया है। पीजीआई के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. रुंगमेई एसके मारक ने बताया कि हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में पिछले कुछ महीनों में लखनऊ में कोविड और इन्फ्लूएंजा के मामलों में उछाल का सुझाव दिया गया है। हालांकि, पीजीआई प्रयोगशाला के आंकड़ों के अनुसार इन संक्रमणों की घटना राष्ट्रीय आंकड़ों के अनुरूप है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. अतुल गर्ग ने बताया कि भारत में हर साल आमतौर पर श्वसन संक्रमण के दो चरम होते हैं। पहला चरण फरवरी और मार्च के महीने में होता है और उसके बाद अगस्त और सितंबर के महीने में दूसरा चरण होता है। इस वर्ष अक्टूबर में सार्स सीओवी-2 वायरस और इन्फ्लुएंजा वायरस के मामलों में कमी आई है और दिसंबर के महीने में कोई नया कोविड-19/इन्फ्लुएंजा- ए सामने नहीं आया है। प्रोफेसर मारक ने आगे बताया कि रात के तापमान में अचानक गिरावट के कारण मच्छर जनित वायरल संक्रमण का संचरण चक्र भी बाधित हुआ है और डेंगू और चिकनगुनिया के मामलों में भी कमी आई है। इस प्रकार, हम उम्मीद कर सकते हैं कि अगले कुछ महीने आम उष्णकटिबंधीय संक्रमणों से मुक्त रहेंगे। हालाँकि, सर्दियों के कारण अधिकांश लोग अपना अधिकांश समय घर के अंदर ही बिताएंगे, इसलिए यह सुझाव दिया जाता है कि भीड़भाड़ से बचा जाए और हाथों की उचित स्वच्छता बनाए रखी जाए।

विधानसभा सदन में मुद्दा गूंजने के बाद भी पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद लटकी

● चौदह में से एक मामले में ही आर्थिक सहायता का हो सका भुगतान

संवाददाता। मोहनलालगंज

सड़क से सदन तक गुहार लगाने के बावजूद भी मोहनलालगंज में विद्युत दुर्घटना का दंश झेल रहे कई परिवारों को अब तक आर्थिक मदद नही मिल सकी है। कुछ पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने में फंड की कमी आड़े आ रही हैं। जबकि कुछ परिवारों के आवेदन को अब तक सर्किल से मंजूरी ही नही मिल सकी है। मोहनलालगंज खण्ड में 25 फरवरी 2020 से लेकर 13 अक्टूबर 2024 तक विद्युत दुर्घटना का शिकार पांच इंसानों के परिवार आर्थिक मदद हासिल करने के लिए भटक रहे हैं।

इसी तरह 10 जुलाई 2023 से लेकर 13 अक्टूबर 2024 तक विद्युत दुर्घटना का शिकार हुए नौ पालतू बेजुबानों के पशुपालकों को भी आर्थिक मदद की दरकार है। इन सभी मामलों में विद्युत सुरक्षा निदेशालय की रिपोर्ट भी आ चुकी है। आर्थिक मदद का मुद्दा बिजली विभाग के दफ्तरों से लेकर इन दिनों चल रहे विधानसभा सदन में भी गूंज चुका है। फिर भी अब तक महज एक पीड़ित परिवार को ही मुआवजे का मरहम लगाया जा सका है। जबकि कुछ अन्य आवेदनों का भुगतान फंड की कमी से अटका हुआ है। वहीं तकरीबन आधा दर्जन आवेदन अभी भी सर्किल में लटके हुए हैं। सर्किल से मंजूरी के अभाव में पीड़ित परिवारों की आर्थिक सहायता फंस गई है। हालांकि विभाग के अधिकारी भुगतान की प्रक्रिया चलने की बात कह रहे हैं।

फर्जीवाड़े के आरोप में प्राइवेट डेवलपर कम्पनी के डायरेक्टर पर एफआईआर

मोहनलालगंज। प्राइवेट डेवलपर कम्पनी के एडिशनल डायरेक्टर ने अपने सहकर्मी पर फर्जीवाड़े का आरोप लगाकर मोहनलालगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राइवेट डेवलपर कम्पनी के एडिशनल डायरेक्टर अजय कुमार अग्रवाल का आरोप है कि उन्हें कम्पनी की बोर्ड मीटिंग की सूचना दिए बिना ही उनके सहकर्मी अमित अग्रवाल ने फर्जीवाड़ा कर कम्पनी की संपत्तियों की बिक्री के लिए जाली दस्तावेज तैयार करा लिए। फिर उन्हें मनमाने तरीके से कम्पनी के डायरेक्टर पद से हटा दिया गया। जिसे लेकर पीड़ित अजय कुमार अग्रवाल ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र सेंगर से की।

पर्यावरण संरक्षण में संसाधनों का प्रबंधन आवश्यकः डॉ. नाग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद 2025 के तहत विश्वविद्यालय स्तर और जोनल लेवल पर स्पीच कंपटीशन के विजेताओं हेतु प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में किया गया

कार्यक्रम की शुरुआत,जोनल कोआर्डिनेटर डॉ. हेमेंद्र कुमार सिंह और विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार अतिथिगण का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए किया। इसके पश्चात विशेष अतिथि डॉ. पृथ्वीश नाग (पूर्व कुलपति महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी) को पुष्पगुच्छ तथा शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। डॉ. पृथ्वीश नाग द्वारा बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण में संसाधनों का प्रबंधन अत्यधिक आवश्यक है इसके लिए देश में संसाधनों के वितरण को समझना और उनका उपयुक्त तरीके से दोहन करना जिससे कि सतत विकास को बढ़ावा मिले, इस पर विचार करना चाहिए । इसके लिए सरकार समाज और नागरिक समाज विभिन्न पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों में सहभाग करते हैं जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है उनके उद्बोधन में बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण हेतु छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े प्रयासों का रूप ले लेते हैं क्योंकि किसी भी कार्य की शुरुआत छोटे से ही होती है और धीरे-धीरे उसका आकार बड़ा हो जाता है जो देश और समाज दोनों के लिए उपयोगी होता है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय पर्यावरण युवा सांसद (एनईवाईपी-2025) प्रतियोगिता कार्यक्रम के तहत विजेताओं और संयोजक मण्डल के सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी दीपा वर्मा ,दिव्यंका भदौरिया, श्रेया कटियार, प्रियांशी वर्मा, मयंक पटेल ,अजीत कुमार शुक्ला, साक्षी यादव, जानवी जायसवाल और आयोजक मंडल के सदस्य अजीत कुमार यादव ,तेज बहादुर, अनुक्ता कृति, अभिषेक श्रीवास्तव, नेहा गौतम, श्वेता जायसवाल आदि को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. हेमेंद्र कुमार सिंह द्वारा प्रतिभागियों, शिक्षक साथियों एवं संकाय प्रमुख के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। आज के कार्यक्रम में प्रो. रीना अग्रवाल डॉ.किरनलता डँगवाल, डॉ. सूर्य नारायण गुप्ता, डॉ.देवेन्द्र यादव एवं शोध छात्र और छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

दो सप्ताह से ज्यादा खांसी तो न करें नजरअंदाज

● केंद्र सरकार के कार्यालयों में चल रहा 100 दिवसीय टीबी अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमन्त्री टीबी (क्षय) मुक्त भारत अभियान के तहत हिंदुस्तान एरोनोटिक्स लिमिटेड (एचएएल) परिसर में सात दिसम्बर से 100 दिवसीय टीबी अभियान शुरू हुआ। इसी क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एन.बी.सिंह के निर्देशन में बुधवार को एचएएल परिसर स्थित विद्यालय में टीबी जागरूकता संगोष्ठी आयोजित हुयी तथा विद्यार्थियों एवं एनसीसी कैडेट्स ने जागरूकता रैली निकाली। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला क्षय रोग अधिकारी डा. ए.के.सिंघल ने विद्यार्थियों को टीबी के लक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. सिंघल ने कहा कि जो भी बातें बतायी जा रही हैं उन्हें परिवार के सदस्यों, दोस्तों, रिश्तेदारों से साझा करें। यदि घर में या आस -पास किसी में उपरोक्त लक्षण दिखाई दें तो उन्हें स्वास्थ्य केंद्र पर भेजें। पब्लिक प्राइवेट मिक्स समन्वयक रामजी वर्मा ने बताया कि टीबी छुआछूत की बीमारी नहीं है। यह साथ खाने, तौलिया या बर्तन साझा करने से नहीं फैलती है। यह बैक्टीरिया जनित बीमारी है। यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने व छींकने से फैलती है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने टीबी से सम्बन्धित सवाल पूछे और आशंकाओं का समाधान किया। इस मौके पर सौमित्र मिश्रा, डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल स्थित टीबी यूनिट के सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर अरुण कुमार, टीबीएचवी सुधीर कुमार, शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

यह है 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान

जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के साल 2025 तक क्षय मुक्त देश के क्रम में कुछ ही दिन रह गए हैं। इसी को लेकर एचएएल सहित केंद्रीय कार्यालयों में यह 100 दिवसीय अभियान सात दिसम्बर से शुरू किया गया है। जिसके तहत परिसर में सभी को टीबी रोग के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी दी जाएगी। शिविर लगाकर टीबी के संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जाएगी और टीबी की पुष्टि होने पर उनका इलाज शुरू किया जायेगा।

लविवि कुलपति ने समुदाय हेतु हैप्पीनेस वैन को किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के द्वारा विगत 15 दिनों से चलाए जा रहे बॉक्स आफ हैप्पीनेस वीक का बुधवार को समापन करते हुए विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने हैप्पीनेस वैन को हरी झंडी दिखाकर समुदाय में रवाना किया।

इस मौके पर प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय अपने संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए इस सर्दियों में समुदाय के लोगों की जाड़े से बचाव हेतु आवश्यक सामग्री यथा गर्म कपड़े एवं बच्चों हेतु स्टेशनरी सामग्री इत्यादि का एकत्रीकरण कर रहा था। आज हैप्पीनेस वन को समुदाय में भेजते हुए एकत्रित सामग्रियों का वितरण प्रारंभ किया जा रहा है जो की लखनऊ स्थित विभिन्न स्लम एवं समुदाय में रहने वाले जरूरतमंद लोगों के प्रयोग की है। अपने समुदाय में लोगों के मध्य खुशियों की भेंट स्वरूप दान की गई वस्तुओं एवं कपड़ों के वितरण हेतु शिक्षकों को समुदाय में स्वयं जाकर वितरण करने हेतु प्रेरित किया। बता दें कि 2 दिसंबर को समाज कार्य विभाग ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ तथा अभ्युदय गुल्लक पाठशाला फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में बॉक्स आफ हैप्पीनेस सप्ताह के रूप में एक अनोखी पहल की शुरुआत की थी। सप्ताह की शुरुआत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा समुदाय के बच्चों में गर्म कपड़े वितरित करके की गई थी।

बच्चे को टाल-मटोल की आदत है तो नजरअंदाज न करें

● ऐसे बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए करें मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप

पायनियर समचार सेवा। लखनऊ

टाल-मटोल करना खुद को नुकसान पहुंचाने वाला व्यवहार है और भारत में यह एक प्रचलित मुद्दा है। टालमटोल सभी आयु समूहों में पाया जा सकता है, लेकिन युवा इससे बहुत प्रभावित हैं। हाल ही में हुए सर्वेक्षण से पता चलता है कि मोबाइल फोन की लत, शारीरिक निष्क्रियता, कोविड के बाद छात्रों में टालमटोल से नकारात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। एक अन्य अध्ययन से पता चलता है कि 92 फीसद भारतीय छात्र टालमटोल करते हैं। इनमें से 62 फीसद अक्सर ऐसा करते हैं जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है।

इस आत्म-पराजित व्यवहार को दूर करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की डॉ. अर्चना शुक्ला की देखरेख में जया मिश्रा, शोध छात्रा द्वारा किशोर छात्रों में टालमटोल को कम करना, पर एक शोध किया गया था। अध्ययन में, टालमटोल के स्तर और इसके संज्ञानात्मक घटकों आत्म-सम्मान, तर्कहीन विश्वास और निर्णय लेने की क्षमता का आकलन करने के लिए 200 किशोर छात्रों का चयन किया गया था।

23 छात्र जो टालमटोल और तर्कहीन विश्वासों से ग्रस्त थे और आत्म-सम्मान और निर्णय लेने की क्षमता में कम थे, टालमटोल को कम करने के लिए 21 दिनों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी पर आधारित परामर्श सत्रों से गुजरे। जिसमें छात्रों ने कुछ तकनीकें सीखीं जैसे सिर्फ 5 मिनट, पुरस्कार की योजना बनाना, ग्रेडिंग, समय निर्धारित करना, प्राइम टाइम, प्राइम प्लेस कुछ ऐसी हैं जो छात्रों को पसंद आईं। शोध के दौरान इसके आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त हुए। जिसमें सत्र में भाग लेने वाले छात्रों में टालमटोल का स्तर कम हो गया। इतना ही नहीं व्यवहार परिर्वन का समर्थन छात्रों के दोस्तों और माता-पिता ने किया। टालमटोल छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ नकारात्मक रूप से जुड़ा हुआ है, इसलिए इस व्यवहार की पहचान करना और उचित मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप का उपयोग करना समय की मांग है। कुल मिलाकर, यह अध्ययन माता-पिता और अभिभावकों के लिए आंखें खोलने वाला शोध है। जिनके बच्चे अक्सर काम को टालने में लिप्त रहते हैं। शोध में कहा गया है कि ऐसे बच्चों के व्यक्तित्व विकास और समग्र कल्याण में सुधार के लिए मनोवैज्ञानिक उपचारों की मदद ले सकते हैं।

कैग रिपोर्ट पेश करने को बुलाएं विशेष सत्र : एलजी

● उपराज्यपाल ने सीएम आतिशी को पत्र लिखकर विस मे कैग रिपोर्ट पेश करने में जानबूझकर की गई चूक को लेकर की आलोचना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना

मुख्यमंत्री आतिशी

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर 14 लंबित कैग रिपोर्टों को सदन के पटल पर रखने के लिए 19 या 20 दिसंबर को विधानसभ का विशेष सत्र बुलाने के लिए कहा है। उन्होंने पत्र में विस में कैग रिपोर्ट पेश करने में जानबूझकर की गई चूक को लेकर आप सरकार की आलोचना की है और उन्हें ऐसा करने के लिए विधानसभा की बैठक बुलाने की सलाह दी है।

उपराज्यपाल ने मंगलवार को लिखे पत्र में कहा कि पिछले दो वर्षों में 14 रिपोर्ट प्रस्तुत करने में निर्वाचित सरकार की ओर से जानबूझकर चूक की गई है। सामान्य तौर पर, एक वर्ष में कम से कम तीन बार विधानसभा का सत्र बुलाया जाता है, लेकिन यह विधाई प्रथा का उपहास है कि दिल्ली सरकार ने पांच वर्षों में केवल पांच सत्र बुलाए।

विधानसभा के पांचवें सत्र के तीसरे चरण को चार दिसंबर को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था, लेकिन अभी तक इसका सत्रावसान नहीं किया गया है। आप, सदन की नेता होने के नाते, अध्यक्ष के परामर्श से, इन कैग रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखने के लिए 19 या 20 दिसंबर को विधानसभा की विशेष बैठक बुला सकती हैं, क्योंकि इस मामले में अत्यधिक देरी हो रही है और आठवीं विधानसभा के लिए चुनाव आसन्न हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि आमतौर पर वह अल्प सूचना पर सदन की विशेष बैठक बुलाने के लिए समय-सीमा का संकेत नहीं देते, लेकिन स्थिति असाधारण है, क्योंकि मौजूदा विधानसभा और निर्वाचित सरकार का कार्यकाल फरवरी 2025 में समाप्त होने वाला है।

यह मुद्दा फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है, क्योंकि विपक्षी भाजपा विधायकों ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर निर्वाचित सरकार को रिपोर्ट विधानसभा में पेश करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। सक्सेना ने यह भी कहा कि वह लगातार आतिशी और उनके पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर उन्हें इस मौलिक दायित्व की महत्ता की याद दिलाते रहे हैं। उन्हें इस बात से बहुत दुख होता है कि संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाने के 75वें वर्ष में, पारदर्शिता के आधार पर लोकप्रिय जनादेश प्राप्त करने वाली एक निर्वाचित सरकार ने जानबूझकर साथी विधायकों के सामने भी, जानकारी देने में अस्पष्टता का रास्ता चुना है।

उपराज्यपाल ने कहा कि उन्हें यकीन है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा विभिन्न विभागों के कामकाज पर किए जाने वाले वैधानिक ऑडिट के महत्व से अवगत हैं। यह संभवत: विधायिका की गरिमा के लिए एक अपूरणीय आघात है, जो जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि मामला अदालत में पहुंचने के बाद ही रिपोर्ट उनके समक्ष रखी गई। सभी कैग रिपोर्टें सदन की विशेष बैठक बुलाकर उक्त लेखापरीक्षा रिपोर्टों को सदन के पटल पर रखने की स्वीकृति के साथ 13 दिसंबर, 2024 को ही आपके कार्यालय को तुरंत वापस कर दी गईं। मालूम हो कि अगले सप्ताह से क्रिसमस और नए साल की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि जनवरी के पहले हफ्ते या दूसरे हफ्ते की शुरुआत में दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए एलजी ने सीएम से इसी हफ्ते सत्र बुलाने की सलाह दी है।

अस्पताल में इलाज, जांच मुफ्त तो संजीवनी योजना क्यों : भाजपा

● सचदेवा ने कहा, 2024-25 के बजट में घोषणा की पर 9 माह तक उसका कैबिनेट नोट तक नहीं पास किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के स्वास्थ्य मॉडल पर भाजपा ने हमला बोला है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल पिछले दस साल से दावा कर रहे हैं दिल्ली में सभी के लिए मोहल्ला क्लीनिक और अस्पताल में मुफ्त इलाज, एक्स रे और जांच हैं, तो फिर आज उन्हें 60 साल के अधिक उम्र के लोगों को छलावा क्यों बेचना पड़ा है। लोकसभा चुनाव से पहले और फिर अब दिल्ली में गत सप्ताह केजरीवाल ने महिला सम्मान भत्ते की घोषणा की थी। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान तो केजरीवाल ने महिलाओं से फार्म भी भरवाये थे और 2024-25 के बजट में इसकी घोषणा भी की पर आज तक एक रुपया किसी महिला को नहीं मिला।

केजरीवाल ने महिला भत्ते को लेकर खोखली घोषणा करते हुए खुद को जादूगर कहा था तो पूरी दिल्ली ने एक स्वर में कहा था क्यों झूठ बेचते हो आप पर आज जब केजरीवाल ने महिला भत्ते जैसी ही खोखली स्वास्थ्य घोषणा की है तो दिल्ली कह रही है केजरीवाल आप तो सच में झूठे सपनों के सौदागर हो।

केजरीवाल झूठ बोलने में माहिर हैं, इतने माहिर हैं की एक झूठ कई बार बोल कर भी मासूमियत दिखा कर जनभावनाओं से खेल लेते हैं। आप प्रमुख ने दिल्ली से पहले 2022 में पंजाब में महिलाओं को महिला सम्मान भत्ते की स्कीम के सपने दिखाये पर आज तक लागू नहीं किया। दिल्ली के 2024-25 के बजट में घोषणा की पर 9 माह तक उसका कैबिनेट नोट तक नहीं पास किया।

दिल्ली में हर राज्य से आये लोग रहते हैं और वह जानते हैं कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, ओडिसा में महिला सम्मान भत्ते के साथ ही उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात एवं बिहार में अनेक महिला शस्त्रीकरण योजनाएं भी लागू हैं पर केजरीवाल शासित पंजाब में महिला सम्मान भत्ता आज भी एक सपना ही है।

मोहल्ला क्लिनिक फ्लॉप शो जैसा साबित होगा : देवेन्द्र

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि विधानसभा में चुनाव हारने का डर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल को इस कदर सता रहा है कि वो हर दिन महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं व गरीबों के लिए नई चुनावी घोषणाएं करके दिल्ली वालों को गुमराह करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए संजीवनी योजना पूरी तरह से बुजुर्गों की भावनाओं से खिलवाड़ करके उनसे वोट बटौरने की नीति है। क्योंकि लाखों वृद्धों को मिलने वाली पेंशन वर्षों से नियमित रुप से नहीं मिल रही। लगभग बंद पड़ी है। गत दिनों महिलाओं को 2100 रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की थी, जिसके पंजीकरण की 2-3 दिन बीतने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि शीला दीक्षित सरकार की सामाजिक सुविधा संगम द्वारा संचालित योजनाओं को मई 2016 में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने पूरी तरह बंद कर दिया था। 500 से भी अधिक सरकारी डिस्पेंसरियां और 116 जेंडर रिसोर्स संेटरों को केजरीवाल के एक ही आदेश पर बंद करके लाखों लोगों को मिल रही सुविधाओं को छीनकर अपने कार्यकर्ताओं के घरों में मौहल्ला क्लीनिक खोल दिए, जिसमें छोटी मोटी बीमारियों की दवाई तक नहीं मिलती है। जो घोषणा केजरीवाल ने 60 वर्ष और अधिक उम्र के वृद्धों के लिए वोट बटोरने के लिए की है, कांग्रेस की दिल्ली सरकार भी 5 लाख तक का मुफ्त इलाज वृद्धों का कराती थी। =कांग्रेस सरकार ने 2013-14 में स्वास्थ्य बजट में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी करके बजट को 1872 करोड़ से बढ़कर 2490 करोड़ दिया।

दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान शुरू किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के मादक पदार्थ निरोधक कार्य बल ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ मिलकर बुधवार को शहर में मादक पदार्थों के दुरुपयोग और तस्करी के खिलाफ एक पहल शुरू की है। एजेंसियों ने संदिग्ध स्थानों पर निरीक्षण कर छानबीन की।

पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने कहा, इस अभियान में सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रमों को औचक निरीक्षणों के साथ जोड़ा गया है, जिसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाना, जन सुरक्षा को बढ़ाना और मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में समुदाय को शामिल करना है। यह अभियान न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर क्षेत्रों में चलाया गया, जिन्हें प्रमुख हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना गया है। जागरूकता अभियान में मादक पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों और कानूनी परिणामों पर प्रकाश डालने वाले सत्र और बातचीत शामिल थीं। सार्वजनिक परिवहन केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों, बाजारों और अन्य उच्च-पैदल यात्रियों वाले क्षेत्रों की पहचान की गई।

राजनीतिक दलों संग चुनाव आयोग की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गयी है। राजनीतिक दलों ने चुनाव अभियान का आगाज कर दिया है। चुनाव आयोग भी तैयारी में जुटा है।

चुनाव आयोग ने इस बाबत राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दिल्ली चुनाव तैयारी की समीक्षा की। चुनाव आयोग ने बताया कि चुनाव को लेकर विभिन्न एजेंसियों के साथ बैठकों का दौर जारी है। पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारी की समीक्षा की गयी। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है और इससे पहले चुनाव कराना जरूरी है। चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर आप और भाजपा के बीच सियासी तकरार जारी है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि भाजपा उससे जुड़े लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाने की कोशिश कर रही है। कई विधानसभा क्षेत्र में हजारों लोगों के नाम काटने का आवेदन दिया गया है। इस बाबत आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिलकर शिकायत कर चुका है। दूसरी ओर भाजपा का कहना है कि आम आदमी सरकार बंगलादेशी, रोहिंग्या घुसपैठियों को मतदाता सूची में शामिल कर चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है।

विस चुनावः व्यापारियों के मुद्दों को भी घोषणापत्र में शामिल करें राजनैतिक दल

● सीटीआई ने 11 प्रमुख मांगों को तीनों पार्टियों को भेजा

संजय राय। नई दिल्ली

व्यापारियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस से व्यापारियों के मुद्दों को भी घोषणा पत्र में शामिल करने का अनुरोध किया है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि पिछले एक महीने से अलग-अलग बाजारों के व्यापारियों और फैक्टरी मालिकों से सलाह मशविरा करके 11 प्रमुख मांगों का एक मांगपत्र तैयार किया गया है, जिसको तीनों राजनीतिक दलों को भेजा जाएगा।

सीटीआई महासचिव गुरमीत अरोड़ा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग ने बताया कि जो पार्टी व्यापारियों के हितों की रक्षा करेगी। उसको ही दिल्ली के व्यापारी अपना सहयोग और समर्थन देंगे। राष्ट्रीय राजधानी में व्यापारी वर्ग भी महत्वपूर्ण है। कई विधानसभा क्षेत्रों में व्यापारी, दुकानदार, फैक्ट्री मालिक और मंडी कारोबारी रहते हैं। कारोबारियों के अपने विषय, मुद्दे, शिकायत, सुझाव और मांगें होती हैं। चुनाव से पहले राजनीतिक दल व्यापारी वर्ग को आकर्षित करने के लिए लोकलुभावन वादे करते हैं। लेकिन पूरा नहीं करते। बृजेश गोयल ने बताया कि राजनीतिक दलों के लिए व्यापारी वर्ग अछूता नहीं है। कई सीटों पर व्यापारियों का दबदबा है। ट्रेडर्स की नजर सभी दलों के वादों पर है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग, मॉडल टाउन, वजीरपुर, शालीमार बाग, रोहिणी, त्रिनगर, आदर्श नगर, शकूरबस्ती, गांधी नगर, कृष्णा नगर, लक्ष्मी नगर, विश्वास नगर, शाहदरा, मालवीय नगर, ग्रेटर कैलाश, कस्तूरबा नगर, आरके पुरम, मोती नगर, राजौरी गार्डन, तिलक नगर, जनकपुरी, राजेंद्र नगर और रिठाला जैसी 25 सीटों पर व्यापारी, उद्यमी, डीलर्स अच्छी संख्या में रहते हैं। इन विधानसभा क्षेत्रों में 40 से 50 प्रतिशत वोटों में कारोबारियों का प्रभाव रहता है।

9 लाख दुकानें और 2 लाख फैक्ट्रियां

दिल्ली के बाजारों में करीब 9 लाख दुकानें और करीब 2 लाख फैक्ट्रियां हैं। कपड़े, कैमिकल, किराना, मोटर स्पेयर पार्ट्स, बिजली, बर्तन, कॉस्मेटिक, हार्डवेयर एंड टूल्स के होलसेल बाजार हैं। होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल, ब्यूटी पार्लर, सैलून, बुटीक, कोचिंग सेंटर्स जैसे संस्थान खूब चलते हैं।

11 प्रमुख मांगें

दिल्ली में जीएसटी से पीएमएलए कानून को बाहर करना, और जीएसटी का सरलीकरण करना। व्यापारियों को सभी तरह की रेड राज और इंस्पेक्टर राज से मुक्ति। नये उद्योग और व्यापार शुरू करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम लागू। सभी प्रमुख बाजारों का रिडेवलपमेंट और सौंदर्यीकरण किया जाए और एनक्रोचमेंट से दुकानदारों को राहत मिले। बिल बनाओ ईनाम पाओ योजना के अंतर्गत ज्यादा टैक्सपेयर्स को हर महीने सम्मानित किया जाए। दिल्ली के दुकानदारों और व्यापारियों का माल देश- विदेश तक पहुंचे, इसके लिए ऑनलाइन दिल्ली बाजार बिजनेस पोर्टल बनाया जाए। सर्कल रेट की विसंगतियों को दूर किया जाए। जिन प्रमुख 10 बाजारों से ज्यादा टैक्स आएगा, उसका 10 फीसदी उसी बाजार के विकास पर खर्च किया जाए। व्यापारियों को सरकार के साथ भागीदार बनाने के लिए ट्रेड एंड इंडस्ट्री डेवलपमेंट बोर्ड का गठन। व्यापार और उद्योग को दुबई की तर्ज पर बिजनेस सेमिना हो।

अदालत ने उमर खालिद को अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने फरवरी, 2020 के दंगों से जुड़े साजिश मामले में आरोपी और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र उमर खालिद को पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कुछ शर्तों के साथ बुधवार को सात दिन की अंतरिम जमानत दे दी। इन शर्तों में खालिद पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने पर भी रोक लगाई गई है।

खालिद को अपने दोस्तों, रिश्तेदारों या परिवार के सदस्यों के अलावा किसी से नहीं मिलने और अपनी याचिका में उल्लेखित स्थानों के अलावा किसी अन्य स्थान पर नहीं जाने के लिए कहा गया है।

आप सरकार दलितों का आरक्षण छीन रही : सचदेवा

● बोले, द्वारका में 8 से अधिक फर्जी जातीय प्रमाण पत्र धारकों के नौकरी, शैक्षणिक आदि लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा ने दलितों के आरक्षण के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरा है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप सरकार दलितों का आरक्षण छीन रही।

दिल्ली सरकार में फर्जी जातीय प्रमाण पत्र बना कर दलितों को मिलने वाले आरक्षण लाभ की लूट की जा रही है और इसमें विधायकों की भी भूमिका संदिग्ध है। इसकी सीबीआई जांच आवश्यक है। वीरेंद्र सचदेवा ने अधिवक्ता सत्य रंजन, मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल की मौजूदगी में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा है की लम्बे समय से जानकारी मिल रही थी कि दिल्ली में नकली जातीय प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड बहुत आसानी से बन रहे हैं। सबसे ज्यादा शिकायतें पश्चिम दिल्ली से मिल रही थीं। ऐसे में एक वकीलों की टीम इसकी आंतरिक जांच में लगाई। इस आंतरिक जांच टीम ने सबसे पहले द्वारका विधानसभा से मिली शिकायतों की जांच की तो पाया की तहसीलदार कार्यालय से जारी 8 जातीय प्रमाण पत्रों की जो शिकायत सामने आई हैं वह सभी प्रमाण पत्र फर्जी हैं और इनमें से 7 जातीय प्रमाण पत्र फर्जी आधार कार्ड के आधार पर बनाये गये हैं। यहां यह ध्यान देने योग्य है की द्वारका में भी क्षेत्रीय विधायक के दबाव में आधार कार्ड बनाने की मशीन विधायक कार्यालय में लगीं हैं और सम्भवत: वह नकली आधार कार्ड जिन्हे आधार बना तहसीलदार कार्यालय से फर्जी जातीय प्रमाण पत्र जारी हुए वह विधायक कार्यालय से बने हों।

भाजपा जांच में पकड़े गये 8 में से अधिकांश फर्जी जातीय प्रमाण पत्र धारकों के नौकरी, शैक्षणिक आदि लाभ उठाने की भी जानकारी सामने आई है जो राजनीतिक संरक्षण के बिना मुमकिन नहीं है। द्वारका में अल्प समय में तहसीलदार कार्यालय द्वारा जारी 8 फर्जी जातीय प्रमाण पत्र सामने आये हैं और यह असम्भव है की यह राजनीतिक संरक्षण के बिना हो सकता।

अंबेडकर को लेकर भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन

● केजरीवाल बोले, गृहमंत्री के बयान से करोड़ों की भावनाएं हुई आहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन करतीं सीएम आतिशी व केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। केजरीवाल खुद अपने हाथ में 'बाबा साहब का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान' लिखी तख्ती लेकर पैदल ही भाजपा मुख्यालय की तरफ कूच किए। उनके साथ वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सीएम आतिशी, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज समेत तमाम नेता नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे थे।

दिल्ली पुलिस ने सबको बीच रास्ते में रोक दिया तो वो सड़क पर ही बैठ गए और अपना विरोध जताया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर का अपमान आम आदमी पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। बाबा साहब के दिए हुए संविधान की वजह से आप लोग सत्ता में आए हो। अगर आपको बाबा साहब के नाम से आपत्ति है तो अपनी सत्ता छोड़ दो। बाबा साहब का अपमान करने के लिए अमित शाह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मंगलवार को संसद में देश के गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहब अंबेडकर का बहुत अपमान किया।

संक्षिप्त समाचार

उड़ान भवन कार्यालय के लगी आग

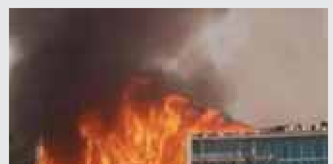

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में सफदरजंग हवाई अड्डे के नजदीक उड़ान भवन कार्यालय परिसर में बुधवार को आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। उड़ान भवन में नागर विमानन मंत्रालय के कई कार्यालय हैं। डीएफएस के अनुसार, आग इमारत के भूमिगत तल में लगी। डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया, अपराह्न 12 बजकर 54 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली और दमकल की पांच गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। बेसमेंट के बैटरी रूम से आग लगने की सूचना मिली थी और अब इस पर काबू पर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और लोगों को इमारत से बाहर निकालने में मदद की। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अवैध बांग्लादेशियों पर विहिप ने एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बुधवार को दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना को पत्र लिखकर शहर में रह रहे अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों का पता लगाने में पुलिस को सहायता प्रदान करने की अनुमति मांगी। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने उपराज्यपाल सचिवालय के निर्देश के बाद शहर में रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान करने और उनके खिलाफ सख्त कार्वाई करने के लिए दो महीने का विशेष अभियान शुरू किया ।सक्सेना को लिखे पत्र में विहिप के दिल्ली प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने इस कदम का स्वागत किया तथा उनसे विहिप और इसकी युवा शाखा बजरंग दल को बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का पता लगाने और उनकी पहचान करने में शहर की पुलिस और प्रशासन की सहायता करने की अनुमति देने का आग्रह किया।

दिल्ली पुलिस ने जब्त किए चोरी के 555 मोबाइल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने चोरी गए और खोए हुए 555 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कीमत करीब दो करोड़ रुपए हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी ।शाहदरा पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने कहा, हमारे विशेष अभियान विश्वास के तहत हमारी टीम ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार से 555 मोबाइल फोन बरामद किए। उन्होंने बताया कि यह अभियान दो चरणों में चलाया गया, जिसमें अप्रैल से जुलाई के बीच पहले चरण के दौरान 311 मोबाइल फोन तथा अक्टूबर से दिसंबर के बीच 244 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, विभिन्न टीम ने इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी (आईएमईआई) , कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) विश्लेषण और सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से उपकरणों की पहचान की।

द्वारका में देश के सबसे लंबा 18-होल वाला गोल्फ मैदान खुला

● उपराज्यपाल ने 7,377 गज में फैले मैदान का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश का सबसे लंबा 18 होल वाला गोल्फ मैदान का उद्घाटन करते उपराज्यपाल वीके सक्सेना।

द्वारका सेक्टर-24 स्थित देश का सबसे लंबा 18 होल वाला गोल्फ मैदान आम लोगों के लिए खुल गया है। यह 7,377 गज में फैला है।

इसमें 158 एकड़ में फैले बड़े ग्रीन्स हैं। इसके अलावा, इसमें 52 खाड़ियों के साथ 375 गज की ड्राइविंग रेंज है, जो देश में सबसे लंबी है और फेयरवे के लिए नॉर्थ शोर एसएलटी घास (भारत में पहली बार) है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को गोल्फ कोर्स का उद्घाटन किया। उपराज्यपाल ने कहा कि परियोजना की कुल लागत लगभग 250 करोड़ रुपये है। द्वारका उप-शहर में एक खुले मनोरंजक ग्रीन के रूप में काम करने के अलावा, गोल्फ कोर्स युवा और उभरते गोल्फरों को पेशेवर गोल्फ प्रशिक्षण प्रदान करेगा। गोल्फ कोर्स परिसर में हरियाली की फैली चादर आसपास से गुजरने वालों का ध्यान खूब खींच रही है। फिलहाल क्लब हाउस व ड्राइविंग रेंज से जुड़े कार्य तेजी से चल रहे हैं। सभी कार्य अप्रैल से पहले पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। यदि कुछ कार्य शेष रह जाते हैं, तब चरणबद्ध तरीके से गोल्फ कोर्स के विभिन्न हिस्से को गोल्फ प्रेमियों के लिए खोला जाएगा।

दो चरणों में पूरा किया काम

गोल्फ कोर्स का निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा किया गया। पहले चरण में गोल्फ कोर्स की जमीन पर मिट्टी, हरियाली व सिंचाई से जुड़े कार्य किया गया तथा दूसरे चरण में यहां गोल्फ अकादमी, क्लब हाउस व ड्राईविंग रेंज जैसी अन्य सुविधाओं का विकास किया गया। क्लब हाउस में जिम, स्विमिंग पूल, रेस्तरां, कान्फ्रेंस हाल सहित अन्य सुविधाएं यहां आने वाले लोगों के लिए उपलब्ध होगी।

परिसर में कहीं जलभराव की समस्या नहीं हो, इसके लिए यहां नालियों का एक नेटवर्क तैयार किया गया है जहां तेजी से पानी बहकर पिट तक पहुंच जाएगा।

इस पानी का इस्तेमाल सिंचाई में होगा। अधिकारियों का कहना है कि वर्षा जल व एसटीपी से इतने पानी की उपलब्धता हो जाएगी कि यहां भूजल के इस्तेमाल की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

योजनाओं का लाभार्थियों को मिले शत-प्रतिशत लाभः राज्यपाल

●राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने की सोनभद्र में विकास कार्यों की समीक्षा

संवाददाता। सोनभद्र

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण आजीविका मिशन, और अन्य योजनाओं की गहन समीक्षा की।

राज्यपाल ने अधिकारियों को मृत्यु दर कम करने और आयुष्मान कार्ड वैक्सीनेशन को प्राथमिकता देने और लड़के लड़कियों के बीच भेदभाव खत्म करने, शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विशेष प्रयास करने, प्रसव के बाद महिलाओं को मिलने वाली धनराशि का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने, आयुष्मान कार्ड योजना के तहत सभी लाभार्थियों को कवर करने के लिए विशेष अभियान चलाये जाने, ग्राम पंचायतों में आयोजित मेलों में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए कैंप लगाए जाने, सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं गरीब परिवारों को नि:शुल्क इलाज की सुविधा प्रदान करती हैं, और इसे प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। राज्यपाल ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मरीजों को पोषण पोटली का अधिकतम वितरण सुनिश्चित कराने का निर्देश देते हुए सीएसआर मद, एनजीओ और रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से मरीजों को जल्द स्वस्थ करने के प्रयास तेज करने पर जोर दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले के 941 आंगनबाड़ी केंद्रों पर किट का वितरण किया जा चुका है।

राज्यपाल ने शेष केंद्रों पर भी शीघ्र किट वितरण सुनिश्चित कराने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के पोषण और विकास के लिए समुचित संसाधन उपलब्ध कराए जाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाये जाने, जिले में मौजूद औद्योगिक इकाइयों के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान करने, आजीविका मिशन के तहत सफल स्वयं सहायता समूहों की कहानियों को सक्सेस स्टोरी के रूप में प्रचारित किये जाने का भी निर्देश दिया।

राज्यपाल ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहने को कहा। बैठक में माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षा विभाग को योजनाओं के तहत बच्चों के नामांकन और सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

स्वच्छता, जल आपूर्ति और अन्य बुनियादी सेवाओं में सुधार की समीक्षा की गई। किसानों को योजनाओं से जोड़ने और फसल प्रबंधन में सहायता देने के निर्देश दिए गए। रोजगार सृजन और जनकल्याणकारी कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी बी.एन. सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 सहदेव कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे रोहित यादव डीपीआरओं नमिता शरण समेत अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साइन सिटी धोखाधड़ी मामले में निवेशकों को उच्च न्यायालय से मिली बड़ी राहत

●सभी निवेशकों को अपने दावे दो माह में विशेष अदालत में पेश करने की अनुमति

संवाददाता। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जालसाजी और धोखाधड़ी की आरोपी कंपनी साइन सिटी के सभी निवेशकों को एक जुलाई 24 के अंतरिम आदेश के तहत विशेष अदालत पी एम एल ए के समक्ष अपना दावा पेश करने की अनुमति दी है और अदालत को उसे तय करने का निर्देश दिया है तथा 21 अप्रैल 25 आदेश के अनुपालन में विशेष अदालत द्वारा उठाए गए कदमों की रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कोई भी निवेशक अपना दावा विशेष अदालत में पेश कर सकता है चाहे वह हाईकोर्ट आया तो या न आया है।

अंतरिम आदेश का लाभ सभी को समान रूप से मिलेगा। कोर्ट ने केंद्र सरकार से विदेश भागने वाले मुख्य आरोपी कंपनी डायरेक्टर के प्रत्यर्पण की जानकारी के साथ हलफनामा मांगा है। कोर्ट ने ई डी के विवेचना अधिकारी के मूल विभाग में वापसी न कर विवेचना करने देने की मांग पर कोर्ट ने कहा विशेष अदालत में अर्जी दाखिल होने पर उचित आदेश पारित किया जाए।

यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति ए के सिंह देशवाल की खंडपीठ ने प्रकाश चंद्र तिवारी की अर्जी की सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट के इस आदेश से साइन सिटी के निवेशकों को अपने दावे को लेकर बड़ी राहत मिली है।

अर्जी पर सी बी आई की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश और संजय यादव भारत सरकार के अपर सालिसिटर जनरल वरिष्ठ अधिवक्ता शशि प्रकाश सिंह और मनोज सिंह राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल आदि ने पक्ष रखा। राज्य सरकार की तरफ से विवेचना की प्रगति रिपोर्ट पेश की गई।

इससे पहले कोर्ट ने निवेशकों के दावों पर पांच माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया था। आदेश का पालन करने के लिए ई डी की तरफ से चार हफ्ते का अतिरिक्त समय मांगा गया।जिसपर कोर्ट ने सामान्य समादेश जारी कर अगली सुनवाई की तिथि 21अप्रैल 25 नियत की है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई विकास कार्यों की समीक्षा

अंबेडकर नगर। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप विकास कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने हेतु जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आहुत की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण, पंचायती राज, आवास, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, जल निगम, शिक्षा, खाद एवं रसद विभाग, श्रम एवं रोजगार सहित जनपद में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकास कार्यों की योजना, परियोजनावार गहन समीक्षा की गई । इस दौरान जिलाधिकारी ने समस्त गौशालाओं में ठंड से बचाव हेतु सभी आवश्यक प्रबंधन नियमित सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी गौशालाओं में काऊ कोर्ट, आलाव आदि व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल योजना के कार्यों को तीव्र गति से करने और पाइपलाइन डालने के उपरांत मार्गो के रेस्टोरेशन कार्य को बेहतर ढंग से करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने समस्त निर्माण कार्यों को उनकी आगणन की विशिष्टियों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महाकुम्भ में दक्ष पुलिस के हाथों सुरक्षा की जिम्मेदारी

●पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण देने के साथ ही परीक्षा के जरिए दक्ष बनाने पर जोर

मनीष द्विवेदी। महाकुम्भ नगर

योगी सरकार महाकुम्भ के आयोजन के लिए विभिन्न आयामों से तैयारी कर रही है। महाकुम्भ की सुरक्षा और सफलता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार कुम्भ मेला पुलिस ड्यूटी में आए पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण और परीक्षा के जरिए दक्ष बनाने के लिए नवीन प्रयोग कर रही है। पुलिस कर्मियों की तैयारियों को परखने और उन्हें हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण सत्र और परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्रों में आपदा प्रबंधन यातायात व्यवस्था श्रद्धालुओं से व्यवहार और कुम्भ के धार्मिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं पर गहन जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण के बाद आयोजित लिखित परीक्षा में पुलिस कर्मियों की तत्परता का मूल्यांकन किया जा रहा है ताकि महाकुम्भ के दौरान सुरक्षा और सेवा का सर्वोत्तम मानक सुनिश्चित किया जा सके। वहीं लिखित परीक्षा में प्रशिक्षण के दौरान बताए गए विभिन्न आयामों से संबंधित सवालों को पूछा जा रहा है जिसमें आपदा से बचने श्रद्धालुओं से व्यवहार और कुंभ के धार्मिक और आध्यात्मिक पहलुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जा रहे है।

कुम्भ मेला में आए पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के लिए पूरी तरह तैयार करने के लिए उनकी क्लास चलाई जा रही है और उनकी तैयारियों को परखने के लिए उनकी परीक्षा भी कराई जा रही है। एसएसपी कुम्भ मेला राजेश कुमार द्विवेदी के अनुसार कुम्भ मेला ड्यूटी में आने वाले सभी पुलिस कर्मियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण क्लास चलाई जा रही है। जो सुरक्षा आपदा और व्यावहारिक पहलुओं जैसे विभिन्न आयामों पर आधारित है। इसके बाद क्लास में बताई गई जानकारी के अनुसार उनकी परीक्षा करायी जा रही है। जिसमे कुम्भ मेला में आपदा को पहचानना आपदा की स्थिति में त्वरित समाधान रास्तों की जानकारी कुम्भ की आध्यात्मिक एवं धार्मिक जानकारी और भौगोलिक स्थितियों से संबंधित सवाल पूछे जा रहे है।

पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षण संदीप वर्मा ने बताया कि प्रश्नपत्र का प्रारूप बहुविकल्पीय है। सौ नंबर के प्रश्न पत्र में बीस सवाल पूछे जा रहे हैं। परीक्षा का समय एक घंटे निर्धारित है। परीक्षा में फेल होने पर उनको दोबारा तीन दिनों का प्रशिक्षण क्लास करने और परीक्षा देने का प्रावधान है। जिससे पुलिस कर्मी कुंभ में ड्यूटी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाए। कुशीनगर से आए इंस्पेक्टर विनय कुमार सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद परीक्षा देने से हम लोगों को कुम्भ की भली भांति जानकारी हो गई है। अब पुलिस मेले की ड्यूटी के लिए पूर्णतया तैयार है। ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर संजय कुमार चौबे ने बताया कि यहां आने पर महाकुम्भ के बारे में नई जानकारियां मिली है जो ड्यूटी में सहायक होंगी। महिला सिपाही स्वेतलाना मौर्य ने बताया कि पूरे पुलिस फ़ोर्स को इस तरह से ट्रेंड किया जा रहा है।

कौशल और तकनीकी दक्षता के माध्यम से स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें युवाः आनंदी बेन पटेल

संवाददाता। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल और राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज महारानी गुलाब कुंवरि महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिंडरा, महारानी बनारस महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर, महाराज बलवंत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय गंगापुर, वाराणसी का संयुक्त दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ।

संयुक्त दीक्षांत समारोह में तीनों महाविद्यालयों के कुल 160 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं तथा तीनों महाविद्यालयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली तीन छात्राओं को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि मेरिट और टैलेंट के आधार पर सरकारी नौकरी की संभावनाएं बनी रहती हैं, लेकिन जिन्हें नौकरी न मिले, वे अपने कौशल और तकनीकी दक्षता के माध्यम से स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने बेटा-बेटी के बीच भेदभाव मिटाने और बेटियों को सशक्त बनाने का संदेश भी दिया। राज्यपाल ने विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया और तीनों महाविद्यालयों द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु की कुलपति प्रो एस अहिल्या मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के बाद रोजगार और समाज सेवा में योगदान के लिए योजना बनानी चाहिए। शिक्षा से विद्या और विद्या से उन्नति ही मानव जीवन का उद्देश्य है। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और संस्कारों का आधार है।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो0 आनंद कुमार त्यागी ने भी आशीर्वचन दिया और छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में महाराज काशीराज धर्म कार्य निधि के अध्यक्ष महाराज डॉ अनंत नारायण सिंह, तीनों महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्रबंध समिति और विद्वत परिषद के सदस्य, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलसचिव, तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अमर शहीदों को मर्मस्पर्षी काव्य रचनाओं के माध्यम से दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता। सोनभद्र

शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी के तत्वावधान में शहीद स्मारक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भारत माता के अनन्य साधक अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल अशफाक उल्ला खां राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी ठाकुर रौशन सिंह के बलिदान दिवस बुधवार 18 दिसंबर के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्राभिनंदन करते हुए वीर सपूतों को नमन किया गया। संस्था प्रमुख प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने मार्मिक रचना, मरूं मैं जब भी तिरंगा कफ़न के साथ रहे। रहूं या ना रहूं वतन मेरा आबाद रहे।

आओ मिल जुलकर सजायें बगिया। वंदेमातरम् जय हिन्द का घर घर में यहां नाद रहे। सुनाकर लोगों को राष्ट्रप्रेम से जोड़ा। संरक्षक रामयश तिवारी ने वीर सपूतों को संदर्भित वक्तव्य देकर मन वचन कर्म से उनके पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया। ठाकुर कुशवाहा ने कहा कि हम जहां रहें राष्ट्रीय संचेतना को बनाये रक्खे यहीं सबसे बड़ी देश सेवा होगी। धर्मेश चौहान एडवोकेट ने देश भक्ति परक अपनी रचना, भाल भारत का चमके गगन में सदा, सब कुछ अर्पित करेंगे वतन के लिए सुनाया और जयहिंद नाद के बीच सराहे गए। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी के निधन के दृष्टिगत आयोजन को सीमित कर दो मिनट मौन रहकर आत्मा के शांति की कामना की गई और आयोजन स्थगित किया गया।

इस अवसर पर फारुख अली हाशमी रिषभ पुरुषोत्तम प्रधान संगीता तिवारी ग्राम प्रधान करारी शिवमोचन गनेश विजय शंकर त्रिपाठी वृजकिशोर देव पाण्डेय त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी शिखा आद्या अंशिका मृत्युंजय ममता समता करन मौर्य सुनिल पांडेय आदि रहे।

मालगोदाम रोड के किनारे झाड़ियों में मिला शव

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के मालगोदाम रोड के किनारे नग्न अवस्था मे लटकता हुआ शव मिला। शव की सूचना पर क्षेत्रवासियों में हड़कंप मच गया । किसी ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही अलीनगर पुलिस सहित आरपीएफ के जवान भी मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई। मिली जानकारी के अनुसार अलीनगर थाना क्षेत्र के माल गोदाम के समीप रेलवे तालाब से सटे झाड़ियां में तार से लटकता शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर अलीनगर पुलिस सहित आरपीएफ के जवान भी पहुँच गए। अलीनगर पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक करवाई में जुट गई। चर्चाओं के अनुसार जहां शव मिला है उस एरिया में जाने के लिए रास्ता माल गोदाम से होकर जाता है। जहां करीब 200 से अधिक मजदूर प्रतिदिन काम करते हैं और वहां जाने के लिए गेट के पास लगे सिक्योरिटी गार्ड से पहले परमिशन लेनी होती है।

पत्रकार मिथिलेश द्विवेदी को पत्रकारों व साहित्यकारों ने दी श्रद्धांजलि

मीरजापुर। सोनभद्र जनपद के वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी के निधन पर जनपद के पत्रकारों ने रमईपट्टी स्थित वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार श्रीवास्तव के आवास पर

शोक सभा आयोजित कर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया है। इस पर जिला सूचना अधिकारी ओमप्रकाश उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी सोनभद्र की पत्रकारिता में एक अमिट छाप छोड़ गए हैं जिन्हें लोग सदैव याद करेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को एक मंच पर लाकर उनके हितों के लिए वह सदैव तत्पर रहा करते थें। कहा द्विवेदी न केवल एक वरिष्ठ पत्रकार थे बल्कि नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत भी थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन में पत्रकारिता के सिद्धांतों और मूल्यों को सर्वोपरि रखा। वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार सलिल पांडेय ने उनसे जुड़े हुए संस्मरणों को याद करते हुए उनके जीवन वृत्त पर विस्तार से प्रकाश डाला। स्वतंत्र लेखक पत्रकार संतोष देव गिरि ने मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी के साथ बिताए हुए पलों पर चर्चा करते हुए बताया कि गोरखपुर में जन्म लिए मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी जी डाला सीमेंट फैक्ट्री से सेवानिवृत्त होने के बाद सोनभद्र को अपनी कर्मभूमि बनाकर कलम के माध्यम से वंचितों के अधिकारो को आवाज देने का काम किया था। वरिष्ठ पत्रकार संतोष श्रीवास्तव, प्रभात मिश्रा, शिवशंकर उपाध्याय ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी को याद किया। इस मौके पर पत्रकारों में संतोष श्रीवास्तव, सलिल पांडेय, शिवशंकर उपाध्याय, प्रभात मिश्रा, विश्वजीत दुबे, संदर्भ पांडेय, सुरेश सिंह, शिवभोला सिंह, विकास तिवारी, संतोष देव गिरि, सुधीर सिंह राजपूत, राजू भारती इत्यादि ने दो मिनट का मौन रख मृतक आत्मा की शांति हेतु शोक व्यक्त किया।

पूर्व विधायक का बेटा दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र में युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पूर्व विधायक हरिराम चेरों के बेटे मंगलम चेरों को दुद्धी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पीड़िता 27 नवम्बर को थाना दुद्धी पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि एक व्यक्ति मंगलम चेरों पुत्र हरिराम चेरों निवासी गड़दरवा, थाना हाथीनाला, ने शादी का झांसा देकर मेरे साथ कई बार दुष्कर्म करने के साथ ही मारा-पीटा व जान से मारने की धमकी भी दी है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के क्रम में दुद्धी पुलिस द्वारा अभियुक्त मंगलम चेरों पुत्र हरिराम चेरों निवासी गड़दरवा थाना हाथीनाला को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह हे0का0 अमरनाथ यादव का0 अनुराग शामिल रहे।

सनातन परम्परा के अनुसार मुक्ति का मार्ग दिखाते हैं प्रयागराज के तीर्थ पुरोहित

● पिण्ड दान और अस्थि पूजन करवाने के अधिकारी हैं तीर्थ पुरोहित प्रयागवाल

●प्रयागराज के संगम, महाकुम्भ और कल्पवास से है तीर्थ पुरोहितों का पुरातन संबंध

●सात पीढ़ियों तक के हमारे पूर्वजों का अपने बही खाते में रखते हैं लेखा जोखा

संवाददाता। महाकुम्भ नगर

तीर्थराज प्रयागराज का नाम आते ही हमारी स्मृति में त्रिवेणी संगम और महाकुम्भ का नाम आता है लेकिन प्रयागराज के संगम तट और महाकुम्भ की परंपरा से अविच्छिन्न रूप से जुड़े हुये हैं यहां के तीर्थपुरोहित। प्रयागराज के तीर्थपुरोहित जिन्हें प्रयागवाल या स्थानीय बोली में पंडा भी कहा जाता है। मोक्षदायक तीर्थराज प्रयाग में मृत्यु से मुक्ति का मार्ग यहां के तीर्थपुरोहित प्रयागवाल ही दिखाते हैं। सनातन परंपरा और पौराणिक मान्यता के अनुसार मृत्यु के बाद पितरों की मुक्ति संगम क्षेत्र में अस्थि पूजन और पिण्ड दान के बाद ही होती है।

सनातन परंपरा प्रयागराज के संगम तट पर पूजन अर्चन का अधिकार यहां के तीर्थपुरोहित प्रयागवालों को ही प्रदान करती है। प्राचीन काल से संगम तट पर पूजन करवाने और माघ तथा महाकुम्भ मेले में श्रद्धालुओं को कल्पवास करवाने का कार्य प्रयागवाल तीर्थपुरोहित ही करते आ रहे हैं। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम के तट पर स्नान दान और महाकुम्भ के आयोजन का इतिहास बहुत प्राचीन है।

प्रयागराज को सनातन परंपरा में सभी तीर्थों में श्रेष्ठ तीर्थराज कहा गया है। प्रयागराज को पौराणिक मान्यता अनुसार मोक्षदायनी सप्तपुरियों का राजा माना गया है। प्रयागराज में अस्थिदान और पिण्डदान पूजन का विशेष महात्म हमारे प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है। मृतक पूर्वजों के बिना अस्थि पूजन और पिण्डदान के पितरों को मुक्ति नहीं मिलती।

प्रजापत्य व्यवस्था के अनुरूप प्रयागराज के संगम क्षेत्र में अस्थि पूजन और पिण्डदान करवाने का अधिकार प्रयागवाल तीर्थपुरोहितों का ही है। तीर्थपुरोहितों की परंपरा के बारे में बताते हुए संगम क्षेत्र के तीर्थपुरोहित राजेश्वर गुरु बताते हैं कि वर्षों से चली आ रही परंपरा और आपसी सहमति के आधार पर तीर्थ पुरोहितों के घाट और क्षेत्रवार यजमान भी बंटे हुए हैं।

अपने क्षेत्र के यजमानों के पितरों का अस्थि पूजन पिण्ड दान उनके तीर्थपुरोहित ही करवाते हैं। पहले प्रयाग फिर काशी और अंतिम तौर पर गया में पिण्डदान का पूजन होता है।

उन्होंने बताया कि प्रभु श्रीराम ने भी लंका से लौटकर अपने पिता महाराज दशरथ का पिण्डदान गया में किया था। यहां यजमान वर्षभर विशेषतौर पर पितृ पक्ष में अपने पितरों की मुक्ति के लिए तर्पण और पूजन करने आते हैं।

झण्डा और निशान से होती है तीर्थ पुरोहितों की पहचान

प्रयागराज। तीर्थपुरोहित राजेश्वर गुरु बताते हैं कि सभी तीर्थपुरोहित अपने यजमानों का वंशवार लेखा जोखा अपनी बही में लिख कर रखते हैं। तीर्थपुरोहितों की इन बही खातों में हमारी कई पीढ़ी के पूर्वजों का विवरण दर्ज होता है। उन्होंने बताया कि पहचान की सुविधा के लिए तीर्थपुरोहित अलग अलग झण्डा और निशान पीढ़ी दर पीढ़ी से अपनाते चले आ रहे हैं। उनके यजमान इन झण्डों और निशानों से ही उन्हें पहचानते हैं। कोई दो तुमड़ी वाले पंडा हैं तो कोई टेढ़ी नीम वाले कोई कटार वाले पंड़ा हैं तो कोई सेहरी वाले पंड़ा। तीर्थपुरोहितों के ये झण्डें संगम आने वाले श्रद्धालुओं को दूर से ही दिखने लगते हैं। प्रयागराज के तीर्थपुरोहित प्रयागवाल गंगा पूजन स्नान दान गऊदान वेणीदान पिण्डदान अस्थि पूजन मुण्डन तथा कल्पवास आदि सभी तरह के पूजा पाठ करवाते हैं। उन्होंने बताया कि वर्षों से चली आ रही सनातन पंरपरा के अनुरूप संगम क्षेत्र में माघ मेले कुम्भ और महाकुम्भ में श्रद्धालुओं को कल्पवास करवाने का कार्य तीर्थपुरोहित प्रयागवाल ही करते आ रहे हैं। संगम क्षेत्र में टेंट आदि की व्यवस्था करके अपने यजमानों के कल्पवास के व्रत और संकल्प को पूरा करवाते हैं।

शीतकालीन बीमारियों को लेकर संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। आयुष मिशन के अंतर्गत बुधवार को संयुक्त वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन सिविल लाइन स्थित एक होटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर आर्गेनाईजेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ भंवर सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। संगोष्ठी में सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों जोड़ों का दर्द साइटिका गठिया सर्दी खांसी बुखार आदि के विषय एवं सर्दी में खानपान के विषय में जनमानस को जागरूक कैसे किया जाए इस विषय पर चर्चा की गई। आगामी महाकुंभ में ऑर्गनाइजेशन के द्वारा एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाने की भी रूपरेखा तैयार की गई। जिसमें श्रद्धालुओं को चिकित्सकीय परामर्श के साथ साथ निश्शुल्क दवाईयों का वितरण भी किया जाएगा। संगोष्ठी में डॉ अखिल निगम डॉ राजेश श्रीवास्तव डॉ कपूर केसरवानी डॉ सुनील पटेल डॉ पुष्पेंद्र शर्मा डॉ अंकित जायसवाल डॉ भगवान केसरी डॉ अशोक गुप्ता डॉ संजय सिंह डॉ देवेश विनोद कुमार शशांक पाण्डेय अखिलेश कुमार मिश्रा मनीष तिवारी आदि शामिल रहे।

बेलहत्थी बौद्ध बिहार का थाईलैंड, रूस और तिब्बत के बौद्ध भिक्षुओं ने किया भ्रमण

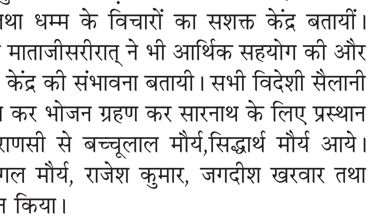

सोनभद्र। बेलहत्थी बौद्ध बिहार में थाईलैंड, रूस और तिब्बत के बौद्ध भिक्षुओं ने भ्रमण तथा धम्म उत्सव दिवस पर सारनाथ में होने वाले आयोजन का आमंत्रण भी दिया। थाई वाराणसी मॉनेस्ट्री थाईलैंड के बौद्ध भिक्षु जित्तरपू अर्थीपण्यो ने कहा कि बेलहत्थी विहार के लिए 40टन की थाई बुद्ध मूर्ति की भेंट 17 जनवरी को सारनाथ मे धम्मदिवस के दिन किया जाएगा तथा विहार के उत्थान के लिए पूर्ण सहयोग करने की बात कही। तिब्बत से साउथ इंडिया मॉनेस्ट्री के बौद्ध भिक्षु शिवलहा रिंपोचे ने बुद्ध विहार के निर्माण में आर्थिक सहयोग भेंट की तथा विकाश शाक्य एडवोकेट को बौद्ध विहार बनवाने और धम्म को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने पर अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। रूस से आयीं बौद्ध भिक्षुणी अनेता ऊर्ज़ाक ने भी आर्थिक सहयोग करते हुए बौद्ध विहार को समृद्ध तथा धम्म के विचारों का सशक्त केंद्र बतायीं। थाईलैंड से आयी बौद्ध भिक्षुणी माताजीसरीरात् ने भी आर्थिक सहयोग की और विहार को बिपस्सना का प्रमुख केंद्र की संभावना बतायी। सभी विदेशी सैलानी बौद्ध भिक्षुओं ने विहार में स्नान कर भोजन ग्रहण कर सारनाथ के लिए प्रस्थान किये, सैलानियो के साथ वाराणसी से बच्चूलाल मौर्य,सिद्धार्थ मौर्य आये। कार्यक्रम को बौद्ध साधक मंगल मौर्य, राजेश कुमार, जगदीश खरवार तथा स्थानीय ग्रामीणो ने व्यवस्थापन किया।

भारत-श्रीलंका संबंध

सामयिक आश्वासन

श्रीलंका ने नई दिल्ली को आश्वस्त किया है कि वह अपनी धरती का प्रयोग भारतीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने के लिए नहीं करेगा। यह निश्चित रूप से भारत सरकार के लिए बहुत अच्छी खबर है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा है कि उनका देश किसी को उनके क्षेत्र का प्रयोग भारतीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने के लिए नहीं करने देगा। यह आश्वासन ऐसे समय आया है जब चीन आक्रामक रूप से भारत को निशाना बनाने के लिए 'मिशन इंडियन ओसेन' चला रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ नई दिल्ली में वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान में कोलंबो की स्थिति स्पष्ट की है। यह आश्वासन भारत-श्रीलंका संबंधों में महत्वपूर्ण घटना की तरह देखा जा रहा है क्योंकि चीन श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह का प्रयोग नौसैनिक निगरानी और जासूसी जहाजों को खड़ा करने के लिए कर रहा है जिसमें बैलिस्टिक मिसाइल ट्रैकिंग जहाज युवान वांग 5 भी शामिल है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती उपस्थिति नई दिल्ली के लिए चिन्ता का विषय है। हंबनटोटा बंदरगाह अब चीन को 99 साल के पट्टे पर दिया गया है कयोंकि श्रीलंका चीन का कर्ज नहीं अदा कर पा रहा था और यह चीनी नौसैनिक कार्रवाइयों का केन्द्र बन गया है। पिछले दो साल में बीजिंग ने वहां कई बार 25,000 टन क्षमता वाले उपग्रह व मिसाइल ट्रैकिंग जहाज युवान वांग 5 को कई बार खड़ा किया। उत्कृष्ट ट्रैकिंग व संचार व्यवस्थाओं से लैस यह जहाज संभवतः इस क्षेत्र की उपग्रह व मिसाइल गतिविधियों पर नजर रखता है और भारत के लिए रणनीतिक चुनौती पैदा करता है।

2022 में भारतीय सरोकारों को देखते हुए श्रीलंका ने थोड़े समय के लिए युवान वांग 5 की तैनाती रोक दी थी, पर अंततः उसे 'आवश्यक आपूर्ति' के बहाने खड़े होने की अनुमति मिल गई। इसके बाद से चीनी निगरानी जहाजों ने नियमित रूप से हिंद महासागर में गश्त की है जिससे इस क्षेत्र में बीजिंग के रणनीतिक इरादों के बारे में भारत में संदेह पैदा होता है। भारत और श्रीलंका के बीच हुआ समझौता यह सुनिश्चित करने के लिए है कि श्रीलंका के समुद्र समेत उसके क्षेत्र का प्रयोग किसी प्रकार भारत की सुरक्षा या क्षेत्रीय शांति को खतरा पैदा करने के लिए नहीं होगा। यह नई दिल्ली के लिए स्वागत योग्य राहत है जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र में स्थायित्व बनाए रखने को महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता माना गया है। यह निश्चित रूप से रातोंरात नहीं हुआ है। भारत ने 2022 के आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका का लगातार समर्थन किया है जिससे दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति दिसानायके ने भारत की सामायिक सहायता के लिए धन्यवाद दिया है जिसने सर्वाधिक चुनौती वाले एक समय में श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। जहां तक चीन का संबंध है, यह श्रीलंका का प्रयोग पूरी तरह भारत को घेरने तथा हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के लिए कर रहा है। श्रीलंका में चीन का प्रभाव खासकर कोलंबो द्वारा हंबनटोटा बंदरगाह परियोजना के लिए 1.7 बिलियन डालर का कर्ज न अदा करने के बाद बढ़ा है। भारत ने लगातार श्रीलंका में चीनी निवेशों और गतिविधियों के रणनीतिक प्रभावों पर चिन्ता प्रकट की है। इस पृष्ठभूमि में श्रीलंका के राष्ट्रपति का आश्वासन श्रीलंका के इस इरादे का संकेत देता है कि वह क्षेत्रीय स्थायित्व सुनिश्चित करते हुए दोनों क्षेत्रीय शक्तियों के बीच संबंधों में संतुलन रखना चाहता है। इस समझौते से यह तथ्य भी रेखांकित होता है कि कोलंबो भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थायित्व को महत्व देते हुए आने वाले वर्षों में भारत-श्रीलंका के बीच संबंधों को ज्यादा मजबूत रणनीतिक स्वरूप देना चाहता है।

कीटनाशकों से विषाक्त होती मिट्टी

पंजाब में खेती एक भयानक यथार्थ का सामना कर रही है। उसकी जीवनरेखा, यानी मृदा खतरनाक जहरीले कीटनाशकों से अत्यधिक उच्च स्तर तक प्रदूषित हो गई है।

ए एस मित्तल
(लेखक, उद्योग क्षेत्र से जुड़े हैं)

समय आ गया है कि पंजाब अपने कृषि क्षेत्र के कटु यथार्थ का सामना करे जो एक भयानक विभीषिका बन गया है। भटिंडा, मानसा और लुधियाना जिलों में खेतों की मिट्टी के 60 प्रतिशत नमूनों में जहरीले कीटनाशकों के अंश बड़ी मात्रा में पाए गए हैं। इनमें घातक रसायन इंडोसल्फान व कार्बोफ्यूरान शामिल हैं और इनका स्तर किसी प्रकार सुरक्षित नहीं कहा जा सकता है। यह केवल चेतावनी न होकर पूरी तरह से सामने आया गंभीर संकट तथा टिक-टिक करता टाइम बम है।

कीटनाशकों और उर्वरकों के इस गैरजिम्मेदार प्रयोग से पंजाब के खेत बंजर हो रहे हैं। 5 दिसंबर को 'विश्व मृदा दिवस' पर हमें तेजी से विघटित होती कृषि व्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है, जबकि दुनिया 'मृदा की देखभाल: उपाय, निगरानी एवं प्रबंधन' की बात कर रही है। ऐसे में पंजाब में पागलपन खतरनाक स्तर तक पहुंच रहा है। एक समय उर्वर भूमि तेजी से बंजर जमीन में बदल रही है और यह केवल शुरुआत है। जहरीले रसायन केवल मृदा में ही नहीं रहते हैं, बल्कि वे हमारी खाद्य श्रृंखला में शामिल हो जाते हैं तथा खाने के हर कौर के साथ धीरे-धीरे हमारे भीतर जहर भरते हैं। यह प्रक्रिया यहीं नहीं थमती है, बल्कि जहरीले रसायनों के अवशेष हमारे डीएनए में प्रवेश कर जाते हैं और इस प्रकार हमारे बच्चों तथा उनके भी बच्चों के लिए जेनेटिक परिवर्तन की जहरीली श्रृखला पीछे छोड़ते हैं। ऐसे में हम ऐसे भविष्य का सामना कर रहे हैं जहां स्वास्थ्य पर खतरों और जेनेटिक विघटन की आशंका मौजूद है।

यह भयानक विभीषिका अनेक पीढ़ियों तक जा सकती है। हम न केवल वर्तमान पीढ़ी का स्वास्थ्य नष्ट कर रहे हैं, बल्कि हम अपने बच्चों को भी अपनी मूर्खता और लालच के कारण बरबादी की ओर धकेल रहे हैं। भावी पीढ़ियों का भविष्य ही संकट में पड़ गया है और हमारी निष्क्रियता के हर क्षण के साथ अपरिवर्तनीय जेनेटिक परिवर्तनों का खतरा मंडरा रहा है। समय आ गया है कि हम जागें, यथार्थ से मुंह चुराना बंद करें तथा संकट का सीधे-सीधे सामना करें। ऐसा न होने पर भावी पीढ़ियों का जीवन भी संकट में पड़ जाएगा। भारत ने कीटनाशकों पर नियामक ढांचे की स्थापना 1968 में की थी, पर यह दयनीय रूप से पुरानी पड़ गई है और आधुनिक चुनौतियों का सामना करने में पूर्णतः विफल है जिससे कृषि-रसायनों के खतरनाक दुरुपयोग का खतरा बढ़ता जा रहा है। हालांकि, इस ढांचे में संशोधन के प्रयास 2008 से जारी हैं, पर किसानों, उपभोक्ताओं और पर्यावरण की सुरक्षा में काफी कमियां हैं। 1968 के कीटनाशक कानून तथा 1971 के कीटनाशक नियमों में समग्र परिवर्तनों की आवश्यकता है ताकि वे कीटनाशकों के दुरुपयोग से पैदा बहुआयामी संकटों का सामना कर सकें।

कीटनाशक प्रबंधन विधेयक, 2020-पीएनबी को पुराने पड़ चुके कानूनों का स्थान लेने के लिए लाया गया था, पर इसमें महत्वपूर्ण सरोकारों को संबोधित किया जाना चाहिए। इस विधेयक में कीटनाशक पंजीकरण व लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को रेखांकित किया गया है, पर इसमें इनके खतरनाक प्रभाव से किसानों को भी समुचित सुरक्षा दी जानी चाहिए। 'पेस्टीसाइड एक्शन नेटवर्क'-पैन इंटरनेशनल के आंकड़ों से निराशाजनक तस्वीर सामने आती है। दुनिया भर में कीटनाशक विषाक्तता की दुर्घटनाओं से हर साल लगभग 11,000 लोगों की मौत होती है जिसमें अकेले भारत में खतरनाक रूप से 6,000 लोग हताहत होते हैं। इन आंकड़ों से स्वाभाविक रूप से कीटनाशक प्रयोग व्यवहारों और सुरक्षा उपायों में व्यापक कमियां उजागर होती हैं। अक्सर किसानों तथा ग्रामीण समाज को रसायनों के प्रयोग का खामियाजा भुगतना पड़ता है। यह खासकर गहन कृषि वाले क्षेत्रों, जैसे पंजाब में बहुत गंभीर है। धान और गेंहूं की खेती में कीटनाशक प्रयोग की दर खतरनाक रूप से बहुत ऊंची है। इसमें औसतन 77 किलो प्रति हेक्टर कीटनाशक प्रयोग होता है, जबकि राष्ट्रीय औसत 62 किलो प्रति हेक्टर है। कीटनाशक उपभोग में भारत में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद पंजाब का तीसरा स्थान है। केन्द्रीय स्वायल सैलिनिटी रिसर्च इंस्टीट्यूट-सीएसएसआरआई के एक अध्ययन से पता चला है कि भारत में 6.74 मिलियन हेक्टर जमीन लवणीयता की शिकार है और कृषि-रसायनों के प्रयोग से स्थिति और खराब होती है।

लगातार कीटनाशकों के प्रयोग से 'माइक्रोबियल बायोमास' घट कर 30-50 प्रतिशत रह जाता है जिससे मृदा की उर्वरता प्रभावित होती है तथा जमीन फसलों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने में विफल हो जाती है। ऐसे में आधुनिक कृषि के लिए कीटनाशकों पर कठोर नियंत्रण जरूरी है जिसमें कीटनाशक, फफूंदनाशक या खरपतवार नाशक शामिल हैं।

उनकी विषाक्त प्रकृति के कारण उनके पूरे जीवनचक्र पर ही कठोर नजर रखना बहुत जरूरी हो जाता है जिसमें उत्पादन से लेकर प्रयोग तक शामिल हैं। वर्तमान नियामक ढांचे में सामने आ रहे विषविज्ञान आंकड़ों के आधार पर पंजीकृत कीटनाशकों की समय-समय पर समीक्षा में अक्षमता दिखती है। इस लापरवाही के कारण आम जनता के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा होता है। यह खासकर ऐसे देश में और गंभीर हो जाता है जहां कीटनाशकों का ठीक से प्रयोग न करना बहुत व्यापक हो गया है। पिछले तीन दशकों में कीटनाशकों के बेलगाम प्रयोग पर नियंत्रण का प्रयास नहीं हुआ है। इनका प्रयोग बढ़ने का कारण अक्सर आक्रामक मार्केटिंग तथा अधिक फसल पैदा करने के लिए कीटनाशकों के अधिकाधिक प्रयोग की रणनीति है।

वर्तमान समय में प्रशिक्षण प्रयास तेज करने की जरूरत है। 1994-95 से 2020-21 के बीच कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के प्लांट प्रोटेक्शन विभाग ने समन्वित कीटनाशक प्रबंधन-आईपीएम में केवल 585,000 किसानों को प्रशिक्षण दिया। यह 150 मिलियन से अधिक किसानों वाले देश में बहुत कम है। कीटनाशक प्रबंधन के अंतरराष्ट्रीय कोड के अनुसार सरकारों तथा उद्योगों को किसानों तथा खुदरा विक्रेताओं को समग्र प्रशिक्षण एवं सूचनाओं से लैस करना चाहिए। इन संस्तुतियों का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। अक्सर किसानों के संपर्क का एकमात्र साधन खुदरा विक्रेता होते हैं जो भ्रामक या आधी-अधूरी सूचनायें देते हैं। डेटा का उपयुक्त संग्रह न करना भी भारत में नियामक व्यवस्था के लिए समस्यायें खड़ी करता है।

राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो-एनसीआरबी दस्तावेजों के अनुसार कीटनाशकों के कारण होने वाली मौतें तभी पंजीकृत होती हैं जब उनको मेडिको-लीगल मामलों के रूप में दर्ज किया जाए। इससे कीटनाशकों के गैर-संस्थागत हानिकारक प्रयोग तथा भयानक स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के असंख्य मामले दर्ज नहीं हो पाते हैं। इसके कारण नीति निर्माण तथा जवाबदेही में बाधा पैदा होती है। भारत के कीटनाशक नियमन व्यवस्था में समुचित शिकायत निवारण व्यवस्था की कमी सामने आती है। किसानों तथा खेतिहर मजदूरों को कीटनाशकों के दुष्प्रभावों के मामले में न्याय व मुआवजा प्राप्त करने में भरी खर्च करना पड़ता है तथा इसकी प्रक्रिया बहुत जटिल है।

इसके अलावा राज्य सरकारें खतरनाक कीटनाशकों पर केवल अस्थाई प्रतिबंध लगा सकती हैं जिसकी अवधि केवल 60 दिन होती है। इससे बहुत बड़ा समुदाय इसके जोखिमों का शिकार बनता रहता है। खेतिहर मजदूरों को कीटनाशकों के दुरुपयोग का ज्यादा जोखिम उठाना पड़ता है, जबकि उनको स्वास्थ्य जोखिम से निपटने के लिए सुरक्षा उपकरणों को खासकर गरम और नम माहौल वाले कृषि क्षेत्रों में जरूरी है। हालांकि, उपभोक्ता संरक्षण कानून सिद्धान्त रूप से किसानों पर भी लागू होता है, पर कीटनाशक निर्माताओं द्वारा भ्रामक लेबिलों या अधोमानक उत्पादों के प्रयोग के खिलाफ कानूनी लड़ाई आसान नहीं है।

ऐसे में भारत को एक किसान-केन्द्रित कानूनी ढांचा तैयार करना चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो क्योंकि यही कृषि को सुरक्षित और टिकाऊ बनाने का एकमात्र रास्ता है। सरकार को खतरनाक कीटनाशकों पर तत्काल प्रतिंध लगा कर किसानों के स्वास्थ्य तथा उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक लागू करने चाहिए।

प्रगति के पथ पर भारतीय अर्थव्यवस्था

> "लगातार मुद्रास्फीति, बैंकिंग क्षेत्र में मंदी और पर्यावरण संबंधी चिंताओं जैसी चुनौतियां बाधाएं खड़ी करती रहती हैं।"

कजलीन कौर
(लेखिका, सह प्रोफेसर हैं)

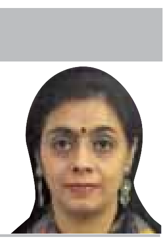

भारत ने खुद को जी20 देशों में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित कर लिया है, जिसकी अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.5 प्रतिशत-7 प्रतिशत है। यह उल्लेखनीय प्रक्षेपवक्र वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश की आर्थिक लचीलापन और अपार क्षमता को रेखांकित करता है। वर्ष 2024 भारत के आर्थिक परिदृश्य की एक ज्वलंत तस्वीर प्रस्तुत करता है, जिसमें उल्लेखनीय उपलब्धियां और उभरती चुनौतियाँ शामिल हैं।

प्रगति के सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में से एक रोजगार में पर्याप्त सुधार है। बेरोजगारी दर 2017 में 6 प्रतिशत से घटकर 2024 में प्रभावशाली 3.2 प्रतिशत हो गई है, जो सभी क्षेत्रों में मजबूत रोजगार सृजन को दर्शाता है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में भी नाटकीय उछाल आया है, जो 2024-25 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 45 प्रतिशत बढ़कर 29.79 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जिसमें सेवाओं, दूरसंचार और फार्मास्यूटिकल्स में प्रमुख प्रवाह शामिल है। इस गति को आगे बढ़ाते हुए, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.89 बिलियन डॉलर हो गया, जो अकेले इस वर्ष 87.6 बिलियन डॉलर की वृद्धि से प्रेरित है। इस वृद्धि में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में 10.468 बिलियन डॉलर की वृद्धि और स्वर्ण भंडार में 2 बिलियन डॉलर की वृद्धि शामिल है, जो अब 65.7 बिलियन डॉलर हो गया है।

भारत का फिनटेक क्षेत्र वैश्विक मंच पर चमकना जारी रखता है, जो यूएसए और यूके के बाद तीसरी सबसे बड़ी फिनटेक अर्थव्यवस्था के रूप में स्थान पाता है। देश दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार भी है, जिसका बाजार पूंजीकरण 4.33 ट्रिलियन डॉलर है, जो हांगकांग से आगे है। डिजिटल भुगतान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर

एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस के साथ हासिल किया गया, जिसके कारण 2024 में लेनदेन मूल्य 200 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष यह 139 ट्रिलियन रुपये था। भारत ने वैश्विक मंच पर भी अपनी [illegible] क्षमता का प्रदर्शन किया, फ्रांस के साथ डिजिटल भुगतान समझौते के हिस्से के रूप में पेरिस के एफिल टॉवर में इस प्रणाली की शुरुआत की। वस्तु एवं सेवा कर ([illegible]) राजस्व संग्रह भी अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया, जो 2.10 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया - जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.4 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि है। यह वृद्धि घरेलू लेनदेन में 13.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि और आयात में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित थी, जो भारत के कर बुनियादी ढांचे की ताकत को दर्शाता है। इन आशाजनक आंकड़ों के बीच, कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा मापी गई मुद्रास्फीति लगातार उच्च बनी हुई है, जो 5 प्रतिशत से अधिक है। बैंकिंग क्षेत्र में मंदी देखी गई है, नवंबर 2024 में ऋण वृद्धि पिछले वर्ष के 20.6 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत रह गई। जमा वृद्धि में भी कमी आई है, बैंकों ने अप्रैल और नवंबर के बीच 13.8 लाख करोड़ रुपये जमा किए हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 16.1 लाख करोड़ रुपये जमा हुए थे। जवाब में, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकदी प्रवाह में सुधार और ऋण वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए दिसंबर में नकद आरक्षित अनुपात को 50 आधार अंकों से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया। गुणात्मक संकेतक मिश्रित तस्वीर पेश करते हैं। यूएनडीपी लैंगिक असमानता सूचकांक में भारत 14 पायदान ऊपर चढ़ा, जो लैंगिक अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

इसने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया, जो उद्यमशीलता गतिविधि, जीवंत स्टार्टअप और सफल सार्वजनिक-निजी भागीदारी द्वारा संचालित 133 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में 40वें से 39वें स्थान पर पहुंच गया। मानव विकास रिपोर्ट 2023-24 ने भारत को 193 देशों में 134वें स्थान पर रखा, जो जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और सकल राष्ट्रीय आय में वृद्धि को दर्शाता है। हालाँकि, हैप्पीनेस इंडेक्स में कोई प्रगति नहीं देखी गई, जहाँ भारत 126वें स्थान पर बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण वृद्ध नागरिकों में असंतोष, कथित भेदभाव और खराब स्वास्थ्य मीट्रिक हैं। इसके अलावा, भारत पर्यावरण प्रदर्शन में संघर्ष कर रहा है, 180 देशों में से 176वें स्थान पर है। वायु गुणवत्ता, जैव विविधता हानि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन जैसी चुनौतियों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

जैसे-जैसे भारत इन जटिलताओं से निपट रहा है, यह महत्वपूर्ण बदलावों से भी गुजर रहा है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है, और भारत [illegible] नेतृत्व में बदलाव देख रहा है, जिसमें संजय मल्होत्रा शक्तिकांत दास के कार्यकाल के बाद 26वें गवर्नर के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। जबकि वित्त वर्ष 2024-25 का अंतिम मूल्यांकन अभी भी लंबित है, भारत की विकास कहानी एक उज्जवल भविष्य के लिए आशावाद और 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

आप की बात

अंत भला तो सब भला

महाराष्ट्र में भाजपा नीत 'महायुति' को असाधारण जनादेश मिला। भाजपा नीत महायुति को विधानसभा चुनावों में भारी विजय मिली और वह 288 सदस्यों वाले सदन में 230 सीटें जीतने में सफल रही। शिंदे की शिवसेना तथा अजीत पवार की रांकापा ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। शिवसेना को 57 और रांकापा को 41 सीटों पर विजय मिली। इस परिणाम से कांग्रेस नीत 'महाविकास अघाड़ी'-एमवीए को भारी निराशा मिली। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का राज्य विधानसभा में प्रदर्शन अब तक का एक सबसे खराब प्रदर्शन रहा और वह केवल 16 सीटें जीत सकी। शरद पवार के नेतृत्व वाली रांकापा को केवल 10 सीटें मिलीं, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना को केवल 20 सीटों पर सफलता मिली। लेकिन इस सफलता के बावजूद चुनाव पश्चात परिदृश्य उथलपुथल से भरा दिख रहा है। कहा जाता है कि महायुति के दो गठबंधन सहयोगियों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर काफी टकराव रहा। वैसे भी भाजपा के महाराष्ट्र में सर्वोच्च नेता के रूप में फडनवीस के व्यापक रूप से मुख्यमंत्री पद पर आने की आशा थी। शिवसेना ने गठबंधन की विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद अपने पास रखने के इच्छुक थे। लेकिन कई दिन चली वार्ताओं के बाद वे अंततः फडनवीस को अपना स्थान देने के लिए तैयार हो गए।

– **सुचिता शांडिल्य**, आगरा

मानसिक स्वास्थ्य का महत्व

जिस तरह हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं, उसी तरह हमारे मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। घर में एक खुशहाल, सहायक और समझदार माहौल बनाने में माता-पिता की अहम भूमिका होती है। चिंता, डर और अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम हैं, और ये बदमाशी, पारिवारिक संघर्ष, स्कूल या जीवन में बदलाव, शैक्षणिक तनाव या यहां तक कि कठोर दंड के कारण उत्पन्न हो सकती हैं। ये चुनौतियां बच्चों को अलग-थलग, क्रोधित या अपनी पढ़ाई पर ध्यान न देने का एहसास करा सकती हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि परामर्शदाताओं, चिकित्सकों या माता-पिता या शिक्षकों जैसे विश्वसनीय वयस्कों से मदद लेना ताकत का संकेत है, कमज़ोरी का नहीं। आज, पांच में से एक व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है। थेरेपी जैसे पेशेवर समर्थन भावनात्मक भलाई में काफी सुधार कर सकते हैं। योग, खेल और ध्यान जैसी गतिविधियां भी मन को शांत करने और तनाव को कम करने के लिए प्रभावी हैं। इसके अतिरिक्त, माइंडफुलनेस का अभ्यास करना - वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करना, बच्चों को अधिक शांतिपूर्ण और केंद्रित महसूस करने में मदद कर सकता है। अच्छी आदतें, जैसे पर्याप्त नींद लेना, स्वस्थ भोजन खाना और हाइड्रेटेड रहना, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों का समर्थन करती हैं।

– **सुनील वार्ष्णेय,** कानपुर

बांग्लादेश पर लगाम लगे

भारत के लिए बांग्लादेश सीमा सुरक्षा तथा क्षेत्रीय स्थायित्व बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण साझीदार है। दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध हैं जिससे लंबे समय तक गतिरोध संकट का कारण बन सकता है। लेकिन वर्तमान समय में परस्पर विश्वास लगभग समाप्त हो गया है। भारत ने बार-बार बांग्लादेश से अनुरोध किया है कि वह अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी हिंसा से निपटे। दूसरी ओर बांग्लादेश के अधिकारियों का कहना है कि भारतीय मीडिया का एक हिस्सा जानबूझ कर गलत सूचनायें फैलाता है। भारत और बांग्लादेश के बीच अच्छे संबंध रहे हैं, ऐसे में दोनों देशों को तत्काल तनाव घटाने के प्रयास करने चाहिए। हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से पैदा तनाव तत्काल दूर करने के प्रयास होने चाहिए। उनको जल्दी से जल्दी रिहा करने के साथ ही बांग्लादेश में अल्पसंख्यक अधिकारों के उल्लंघन पर उठ रहे सवालों को संबोधित करना होगा। भारत की जनता बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर स्वाभाविक प्रतिक्रिया करती है, ऐसे में बांग्लादेश को अपने देश में कट्टरपंथियों पर कठोरता से लगाम लगानी चाहिए। भारत के सामने बांग्लादेश की हैसियत कुछ नहीं है अतः भारत लगाम कसने में सक्षम है।

– **सीमांत कक्कड़**, लखनऊ

कांग्रेस करे पुनर्विचार

हालिया चुनाव परिणाम दलगत विकास में खोए अवसरों का खुलासा भी करते हैं। यदि कांग्रेस ने अतीत की गलतियों से बेहतर सबक सीखे होते और आवश्यक परिवर्तन किए होते तो उसका प्रदर्शन बेहतर हो सकता था। कांग्रेस ने चुनाव-पश्चात स्थितियों पर वैसे विश्लेषण नहीं किए जैसे पचमढ़ी या शिमला सम्मेलनों में किए गए थे। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा उनके द्वारा चयनित सहयोगियों के नियंत्रण में है। हालांकि, राहुल गांधी ने हालिया विधानसभा चुनावों में कड़ी मेहनत की तथा व्यापक अभियान चलाया, पर पार्टी बेहतर नतीजे नहीं दिखा सकी। इन परिणामों से संकेत मिलता है कि उन्होंने अभी हालिया हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम से कोई सबक नहीं सीखा है और वे प्रदेशों में दूसरों को अनदेखा कर केवल एक नेता पर अत्यधिक निर्भर हैं। जनता से संबंध विच्छेद इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पार्टी को अपनी रणनीति पर पुनः विचार करना होगा, और अल्पसंख्यकवाद की राजनीति से बाज आना होगा।

– **अजय महावर**, सीतापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

अवैध निर्माण की जांच करने आई टीम को दी गई खुलेआम धमकी

संवाददाता। डलमऊ रायबरेली

अवैध निर्माण रोकने व उसे अवमुक्त कराने के क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही बड़े बड़े दावे करें पर हकीकत ये है कि भूमाफ़ियाओं द्वारा खुलेआम पैमाइश के दौरान टीम को निर्माण कार्य अगले दिवस से कराने की खुलेआम चुनौती दी है। अब देखना है कि बंजर भूमि की गाटा संख्या 1918 पर चल रहे अवैध निर्माण जो लगभग 15 मीटर बंजर भूमि पर पाया गया।

वहीं जांच के लिए गयी टीम के सामने ही अवैध निर्माण कर रहे भूमाफ़िया ने खुलेआम निर्माण कार्य करने की टीम के सामने खुली चुनौती दे डाली। इतना तो तय है कि अवैध निर्माणकर्ता ने प्रशासनिक अधिकारी व राजस्व कर्मचारियों के समक्ष चुनौती देकर निर्माण कार्य शुरू कराने व रोक

न पाने की खुली चुनौती पेश की है।

हालांकि जिलाधिकारी से भाजपा कार्यकर्ता अंकिल दीक्षित ने अवैध निर्माण की शिकायत की थी जिसमे कार्यवाही के क्रम में उपजिलाधिकारी डलमऊ ने पत्र संख्या 692 एसटी-एसडीएम -जांच2024 के माध्यम से नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह व अधिशाषी अधिकारी की अध्यक्षता में सहित चार सदस्यीय एक राजस्व टीम गठित की थी जिसमे राजस्व निरीक्षक हनोमान,राजस्व निरीक्षक हरिप्रकाश त्रिवेदी,लेखपाल प्रशांत मिश्रा व लेखपाल मनोज पाल आदि उपस्थित रहे। डलमऊ में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा अपर जिलाधिकारी से बार बार डलमऊ स्थित अज्ञात गांधी पार्क पर निर्माण की शिकायत के निस्तारण के क्रम में पत्र संख्या1445एसटी-एसडीएम2024 के जांच हेतु उपरोक्त जांच टीम द्वारा स्पॉट का मुआयना कराया गया जिसमे शिकायतकर्ता राकेश त्रिपाठी नगर अध्यक्ष (कांग्रेस)संजय श्रीवास्तव (जिला मंत्री)सुनीता जायसवाल(सभासद)व रितिक जायसवाल(उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस) में केवल राकेश त्रिपाठी ही उपस्थिति रहे उक्त प्रकरण पर निर्माण को अवैध बताते हुए गांधी पार्क की जमीन बताई थी जांच के क्रम में उक्त गाटा संख्या राजस्व अभिलेखों में गाटा संख्या 5211 संक्रमणीय भूमि के रूप में चिन्हित की गई राजस्व अभिलेखों में गांधी पार्क का कहीं भी अवशेष या जिक्र नही मिल सका।

बालिकाओं को है सुरक्षा के प्रति जागरुक रहने की जरूरतः एडीजे

संतकबीरनगर। जनपद न्यायाधीश महेंद्र प्रसाद चौधरी के निर्देशन में बुधवार को मिशन शक्ति के तहत अवध गर्ल्स इंटर कालेज, कड़जा सेमरियावां में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला जज महेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान परिवेश में बालिकाओं को अपने सुरक्षा के प्रति जागरुक रहने की जरुरत है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को बैड टच और गुड टच के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में भी बताया। उन्होंने घरेलू हिंसा, दहेज प्रतिषेध अधिनियम के कानूनों के बारे में भी जानकारी दिया। चीफ डिफेंस काउंसिल अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने विधि के सामान्य सिद्धांतों के बारे में जानकारी दिया। उन्होंने किसी अपराध के बाबत न्यायालय में अपनाए जाने वाले प्रक्रिया की जानकारी दिया।

दुधारा ठानाके इंस्पेक्टर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि बच्चों को डरने की जरूरत नही है। उन्हें अपने समस्याओं के बारे में बताना चाहिए। पुलिस स्तर पर उन्हें हर संभव सहायता मिलेगी। असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल मो.दानिश अहमद व जहीर अहमद ने बच्चों से संबंधित कानून के बारे में बताया।

जिलाधिकारी ने नगर भ्रमण कर अलाव व्यवस्था की हकीकत का लिया जायज़ा

संवाददाता। उरई, जालौन

शीत लहर को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने देर रात शहर के जिला अस्पताल, शहीद भगत चौराहा, रेलवे स्टेशन उरई व कोंच नगर पहुंचे, जहां उन्होंने मारकंडेश्वर तिराहा पर नगर पालिका द्वारा जलाए जा रहे अलाव की व्यवस्था हकीकत जानी, जो सुचारू रूप से प्रमुख स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे।

इसके बाद उन्होंने कोंच रेलवे स्टेशन जाकर रात्रि के समय आने वाली ट्रेन से आने जानेवाले यात्रियों से बात की। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के बाहर जल रहे अलाव की भी व्यवस्था का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सीएचसी में पहुंच कर मरीजों से वार्ता कर हाल जाना, साथ ही व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। वहीं अस्पताल की

इमरजेंसी वार्ड में गंदगी मिलने पर त्वरित साफ सफाई कराई गई, तथा सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। मरीजों के तीमारदारों से बात करते हुए उन्हें कंबल का भी वितरण किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश है कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान में न सोने पाए। इसके लिए उप जिलाधिकारी व सम्बंधित अधिकारियों द्वारा निरंतर सर्दी को देखते हुए निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रैन बसेरा व आश्रय शेल्टर होम में खुले आसमान में सोने वाले व्यक्तियों के लिए व्यवस्था की गई, जनपद में कोई भी व्यक्ति खुले आसमान में सोते हुए नही पाया गया। सभी जगह रेन बसेरे बनवाए गए है, साथ ही अलाव भी नगर पालिका और प्रशासन की तरफ से जलवाए जा रहे हैं इतना ही नहीं जरूरतमंद लोगों को लगातार कम्बल का वितरण किया जा रहा है, उन्होंने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी व्यक्ति को खुले आसमान में सोने न दिया जाए, रैनबसेरे बने है वहां पर और आश्रय शेल्टर होम में पहुंचाया जाए।

सिंचाई विभाग की उदासीनता, ठेकेदार की मनमानी, अब भुगतेंगे किसान

महराजगंज, रायबरेली। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता और ठेकेदार की मनमानी का अंजाम अब किसानों को भुगतना पड़ेगा। करीब पचास हजार किसानों को संजीवनी प्रदान करने वाली शोरा रजबहा की सिल्ट सफाई के लिए टेंडर प्रक्रिया के साथ ही एग्रीमेंट भी हुआ लेकिन सिल्ट सफाई नहीं हो सकी और रजबहा में पानी छोड दिया गया इससे किसानों में आक्रोश है।हरचंदपुर ब्लाक क्षेत्र के गुनावर के पास निकली शोरा रजबहा करीब बारह किलोमीटर लंबी है, इससे छोटी और बडी मिलाकर करीब दस और माइनरें निकली हुई हैं।

गुनावर गांव के पास से होकर निकली शोरा माइनर मझिगवां, सलेमपुर, सरगही, कठवारा, सोरा टांडा के पास जाकर समाप्त होती है, इससे करीब पचास हजार किसान अपने खेतों की सिंचाई करते हैं, रजबहा की सिल्ट सफाई के लिए सिंचाई विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया कराई गई मेसर्स शरद कान्सट्रक्शन नाम की फर्म को सिल्ट सफाई का जिम्मा मिला और 20 नवंबर से 4 दिसंबर तक पंद्रह दिनों में कार्य समाप्ति का अनुबंध हुआ लेकिन ठेकेदार द्वारा रजबहा की सिल्ट सफाई नहीं कराई गई और पानी छोड दिया गया रजबहा की साफसफाई न होने से क्षेत्रीय किसानों में सिंचाई विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता नमन मिश्रा ने बताया कि ठेकेदार द्वारा रजबहा की सफाई न कराए जाने की बात डीएम के नेतृत्व गठित सत्यापन करने वाली कमेटी को लिखा पढी में अवगत कराया गया है, ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही महाराजगंज पुलिस, एसपी से लगाई गुहार

संवाददाता। महराजगंज ,रायबरेली

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती के साथ हुई दुष्कर्म की घटना के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर युवती ने परिजनों संग आज बुधवार को पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह से मिलकर महराजगंज पुलिस पर आरोपियों की गिरफ्तारी न करने का आरोप लगाया है।कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक ने अपनी बहन के साथ बीते नवंबर माह की 26 तारीख को गांव के ही दो युवकों पर जबरन दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाते केस दर्ज कराया गया था।युवक ने दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया था कि आरोपियों द्वारा दुष्कर्म करते समय का वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया जिससे उसी बहन की शादी तय थी जो टूट गई है, दुष्कर्म का विडियो शोशल मीडिया पर वायरल है, हालांकि विडियो करीब आठ महीने पुराना बताया जा रहा है। आज पुलिस अधीक्षक की चौखट पर परिजनों संग पहुंची दुष्कर्म पीडिता ने बताया कि केस दर्ज हुए तकरीबन एक महीने का समय हो रहा है, लेकिन महराजगंज पुलिस द्वारा अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है, पीडिता ने एसपी से निष्पक्ष विवेचना और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि नामजद किए गए दोनों आरोपी नाबालिग हैं, और युवती बालिग है, वायरल विडियो में आरोपियों का चेहरा स्पष्ट नहीं है, परताल की जा रही है, तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। शिकायत के जांच के क्रम में भी उपजिलाधिकारी अभिषेक वर्मा ने नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह व अधिशाषी अधिकारी की अध्यक्षता में सहित चार सदस्यीय एक राजस्व टीम गठित की थी जिसमे राजस्व निरीक्षक हनोमान,राजस्व निरीक्षक हरिप्रकाश त्रिवेदी, लेखपाल प्रशांत मिश्रा व लेखपाल मनोज पाल आदि अन्य उपस्थित रहे।

लखनऊ जा रहे कांग्रेसियों को किया गया नजर बंद

बछरावां, रायबरेली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा प्रदेश के कार्यकर्ताओं का आवाहन किया गया था कि बुधवार को विधानसभा का घेराव कांग्रेस पार्टी करेगी। जिसके चलते बुधवार सुबह बछरावां पुलिस चूरूवा टोल प्लाजा पर नाकेबंदी कर लखनऊ जा रहे करीबदो दर्जन कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर बछरावां कोतवाली ले गई। वही बछरावां ब्लॉक अध्यक्ष अवधेश चौधरी व न्याय पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी को सिंह को उनके घर पर ही नजर बंद कर लिया गया।कोतवाल ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि टोल प्लाजा पर चेकिंग अभियान चलाकर दो दर्जन से अधिक कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को जो लखनऊ जा रहे थे उनको गिरफ्तार कर बछरावां कोतवाली में रोका गया है।

बसपा छोड़ सभी दल आंबेडकर पर कर रहे राजनीतिः झिनकान

संतकबीरनगर। देश व प्रदेश में बसपा को छोड़कर के बाकी सभी राजनीतिक दल बाबा साहब डॉ0 भीम राव अम्बेडकर के बनाए संविधान की आड़ में अपनी राजनैतिक रोटी सेकने का काम करते है। उक्त बातें बसपा जिलाध्यक्ष झिनकान प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा। उन्होने कहा कि बसपा का मानना है कि कांग्रेस व बीजेपी के लोगो को बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की आड़ में अपनी राजैनतिक रोटी सेकने की बजाय इनका पूरा आदर सम्मान करना चाहिए। उन्होने कहा कि इन पार्टियों के लिए इनके जो भी भगवान है। उसे हमारी पार्टी को कोई एतराज नही है लेकिन दलितो व अन्य उपेक्षितो के लिए एक मात्र इनके भगवान केवल बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर है। उन्होने कहा कि जिनकी वजह से ही इन वर्गो को जिस दिन संविधान के कानूनी अधिकार मिले है। तो उसी दिन इन वर्गो को सात जन्मो तक का स्वर्ग मिल गया था।

क्विक न्यूज

डीएम की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन

अमेठी। शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में किसानों की समस्याओं एवं सुझावों को सुना गया तथा मौके पर ही जिलाधिकारी द्वारा उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। किसान दिवस के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी किसान बन्धुओं को उपलब्ध कराई गई तथा किसानों को जैविक व प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी गई। किसान दिवस में जनपद के प्रगतिशील किसानों ने भी अपने-अपने विचार साझा किए तथा बताया कि कैसे उन्होंने शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर खेती की और अच्छा मुनाफा कमाया। किसान दिवस में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की किसानों से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों को दिया जाए।

विद्याज्ञान में प्राथमिक विद्यालय गुन्नौर की छात्रा का चयन

मुसाफिरखाना,अमेठी। स्थानीय विकासखंड के अंग्रेजी माध्यम मॉडल स्कूल प्राथमिक विद्यालय गुन्नौर में कक्षा पांच की छात्रा रागिनी का चयन विद्याज्ञान विद्यालय में हुआ है। मेधावी छात्रा के चयन पर गुरुजनों ने छात्रा को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। रागिनी पुत्री देवी प्रसाद विकासखंड की एक मात्र छात्रा है जिसका विद्याज्ञान विद्यालय में चयन हुआ है। यह संस्था ग्रामीण क्षेत्र के मेधावी छात्रों को कक्षा 6 से 12 तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है। इस आवासीय विद्यालय में छात्रावास,भोजन के साथ पाठ्य सामग्री निःशुल्क प्रदान की जाती है। सीबीएसई पाठ्यक्रम पर आधारित विद्यार्थियों को अंग्रेजी,कंप्यूटर सहित अन्य विषयों में विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था है। छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल कूद सांस्कृतिक व संस्कारिक शिक्षा प्रदान की जाती है। छात्रा के चयन पर गुरुजन मनोज कुमार तिवारी हरि प्रसाद यादव अनुप्रास गुप्ता एवं परिजन सहित अन्य लोगो ने खुशी जाहिर करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जन कल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी तरीके से करें क्रियान्वयनः डीएम

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में सीएम डैशबोर्ड एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी एवं बेहतर ढंग से किया जाए ताकि सरकार की योजनाओं से वंचित लोगों को जोड़ा जा सके और उनकी समस्याओं का भी बुनियादी समाधान हो सके। समीक्षा के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की जल जीवन मिशन हर घर जल कनेक्शन में प्रगति धीमी गति पर निर्देशित किया कि निरंतर समीक्षा कर प्रगति में तेजी लाएं। प्राथमिक शिक्षा में माध्यान्ह भोजन एवं विद्यार्थियों की

उपस्थिति व निपुण परीक्षा आंकलन, लोक निर्माण विभाग नई सड़कों के निर्माण, पंचायतीराज विभाग में 15 वां वित्त आयोग ग्राम पंचायत व 5 वां वित्त आयोग ग्राम पंचायत, पर्यटन में राज्य योजना, ग्राम्य विकास में डे-एनआरएलएम बैंक क्रेडिट लिंकेज, कृषि विभाग में कृषि रक्षा रसायन डीबीटी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य में सीटी स्कैन सेवाएं, श्रम एवं सेवायोजन विभाग में मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना आदि विभागों की प्रगति संतोषजनक न होने पर कार्यवाही के चेतावनी दी, स्टांप, आबकारी, जीएसटी, राजस्व में लक्ष्य के सापेक्ष कम बसूली होने पर तेज गति से राजस्व में प्रगति लाने निर्देश दिए। संबंधित विभागों के कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष योजनाओं की प्रगति में सुधार लाएं और टीम भावना के साथ कार्य करें। यदि किसी भी अधिकारी की प्रगति में शिथिलता पाई गई तो निश्चित ही कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होने कहा कि जनशिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए अधिकारी प्रतिदिन अपना विभागीय पोर्टल चेक करे।

सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे

रायबरेली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा विधानसभा घेराव कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी रायबरली से सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे, 24 घंटे पहले से पुलिस प्रशासन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जोर आजमाइश होनी शुरू हो गई थी। पुलिस द्वारा कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को एक दिन पहले हाऊस अरेस्ट कर दिया गया और सुबह से ही नेशनल हाईवे के चुरूवा बार्डर टोल प्लाजा पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। लखनऊ की ओर जाने वाली सभी गाड़ियों को पूंछतांछ के लिए रोका जा रहा था।उक्त की जानकारी देते हुए कार्यवाहक जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सुबह से पुलिस पशासन को छका रखा था, जगह-जगह रोके जाने के बावजूद सैकड़ों की संख्या में जनपद के कांग्रेसियों ने लखनऊ पहुंचकर विधानसभा घेराव कार्यक्रम में अपना योगदान दिया।

साइंस ओलंपियाड के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को गिफ्ट वाउचर

सलोन, रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल, के विद्यालय परिसर में साइंस ओलंपियाड फाऊंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को गिफ्ट वाउचर और गोल्ड मेडल जीतने के लिए सम्मानित किया गया । उक्त अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती कामाक्षा सिंह द्वारा कक्षा प्रथम में अध्ययनरत एलिस,एलिजा,कबीर अहमद, प्रखर पांडेय और आराध्या सिंह को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सातवीं रैंक हासिल कर पांच -पांच सौ रुपए के गिफ्ट बाउचर जीतने के लिए और युवान अग्रहरि कक्षा -प्रथम,एंजल पटेल कक्षा द्वितीय,आर्यन वैश्य कक्षा-छठवीं,मो0उमैर कक्षा- आठवीं तथा शिवांशी यादव कक्षा- नौवीं को गोल्ड मेडल आफएक्सीलेंस की दावेदारी के लिए बधाई दी गई और सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को दिए जाने वाले अपने संदेश में कहा कि ष्सफलता अंतिम नहीं है, असफलता घातक नहीं है। प्रयास जारी रखने का साहस ही मायने रखता है। निरंतर किया जाने वाला प्रयत्न कभी निष्फल नहीं होता। इस परीक्षा का आयोजन साइंसओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा विगत 15 अक्टूबर 2024 को विद्यालय परिसर में ही किया गया था।

जेल में स्वच्छता की जांच कर बीमार मरीजों की ली जानकारी

संतकबीरनगर। जनपद न्यायधीश महेन्द्र प्रसाद चौधरी, जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा संयुक्त रुप से जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। जिला जज, डीएम व एसपी द्वारा द्वारा जेल परिसर में हास्पिटल, बैरक, मेस का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कैदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं/सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। उन्होंने उपस्थित सभी कारागार कर्मियों को निर्देशित किया कि जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री न जाने पाये, समस्त कार्यवाहियों का निर्वहन पूर्ण/सही तरीके से करें। जनपद न्यायधीश ने जेल परिसर की साफ-सफाई सहित कैदियों द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं पर प्रसन्नता व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायधीश ने ठण्ड से बचाव के दृष्टिगत कैदियों को स्वेटर का वितरण किया। जिलाधिकारी जनता दर्शन में आये हुए जेल से सम्बन्धित शिकायती पत्रों को भी संज्ञान में लेते हुए जेल अधीक्षक से जानकारी लिया। निरीक्षण के दौरान नवागत कारागार अधीक्षक आर0के0 गौतम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रामानुज कन्नौजिया, उप कारापाल नयन कमल, गीता रानी, राजकुमार गौतम, चिकित्सक वरूणेश दूबे, जेल वार्डर सिद्धार्थ सिंह, वरिष्ठ सहायक कृष्ण कुमार पाण्डेय, दिनेश कुमार उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

नाटकीय ढंग से स्कूल आई दो छात्राएं बाउंड्री फांदकर हुई गायब, 5 घंटे बाद लौटीं वापस

संवाददाता। कालपी, जालौन

बुधवार को नगर के सबसे बड़े आर्यकन्या पाठशाला इण्टर कालेज में उस समय सनसनी मच गई जब पता चला विद्यालय आई दो छात्राएं स्कूल के पीछे से बाऊंड्रीबाल फांद कर भाग जाने में सफल हो गयी। गनीमत यह रही कि विद्यालय से भागी छात्रायें पांच घंटे में वापस लौट गयी जिससे मामले का पटाक्षेप हो गया।

उक्त खबर जंगल में आग की तरह नगर भर में फैल गई। मीडिया से लेकर पुलिस प्रशासन और अभिभावकों की भीड़ लग गई। हर कोई जानना चाहता था आखिर क्या है पूरा मामला कौन दो छात्राएं गायब हुई पर विद्यालय का गेट बन्द कर दिया गया किसी को भी अन्दर की खबर नहीं मिल रही थी। वमुश्किल दो महिला कांस्टेबल और एक एस आई को अन्दर जाने दिया गया। तब पता चला कि हाई स्कूल की दो छात्राएं गायब हैं। पता चलते ही उनके अभिभावक आ गये एक छात्रा के माता पिता कोतवाली भी पहुंच गये।

काफी लम्बे समय से आर्यकन्या पाठशाला इण्टर कालेज में प्रबन्धक और प्रधानाचार्या के बीच भारी अनबन चल रही थी जिसमें प्रधानाचार्या नुजहत जहां पर विभागीय कार्रवाई हुई और उनका अनयंत्र तबादला कर दिया गया। वर्तमान में विद्यालय में रजनी पुरवार प्रधानाचार्या हैं आज जब काफी हो हल्ला मचा तब विद्यालय की छुट्टी कर दी गई और बाहर खड़े छात्राओं के अभिभावक अपनी बच्चियों को सुरक्षित घर ले गये इसके बाद पत्रकारों के सवालों का जबाव देते हुए प्रधानाचार्या रजनी पुरवार ने बताया कि दो में से एक छात्रा ही विद्यालय के अन्दर आई थी जो प्रार्थना के पहले ही विद्यालय के पीछे से बाउंड्री बाल लांघ कर भागी है दूसरी छात्रा विद्यालय के अंदर आई ही नहीं। चूंकि कालेज हाइवे पर स्थिति है हाईवे निर्माण में विद्यालय का काफी हिस्सा सड़क मे आ गया जिसके बाद विद्यालय की बाऊंड्री बाल खोद डाली गई उसके बाद बाउंड्री बाल नहीं बनी। इसके अलावा विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे भी बन्द पड़े है उक्त संबंध में प्रधानाचार्या ने बताया कि मेरे चार्ज लेने से पहले से ही सारे कैमरे खराब पड़े है। विद्यालय के पीछे बाऊंड्रीबाल नहीं है जिसके लिए प्रबन्धन समिति और बेसिक शिक्षा अधिकारी तक को सूचित किया जा चुका है लेकिन अभी तक किसी ने कोई संज्ञान नहीं लिया।

आर्य आर्यकन्या पाठशाला इण्टर कालेज नगर में छात्राओं की शिक्षा का प्रमुख केन्द्र है सरकार भी कह रही है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर सरकार के नुमाइंदो के आगे ये नारा माने नहीं रखता आज इस कन्या विद्यालय का बजो हाल है वो अभी का नहीं है जबसे हाईवे का बुलडोजर चला है तभी से उक्त विद्यालय चौपट हो गया है छात्राओं की कोई सुरक्षा नहीं है विद्यालय के गेट से लेकर पूरी बाउंड्री में फल चाट फास्टफूड के ठेले लगते हैं जहां पर शोहदों का जमावड़ा रहता है।

एसडीएम को कान्हा गौशाला निरीक्षण में 381 गौवंश मिले

जालौन (उरई)। शीतलहर के चलते सामान्य जन जीवन प्रभावित हो रहा है। शीतलहर के बचाव को लेकर एसडीएम ने नगर में संचालित कान्हा गोशाला, रैन बसेरा व अलाव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोशाला में 381 गोवंशों मिले तथा ठंड से बचाव के लिए व्यवस्थाएं दुरुस्त दिखी तथा रैन बसेरा में दो लोग मिले। अलाव के साथ अन्य व्यवस्थाएं दुरूस्त मिली।

उप जिलाधिकारी विनय मोर्य ने औरैया मार्ग पर प्रतापपुरा के पास संचालित कान्हा गोशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोशाला में 381गोवंश मिले जिसमें 1 बीमार था। कान्हा गोशाला के गोवंशों को ठंड से बचाव के लिए प्रत्येक टीन शैड में अलाव जलता हुए मिले तथा बिजली के रुम हीटर चलते मिले। इसके साथ ही खाने के भूसा, हरा चारा व गुड़ खिलाये जाने की जानकारी दी गयी।बीमार गोवंशों को देखकर उपजिलाधिकारी ने नियमित देखभाल करने तथा पशु चिकित्सक को सूचना देकर उपचार कराये।

निरीक्षण के बाद उपजिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शासन के निर्देशों का शतप्रतिशत पालन किया जाए तथा बीमार गोवंशों उचित देखभाल की जाये तथा खाने, पीने के साथ ठंड से बचाव किया जाय। ई ओ सुशील कुमार दोहरे ने बताया कि बीमार गोवंश का नियमित उपचार चल रहा है। गोशाला के गोवंशों के लिए लगभग 300 कुतंल भूसा उपलब्ध मिला। कम्पोजिट प्लांट चालू है। इसके साथ ही गोबर गैस प्लांट भी संचालित है। गोशाला का निरीक्षण करने बाद उपजिलाधिकारी सवा 9 बजे वह नगर पालिका परिषद कार्यालय परिसर में चल रहे अस्थायी रैन बसेरा का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान वहां 2 लोग मौजूद मिले तथा उनके ठहरने के लिए आराम दायक विस्तर के साथ आर ओ पानी, सफाई, रोशनी समेत आवश्यक व्यवस्थाएं ठीक मिली। भ्रमण के दौरान एसडीएम ने नगर में जलाये जा रहे अलाव देखे।

शिक्षक संकल्पबद्ध होकर बच्चों में शिक्षा की अलख जगायेंः सीडीओ

संवाददाता। कुठौंद, जालौन

मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास द्वारा विकासखंड कुठौद की ग्राम पंचायत सुरावाली में नवनिर्मित उच्च प्राथमिक विद्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत सलेमपुर कालपी में कराई जा रहे विकास कार्य एवं अस्थाई गौशाला का औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को बारीकी से परखा।

उच्च प्राथमिक विद्यालय सुरावली का उद्घाटन करने के पश्चात मुख्य विकास अधिकारी ने कहा शिक्षा का मंदिर और भविष्य की बुनियाद प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय ही होते हैं जहां पर बच्चों में संस्कार गढ़े जाते हैं इसी शिक्षा की नींव पर वह अपने भविष्य की दीवार बनाते हैं समस्त अध्यापक यह संकल्प लें कि विद्यालय में अध्यनरत छात्रों में नैतिक, सामाजिक, देश भक्ति की शिक्षा की भी अलख जगायें जिससे इन बच्चों का

भविष्य बन जाए। जब यही छात्र अपने भविष्य में उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगे तो निश्चित ही आप सब गुरुजनों का गुणगान करेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने विकासखंड कार्यालय का भी औचक निरीक्षक किया जहां उन्होंने बिंदुवार समस्त पटलों के अभिलेख देखें जहां भी छोटी-मोटी कमियां देखने को मिली उन्हें शीघ्र दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा विकास खंड कार्यालय से ही सीधा गांव के गरीब का संबंध होता है इसलिए शासन द्वारा चलाई जा रही समस्त योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचे यह शासन की मंशा है।

मुख्य विकास अधिकारी ने विकासखंड कुठौद की समीपवर्ती ग्राम पंचायत सलेमपुर कालपी का औचक निरीक्षण किया जहां पर उन्होंने सर्वप्रथम अस्थाई गौशाला में पहुंचकर गौवंशों को खिलाये जाने वाले चारा चोकर, खली की व्यवस्था को देखा तथा केयरटेकरों से सीधे सवाल जवाब किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया मानक और गुणवत्ता तथा पौष्टिकता परक भूसा चोकर चारा गुण आदि नियमित दिया जा रहा है। शरद ऋतु में गोवंश स्वस्थ रहें इसके लिए ग्राम पंचायत द्वारा मेथी अजवाइन तथा गुड़ की अतिरिक्त रूप से व्यवस्था को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 19 दिसम्बर, 2024

लूट के आरोपी बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में कर लिया गिरफ्तार

आठ घण्टे के भीतर रूरा में शराब सेल्समैन के साथ हुयी घटना में पुलिस ने की कारगार कार्रवाई

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के गुटैहा व गहलौं गॉव के बीच वुधवार की सुबह शराब ठेके की नकदी संग्रहण को लेकर जा रहे सेल्समैन के साथ स्विफ्ट डिजायर गाडी में सवार बदमाशों द्वारा पिस्तौल लगाकर लूटे गये 1 लाख 80 हजार रूपये लूट के मामले में एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति के कुशल निर्देशन व सीओ प्रिया सिंह के नेतृत्व में जनपद के पुलिस बल ने शातिर दो बदमाशों को मुठभेड में गिरफ्तार करने में सफ्लता पायी। तीसरे बदमाश से समाचार लिखे जाने तक पुलिस की मुठभेड जारी है।

वुधवार की सुबह शराब ठेके का सेल्समैन सौरभ अपने भाई के साथ बाइक से मॅगलवार की शराब बिक्री के एक लाख अस्सी हजार रूपये लेकर बैंक में जमा करने ज रहा था, जैसे ही वह गुटैहा व गहलौं गॉव के बीच पहुचॉ स्विफ्ट डिजायर गाडी ने उनको ओवरटेक कर गाडी को आडे तिरछा लगा दिया। सौरभ ने बताया कि कार से उतरे अज्ञात आधा दर्जन बदमाशों ने तमॅचें के बल पर रूपये लूट लिये। दिनदहाडे सुबह हुयी लूट की घटना से हडकम्प मच गया। पीडित सेल्समैन की सूचना डायल 112 पुलिस मौके पर पहुॅची और मामले की सूचना रूरा पुलिस सहित उच्चाधिकारियों को दी गयी। एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति, एएसपी राजेश पाण्डेय, सीओ प्रिया सिंह सहित रूरा पुलिस बल व अन्य थानों के पुलिस ने मौके पर पहुॅच कर जॉच पडताल की, सुराग मिलने पर पुलिस ने मुस्तैदी से काम करते हुये जनपद की सीमा सील कर दी। जिससे लुटेरे बदमाश रसूलाबाद थाना क्षेत्र के तिश्ती कस्बे के पास अपनी कार छोडकर भाग गये। पुलिस ने सीओ प्रिया सिंह के नेतृत्व में नाकेबन्दी कर काम्बिंग अभियान शुरू कर दिया। पुलिस की यह रणनीति काम आयी थोडी ही देर में रसूलाबाद थाना क्षेत्र के तिश्ती कस्बे के जॅगलों में पुलिस बल को देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दीं। जबाबी फायरिंग में घाटमपुर जबाबी फायरिंग में घाटमपुर कोतवाली कानपुर कमिश्नरेट के दीपक व जनपद के गजनेर थाना क्षेत्र निवासी नफीस घायल हो गये, जिन्हें रूरा थाने में नियुक्त एसएसआई लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने गिरफ्तार कर लिया। समाचार लिखे जाने तक तीसरे अज्ञात बदमाश से पुलिस की मुठभेड जारी थी। एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति ने बताया कि शेष आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

किसान ने जंगल में फांसी लगा दी जान

फ्तेहपुर। हथगांव थाना क्षेत्र के बिंदादीन का पुरवा मजरे अकरी गांव में लगभग 58 वर्षीय किसान ने घर के बाहर जंगल में पेड़ पर फँसी लगाकर संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर लिया। पुलिस मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई है।

थाना क्षेत्र के बिंदादीन का पुरवा मजरे अकरी गांव निवासी अधेड़ किसान गंगा निषाद 58 वर्षीय पुत्र स्व0 मैकू लाल बीती दोपहर घर से बगैर बताए कहीं चला गया था। जो देर रात तक वापस घर नहीं लौटा। स्वजनों ने जब ग्रामीणों के साथ उसकी तलाश शुरू की तो गांव के बाहर जंगल मे स्थित एक पेड़ के ऊपर फंसी के फंदे से उसको लटकता हुआ देखकर स्तब्ध रह गए। जिन्होंने किसान को आनन फानन फांसी के फंदे से नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। स्वजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है। स्वजनों ने किसान की हत्या कर शव को फांसी के फंदे से लटकाए जाने की आशंका जाहिर की है। पुलिस ने घटना को आत्महत्या करार दिया है जिसके सही तथ्यों की जानकारी पोस्टमार्टम व जांच रिपोर्ट के बाद ही पता चलने की बात कही है।

पीसीएस भर्ती परीक्षा 2024 के तैयारियों को लेकर हुआ मंथन

चार केंद्रों पर 1728 परीक्षार्थी होंगे सम्मिलित

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस भर्ती परीक्षा 2024 के तैयारियों के संबंध में द्वितीय समीक्षा बैठक जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी केंद्र व्यवस्थापकों से परीक्षा के दृष्टिगत की गई तैयारियों का जायजा लेकर परीक्षा से संबंधित विभिन्न भ्रांतिध्समस्याओं का भी समाधान किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सेक्टर मजिस्ट्रेटएस्टैटिक मजिस्ट्रेटएकेंद्र व्यवस्थापकए सह केंद्र व्यवस्थापक व परीक्षा से संबंधित अन्य सभी संबंधित को परीक्षा से पूर्व बैठक कर आपस में समन्वय बनाने व परीक्षा के दिन होने वाली गतिविधियों की मॉकड्रिल करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके भी निर्देश दिएएउन्होंने कहा सभी केंद्रों पर परीक्षार्थियों के मोबाइलएबैग जमा करने के प्रबंध किए जाएं। आयोग द्वारा दी गई समय सारणी के अनुसार प्रश्न पत्रों का वितरण व उन्हें जमा कराने का कार्य कराया जाए।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों व केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा मे बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी तथा सभी केंद्र व्यवस्थापको व अधिकारियों को आयोग द्वारा प्रेषित निर्देशिका पुस्तिका का अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा सकुशल शांतिपूर्ण संपन्न कराई जाए।उन्होंनें निर्देशित करते हुये कहा कि जनपद में परीक्षा नकल विहीन तथा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु परीक्षा में लगे सभी अधिकारी अपने.अपने दायित्वों का निर्वाहन निष्ठापूर्वक करेगें। उन्होनें यह भी निर्देश दिये कि कोषागार से प्रश्नपत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुचाने की जिम्मेदारी सेक्टर मजिस्ट्रेट की होगीए जिसके साथ पुलिस बल होना अनिवार्य होगा। कोई भी सेक्टर मजिस्ट्रेट पुलिस गार्ड के बिना प्रश्नपत्रों को कोषागार से नही लेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि केन्द्रों पर प्रश्न पत्र खोले जाने के समय स्टेटिक मजिस्ट्रेटए केंद्र व्यवस्थापक व सह केंद्र व्यवस्थापक आदि संबंधित अधिकारियों के सम्मुख वीडियोग्राफी कराते हुए ही खोले जाये। सभी केन्द्र व्यवस्थापक अपने.अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरा की रिकॉर्डिंग व्यवस्था संचालन की जांच कर लें। उन्होनें परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रध्छात्राओं की जांच कराने के भी निर्देश देते हुये कहा कि छात्राओं की जांच हेतु महिला पुलिस बल अवश्य लगाया जाये। कोई भी पुरूष छात्राओं की तलाशी नहीं करेगा। जिलाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि शासनादेश के अनुरूप अभ्यर्थियों को परीक्षा हालध्कक्ष के भीतर प्रवेश पत्र तथा बाल प्वाइंट पेन के अलावा किसी भी प्रकार की पाठ्य सामग्रीए कैलकुलेटरएलाग टेबिलए इलेक्ट्रानिक घड़ियाए मुद्रित अथवा लिखित सामग्रीए कागज के टुकडेए मोबाइल फोनए पेजर अथवा किसी अन्य प्रकार का उपकरण लाने की अनुमति किसी भी दशा में नहीं होगी। उन्होनें यह भी बताया कि परीक्षा की गोपनीयता तथा संवेदनशीलता को बनाये रखने हेतु परीक्षा केन्द्र के आस.पास किसी भी प्रकार की भीड़ एकत्र नही होनी चाहिए तथा परीक्षा केंद्र पर वाहनों को व्यवस्थित रूप से लगाया जाए। जनपद में 22 दिसंबर को दो पालियों ; प्रथम पाली प्रात: 9रू30 बजे से 11रू30बजे तकए द्वितीय पाली अपरान्ह 2रू30 बजे से 4रू30 बजे तकद्ध 04 परीक्षा केन्द्रों पर क्रमश: होगी।

पंचायती राज विभाग ने प्रधान हेमलता का किया चयन

फ्तेहपुर। प्रदेश के चालीस जनपदों से जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, ग्राम प्रधान की संयुक्त श्रेणी में से जिलों से मात्र एक जनप्रतिनिधि सुजानपुर ग्राम प्रधान हेमलता पटेल का नाम चयनित हुआ। लखनऊ में 19 व 20 दिसंबर को होने वाले सेमिनार में प्रधान अध्यक्ष हेमलता पटेल पंचायती स्तर कार्यक्षेत्रों की चुनौतियों, उपलब्धियों एवं बेहतर क्रियान्वयन सहित विशेषत: महिला जन प्रतिनिधियों के अधिकार सहित विभिन्न बिंदुओं पर पंचायती राज निदेशक व शीर्ष अधिकारियों के समक्ष विचार रखेंगी।

पीएमएफएमई योजना की समीक्षा, दिए निर्देश

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 की अध्यक्षता में बैंकर्स डी0आर0पी0 की उपस्थिति में पी0एम0एफ0एम0ई0 योजना कि समीक्षा की गयी। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0बल्देव प्रसाद द्वारा बताया गया कि जनपद हेतु

प्रधानमन्त्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024.25 में 299 का लक्ष्य प्राप्त हुये है जिनमे से अब तक 40 प्रस्ताव बैंको द्वारा स्वीकृत किये जा चुके है तथा वर्तमान में 70 प्रस्ताव विभिन्न बैंक शाखाओं में स्वीकृत हेतु लम्बित है। मुख्य विकास अधिकारी ने लंबित प्रस्ताव के सम्बन्ध में जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया कि डी0आर0पी0 वार संकलित सभी प्रस्ताव सम्बंधित बैंक शाखाओं में भेज कर उन्हें स्वीकृत कराये जाने की कार्यवाही शीघ्र ही पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डी0आर0पी0 को लक्ष्य आंवटित कर अधिकाधिक प्रस्ताव स्वीकृत करने का प्रयास किया जाये वहीँ प्रस्तावों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कम होने व बैंको द्वारा प्रस्ताव निरस्त करने के साथ.साथ कई महीनों से पेन्डिंग पत्रावली पर कोई कार्यवाही न किये जाने के सम्बन्ध में उन्होंने बैंकर्स को निर्देश दिए कि शाखाओं में प्राप्त आवेदनों का भली भांति परिक्षण किया जाए कोई भी आवेदन बिना किसी कारण लम्बे समय तक रोका न जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जो लोग भी इस योजना से लाभ लेना चाहते हैं उन्हें आसानी से सभी कागजी कार्यवाही पूरी करके योजना से लाभान्वित किया जाए।

किसान मजदूर मोर्चा ने मांगों को लेकर दिया धरना

फ्तेहपुर। किसानों व मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान मजदूर मोर्चा अराजनैतिक संगठन के पदाधिकारियों ने नहर कालोनी प्रांगण में एक दिवसीय धरना दिया तत्पश्चात जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर किसान व मजदूरों को उनका हक दिलाए जाने की मांग की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमर सिंह पटेल ने कहा कि देश व प्रदेश का किसान व मजदूर विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है। किसानों व मजदूरों को उनका हक नहीं दिया जा रहा है। जिसके चलते संगठन ने धरना दिया है। उन्होने कहा कि यदि किसानों व मजदूरों को उनका हक समय से नहीं दिलाया गया तो यह लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। धरना प्रांगण पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी व उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मांग किया कि किसान मजदूर आयोग का गठन किया जाए, महिलाओं को किसान सम्मान निधि की तरह सम्मान निधि धनराशि दी जाए, किसानों की आय दोगुना की जाए, कीटनाशक दवाओं के दाम आधे किए जाएं, खाद के दाम भी घटाए जाएं, किसानों व मजदूरों के बेटे व बेटियों का सरकारी नौकरी में आरक्षण कोटा निर्धारित किया जाए, वृद्धा, विधवा एवं विकलांग पेंशन की धनराशि बढ़ाकर पांच हजार रूपये प्रतिमाह की जाए, थानों में की जा रही धन उगाही पर रोक लगाई जाए।

रसूलाबाद विस क्षेत्र प्रभारी का स्वागत

रसूलाबाद कानपुर देहात। आज धर्म जाति के नाम पर बंटवारा न होता तो लोग अपने षड्यंत्र में कामयाब न होते। हम लोकसभाएविधानसभा सहित कई चुनाव हारे। कहीं न कहीं हमसे कमी रही। हम अति उत्साह में हारे। पिछली सपा सरकार में लोगों का सर ऊंचा रहता था। सपा सरकार में चौतरफा सड़कों के जाल बिछे। अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करें और जन.जन तक पार्टी की नीतियों को पहुँचाएँ। यह बात पूर्व मंत्री व रसूलाबाद विधानसभा प्रभारी शिवकुमार बेरिया ने कही। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा कन्नौज लोकसभा का रसूलाबाद विधानसभा का सांसद प्रतिनिधि व रसूलाबाद विधानसभा का प्रभारी पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया को बनाया गया। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने गहरा से लेकर रसूलाबाद कस्बे तक उनका जोरदार ढंग से स्वागत किया। कस्बे में मुख्य चौराहा पर सपा जिला कोषाध्यक्ष गोपाल गुप्ता की मार्केट में स्थित सपा कार्यालय में सपा नेताओंएपदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। वहीं इसके बाद लोकप्रिय सपा नेता अतहर खान भुट्टो के आवास पर पूर्व कैबिनेट मंत्री का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जहां एक सभा को भी पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने उमड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े संकट का दौर है। पहले समाजवादी नारों से इंकलाब पैदा होता था। आज उसी इंकलाब की हमें जरूरत है। आज मेरे स्वागत समारोह में ऐसे भी लोग शामिल हुए जो पहले सपा में थे और भाजपा में चले गए थे। वह भी सपा की लहर में शामिल हो गए हैं। आज देश में 90: आबादी गरीब है व 10: आबादी के पास देश का सारा पैसा है। गरीब व्यक्ति गरीब होता जा रहा है व सरकार अडानी को सारे धंधे दे रही है।अब एकजुट होकर पीडीए के साथ खड़े होने का समय आ गया है। 2027 में एक बार फिर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार आएगी।इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया ने कहा कि सप्ताह में एक बार रसूलाबाद आकर लोगों की जन समस्याएं सुनेंगे। अधिकारियों से सीधे बात करेंगे। किसी भी प्रकार से जनता का शोषण और दोहन नहीं होने देंगे।

प्रेमी युगल हत्याकांडः प्रेमिका को बेवफाई में उतारा था मौत के घाट

फ्तेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के रामनगर कौहन गांव में प्रेमी-प्रेमिका के मिले हत्यायुक्त शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा दी है। प्रेमिका की बेवफाई में स्वयं प्रेमी ने ही उसे मौत के घाट उतार दिया था और स्वयं भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने सबूत मिटाने व आलाकत्ल चाकू व तमंचा छिपाने वाले मृतक प्रेमी के चाचा को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि 14 दिसंबर को भुन्नू सिंह पुत्र स्व0 सागर सिंह निवासी ग्राम रामनगर कौहन ने तहरीर दिया कि उनके पुत्र आशु सिंह 22 वर्ष की अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। इसी दिन योगेन्द्र सिंह उर्फ पिन्टू सिंह पुत्र स्व0 सीताराम निवासी ग्राम जरौली थाना असोथर ने सूचना दिया कि उसकी पुत्री गौरी 16 वर्ष की अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर मुकदमा पंजीकृत किया। एसपी ने बताया कि इस दोहरे हत्याकाण्ड के खुलासे के लिए उन्होने थाना असोथर पुलिस, इंटेलीजेंस विंग व एसओजी की संयुक्त टीम को लगाया।

पुलिस टीम की गहन छानबीन में दोनों हत्याकाण्ड से पर्दा उठ गया और प्रेम संबंधों की खौफ्नाक कहानी सामने आई। कई सालों से प्रेम में बंधे एक जोड़े की कहानी बेवफाई के चलते खून और आत्महत्या में बदल गई। गांव के युवक आशू और युवती गौरी के बीच पिछले कई वर्षों से प्रेम संबंध था, लेकिन हाल ही में आशू को पता चला कि गौरी का किसी अन्य युवक से भी रिश्ता है। इस बात ने उनके रिश्ते में दरार डाल दी। गुस्से और नाराजगी के चलते आशू ने गौरी को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। गौरी की हत्या के बाद आशू ने खुद भी आत्महत्या कर ली। इससे पहले उसने अपने घरवालों को इस घटना की जानकारी दी थी। घटना की जांच करते हुए पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए असलहे और मोबाइल फोन को बरामद किया है। वहीं सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप में आशू के चाचा झुल्लू सिंह पुत्र स्व0 इन्द्रपाल सिंह चौहान निवासी रामनगर कौहन थाना असोथर को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने यह भी बताया कि घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों पर भी नजर रखी जा रही है। मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। खुलासा करने वाली टीम में एसओजी प्रभारी विनोद कुमार यादव, हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र कुश्वाहा, कांस्टेबल विपिन मिश्रा, अतुल त्रिपाठी, अभिमन्यु सिंह पटेल, बृजेश कुमार, राहुल कुमार, इंटेलिजेंस विंग इंचार्ज अरुण कुमार चतुर्वेदी, कांस्टेबल राजकुमार, प्रमोद, विवेक, हरीश, विकास के अलावा असोथर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्य, वरिष्ठ उपनिरीक्षक देवीदयाल वर्मा, उपनिरीक्षक विनोद कुमार, राजेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल सुखवीर सिंह, आनंद कुमार राय, महिला आरक्षी प्रीती यादव व कांस्टेबल विकेश शामिल रहे।

धूमधाम से मनाया गया पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय दुलही में वार्षिकोत्सव

ढखेरवा खीरी।पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय दुलही विकास क्षेत्र रमियाबेहड़ में शासन प्रशासन के निर्देशानुसार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी जी के संरक्षण और खण्ड शिक्षाधिकारी धर्मेश यादव की देखरेख में वार्षिकोत्सव मनाया गया ।दो दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रथम दिवस में खेलकूद से संबंधित प्रतियोगिताएं संपन्न कराई गई। इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया ।मुख्य रूप से प्राथमिक स्तर पर एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं जिसमें 50 मीटरए 100 मीटर ए200 मीटर की दौड़ खो .खो एकबड्डी एलंबी कूद ए बोरी दौड़ए कुर्सी दौड़ आदि जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । इन प्रतियोगिताओं में विशेष रूप से पल्लवी और अमन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसी प्रकार से उच्च प्राथमिक स्तर पर भी 100ए मीटरए 200 मी ए400 मीटर की दौड़ए डिस्कस थ्रो एगोला फेकए खो खो और कबड्डी जैसी प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। बच्चों ने बढ़कर प्रतिभाग किया।इन प्रतियोगिताओं में प्रमुख रूप से नैंसीए अनामिका नैना एजूली ए रहनुमा एआदित्य कुमार ए अंकित ए राधाएशोभितए जुनैद ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। द्वितीय दिवस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में खंड विकास अधिकारी डॉक्टर सुशांत सिंह उपस्थित रहे । विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलासमन्वयक निर्माण आलोक रंजन मौर्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बहुत से अभिभावक ए ग्राम प्रधान सोबरन लालए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार मौर्यए प्रधान प्रतिनिधि रईस अहमद संभ्रांत व्यक्तियों में अशफाक खानए हरिद्वारी लालए प्रेमी ए चुन्ना लोधीए अनिलए जयप्रकाशएमहेश ए केशव राम आदि उपस्थित रहे ।

डीएम ने रैन बसेरों का किया औचक निरीक्षण

लखीमपुर खीरी।। माण् मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व शासन के निर्देश पर अत्यधिक ठण्ड एवं शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत निराश्रित एवं असहाय तथा कमज़ोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुँचाये जाने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार को देर रात्रि नगर क्षेत्र अन्तर्गत रोडवेज़ बस स्टैण्डए रेलवे स्टेशन के सामने ओवर ब्रिज के नीचे स्थापित किए गए रैन बसेरों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। मौजूद अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये। डीएम ने स्वयं न केवल रैन बसेरों की व्यवस्थाओं को परखा बल्कि श्रमिकोंए जरूरतमंदों को संवेदना की गरमाहट भी दी। रैन बसेरे में ठहरे लोगों ने बातचीत में बताया कि अधिक ठंड लग रही है तो डीएम ने अपने हाथों से कंबल ओढ़ाया। डीएम ने एक.एक कर सभी से बातकर सुविधाओं के बारे में पूछा। रैन बसेरे में सभी ने व्यवस्था को अच्छा बताया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने रात्रि नगर क्षेत्र का भ्रमण कर नगर क्षेत्र में जलाये गये अलावों को देखा तथा इस दौरान रोडवेज़ए रेलवे स्टेशन तथा संकटा देवी चौराहे पर गरीब मुसाफिरोंए रिक्शा चालकोंए जरूरतमंदो को कम्बल ओढ़ाया।

पीसीएस परीक्षा की तैयारियों के लिए डीएम ने की बैठक

लखीमपुर खीरी। लोक सेवा आयोग की तरफ से आयोजित पीसीएस प्री की लिखित परीक्षा 22 दिसंबर को जिले के 19 केंद्रों पर दो पाली में होगी। इसमें कुल सात हजार पांच सो छियानवे अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रथम पाली सुबह 9रू30 से 11रू30 बजे तक होगी। प्रवेश सुबह आठ बजे होगा तथा द्वितीय पाली दोपहर 2रू30 बजे से 4रू30 बजे तक होगी। प्रवेश एक बजे से होगा। परीक्षा समय से 45 मिनट पूर्व गेट बंद हो जाएगा। पीसीएस एग्जाम की तैयारी को लेकर बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में सेक्टरए स्टैटिकए जोनल मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोक सेवा आयोग के निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। आयोग द्वारा प्रतिबंधित सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र के अंदर लेकर न जाने पाए। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने.अपने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

डीएम ने स्टैटिक एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटए केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि परीक्षा के जो नियम और शर्तें हैंए उनके अनुरूप ही परीक्षा कराई जाए। किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी अक्षम्य होगी। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी संज्ञान में आई तो व्यक्तिगत रूप से जवाबदेही जिम्मेदार अधिकारियों की होगी। सभी स्टेटिक एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटए केंद्र व्यवस्थापक व केन्द्र सहायक पहले ही यह देख लें कि किसी भी केंद्र पर कोई कमी न रह जाए।डीएम ने बताया कि गाइडलाइन के अनुसार ही परीक्षा को संपादित करना है। इसलिए गाइडलाइन को अच्छे से पढ़ ले। ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि ना हो। परीक्षा के दौरान कक्षा में अभ्यार्थियों को सीटिंग प्लान के अनुसार ही बैठाएं। उन्होंने बताया कि सभी के परीक्षा के दौरान आईडी होना बेहद जरूरी है। निर्देश दिए कि परीक्षा को लेकर किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए।बैठक की शुरुआत में एडीएम संजय कुमार सिंह ने परीक्षा प्रारंभ होने से लेकर और समाप्ति तक के सभी बिंदुओं के बारे में बैठक में शामिल सभी को अवगत कराया। आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। सभी अधिकारियों को परीक्षा निष्पक्षए पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के निर्देश दिए।

दो दिवसीय जनपद स्तरीय कला महोत्सव

पुखरायां कानपुर देहात। क्षेत्रीय और ग्रामीण संस्कृति कलाकृतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला शिक्षा शिक्षण संस्थान पुखरायां में दो दिवसीय जनपद स्तरीय कला उत्सव का शुभारंभ हुआ । इस उत्सव में शिक्षकों ने कला क्राफ्ट पपेट कैनवस सहित अनेक प्रकार की मूर्तियांएशैक्षिकए सामाजिकएसांस्कृतिक तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्वनिर्मित कलाकृतियां सजाई डेरापुर ब्लॉक के कला क्राफ्ट पपेट्री के मास्टर ट्रेनर नवीन कुमार दीक्षित ने फिंगर पपेटए धागा पपेटए पेपर पपेटए ग्लब्स पपेटए क्राफ्ट कला आदि का आकर्षक स्टाल लगाया इस अवसर पर डायट प्रवक्ता संतोष कुमारए विपिन शान्तए विनीता प्रकाश अंशु सिंह अरुण कुमारए जगदम्बा प्रसाद तिवारीए इमरान खान आदि ने शिक्षकों का उत्साह वर्धन किया शिक्षकों में सपना गुप्ताएआभा अवस्थीए कंचन कामिनीए शबाना परवीन आदि अपने अपने स्टाल लगाए हुए थे।

अलीगढ़ में पुराने मंदिर से शिवलिंग मिला, हिंदू संगठनों ने जीर्णोद्धार की मांग की

अलीगढ़ (भाषा)। अलीगढ़ जिले के बनादेवी क्षेत्र के मुस्लिम बहुल इलाके सराय रहमान में सड़क किनारे एक पुराने मंदिर के मलबे से बुधवार को एक शिवलिंग बरामद किया गया, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। मलबे से शिवलिंग मिलने के बाद बजरंग दल और करणी सेना सहित स्थानीय हिंदू संगठनों ने मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग की। खबर सुनकर मौके पर पहुंचे बजरंग दल के सदस्य मयंक कुमार ने कहा कि मंदिर करीब पांच दशकों से परित्यक्त था और इसका इस्तेमाल डंपिंग ग्राउंड के रूप में किया जा रहा था। कुमार ने कहा, सफाई अभियान के दौरान मंदिर के पास टूटे ईंटों के मलबे में एक शिवलिंग दबा हुआ मिला। शिवलिंग की बरामदगी के मद्देनजर स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं का एक बड़ा समूह वहां जमा हो गया, जिसके बाद इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची। करणी सेना के पदाधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, एक प्रतिनिधिमंडल ने अपर जिला मजिस्ट्रेट (शहर) और पुलिस अधीक्षक (शहर) से मिलकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि मंदिर परिसर का कथित तौर पर अवैध उपयोग किया गया। इसमें दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्वाई करने और मंदिर का जीर्णोद्धार करने की मांग की गई। सिंह ने संवाददाताओं से कहा, यह विरासत और आस्था का मामला है। जिन लोगों ने इस मंदिर का दुरुपयोग होने दिया, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इस मामले पर पुलिस अधीक्षक (शहर) मृगांक शेखर पाठक ने कहा कि जांच जारी है। पाठक ने कहा, घटना की गहन जांच की जा रही है और अगर यह पाया गया कि अनधिकृत व्यक्ति परिसर का दुरुपयोग कर रहे थे, तो उनके खिलाफ कार्वाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि स्थिति को और खराब न होने देने के लिए स्थानीय अधिकारियों ने एहतियाती उपाय लागू किए हैं और जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्वाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश में हाल ही में मंदिर-मस्जिद विवाद से संबंधित कई मुकदमे विभिन्न अदालतों में दायर किए गए हैं, जिनमें वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद, संभल की शाही जामा मस्जिद आदि मामले शामिल हैं।

उच्च न्यायालयों के कुछ न्यायाधीशों को मिल रही पेंशन को सर्वोच्च न्यायालय ने बताया दयनीय

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को 10 से 15 हजार रुपए तक की मामूली पेंशन दिए जाने पर बुधवार को अफसोस जताते हुए इसे "दयनीय" स्थिति बताया। न्यायालय ने प्राधिकारियों से कहा कि वे कानूनी दृष्टिकोण अपनाने के बजाय मानवीय दृष्टिकोण अपनाएं। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को देय अलग-अलग पेंशन के मुद्दे से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

इसका एक प्रमुख कारण यह है कि जिला न्यायालय से पदोन्नति पाकर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने वाले नई पेंशन योजना के अंतर्गत आते हैं जबकि, जो लोग बार से उच्च न्यायालय में पदोन्नत हुए हैं, वे पुरानी पेंशन योजना के लाभार्थी है, जिसके कारण उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों को देय पेंशन में असंतुलन पैदा हो गया। न्यायालय ने बुधवार को कहा, आप हर मामले में कानूनी दृष्टिकोण नहीं अपना सकते। कभी-कभी आपको मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत होती है। उच्च न्यायालय के कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को 10,000 से 15,000 रुपए के बीच पेंशन मिलने की बात पर गौर करते हुए पीठ ने कहा,यह दयनीय है। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया और अनुरोध किया कि इस पर जनवरी में सुनवाई की जाए। वेंकटरमणी ने कहा कि सरकार इस मुद्दे को सुलझाने का प्रयास करेगी। पीठ ने कहा,आप उन्हें (सरकार को) समझाएं कि (इस मामले में) हमारे हस्तक्षेप से बचा जाए तो बेहतर है।

पीठ ने कहा कि मामले का फैसला व्यक्तिगत मामलों के आधार पर नहीं किया जाएगा और शीर्ष अदालत जो भी आदेश देगी, वह सभी उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर लागू होगा। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए आठ जनवरी की

तारीख तय की। मार्च में एक अलग याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने कहा था कि उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के पेंशन लाभ की गणना में इस आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता कि वे बार या जिला न्यायपालिका से पदोन्नत हुए हैं। शीर्ष अदालत ने कहा था कि जिला अदालत से पदोन्नत हुए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के पेंशन लाभों की गणना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उनके अंतिम वेतन के आधार पर की जानी चाहिए। नवंबर में इस मामले में एक याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस बात पर हैरानी जताई थी कि उच्च न्यायालय के कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को 6,000 से 15,000 रुपए के बीच मामूली पेंशन मिल रही है। पीठ उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। न्यायाधीश ने कहा था कि उन्हें 15,000 रुपए पेंशन मिल रही है।

याचिकाकर्ता, जिला अदालत में 13 साल तक न्यायिक अधिकारी के रूप में सेवा देने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए गए थे। उन्होंने दावा किया कि अधिकारियों ने पेंशन की गणना करते समय उनकी न्यायिक सेवा पर विचार करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने कहा था, हमारे सामने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं, जिन्हें 6,000 रुपए और 15,000 रुपए पेंशन मिल रही है, जो चौंकाने वाला है। ऐसा कैसे हो सकता है?

आतंकवाद के मामलों में छह आरोपियों को सीबीआई की अर्जी पर जवाब देने के लिए दो सप्ताह का समय

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने 1989 में रुबैया सईद अपहरण और 1990 के श्रीनगर गोलीबारी मामलों की सुनवाई जम्मू से नई दिल्ली स्थानांतरित करने के अनुरोध संबंधी सीबीआई की याचिका पर जवाब देने के लिए बुधवार को छह आरोपियों को दो सप्ताह का समय दिया। न्यायमूर्ति एस ओका और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने इस तथ्य का संज्ञान लिया कि छह आरोपियों ने सीबीआई की अर्जी पर अब तक जबाव नहीं दाखिल किया है। पीठ ने उनसे दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा। शीर्ष अदालत ने अगली सुनवाई के वास्ते 20 जनवरी, 2025 की तारीख नियत की।

केरल सरकार ने विवादित आईपीएस अधिकारी अजित कुमार को पदोन्नत कर डीजीपी रैंक दिया

तिरुनवंतपुरम(भाषा)। केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी एम. आर. अजित कुमार को पदोन्नति दे कर उन्हें एडीजीपी से डीजीपी स्तर का अधिकारी बनाने का फैसला किया। अजित कुमार हाल में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) नेताओं के साथ विवादित बैठकें करने की वजह से सुर्खियों में आए थे। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीबी माने जाने वाले अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) स्तर के अधिकारी कुमार को विवादों और आरोपों के बाद अक्टूबर में राज्य की कानून व्यवस्था संबंधी जिम्मेदारियों से हटाकर सशस्त्र पुलिस बटालियन में तैनात कर दिया गया था। मुख्यमंत्री विजयन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हालांकि उनकी पदोन्नति को मंजूरी देने का फैसला किया गया। कुमार 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी है और उन्हें शीर्ष पद पर पदोन्नत किया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने समीक्षा समिति द्वारा प्रस्तुत सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। बयान के मुताबिक अजित कुमार के अलावा 1995 बैच के एक अन्य अधिकारी एस सुरेश को भी डीजीपी के पद पर पदोन्नत किया जाएगा। अजित कुमार पिछले साल संघ के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकों तथा त्रिशूर पूरम में व्यवधान उत्पन्न करने में अपनी कथित भूमिका के कारण विपक्ष और सत्तारूढ़ गठबंधन में सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के निशाने पर आए थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मध्य केरल से लोकसभा सीट जीतने में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की मदद करने के लिए उत्सव में बाधा डाली। हाल ही में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से नाता तोड़ने वाले निर्दलीय विधायक पी वी अनवर ने भी अजित कुमार पर गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, कुमार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। इस बीच, विपक्षी कांग्रेस ने अजित कुमार की पदोन्नति को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत एलडीएफ सरकार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि मुख्यमंत्री विजयन ने आरएसएस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष के. सुधाकरन ने आरोप लगाया कि अजित कुमार के खिलाफ अवैध रूप से धन एकत्र करने, सोने की तस्करी करने वाले गिरोह से संबंध रखने और त्रिशूर पूरम उत्सव में व्यवधान डालने सहित कई आरोप भी उनकी पदोन्न्ति रोक नहीं सकी। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही अजित कुमार के खिलाफ सभी मामले बंद कर दिए जाएंगे।

एक साथ चुनाव संबंधी समिति में प्रियंका, कल्याण और श्रीकांत हो सकते हैं सदस्य

नई दिल्ली(भाषा)। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले विधेयक पर विचार करने के लिए गठित होने वाली संसद की संयुक्त समिति में कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा और मनीष तिवारी, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी तथा शिवसेना से श्रीकांत शिंदे बतौर सदस्य शामिल किए जा सकते हैं। दोनों सदनों में संख्याबल के हिसाब से इस समिति में भाजपा के सर्वाधिक सदस्य होंगे, हालांकि पार्टी अपने सदस्यों के नामों को लेकर अभी कुछ नहीं कहा है। ऐसी अटकले हैं कि पूर्व केंद्रीय मंत्रियों रविशंकर प्रसाद और अनुराग ठाकुर के नामों पर विचार किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि भाजपा की शिवसेना के लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे और जनता दल (यूनाइटेड) के राज्यसभा सदस्य संजय झा इस समिति के सदस्य हो सकते हैं। माना जा रहा है कि इस समिति लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि अधिकतर दलों ने सरकार को अपनी तरफ के सदस्यों के नामों से अवगत करा दिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समिति के सदस्यों और प्रमुख के नामों पर अंतिम निर्णय लेंगे।

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के लोकसभा सदस्य सुखदेव भगत और राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला संसद की संयुक्त समिति में शामिल किए जा सकते हैं। टीएमसी सांसद साकेत गोखले और द्रमुक के टीएम सेल्वागणपति के भी समिति में शामिल होने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि पीपी चौधरी को समिति का हिस्सा बनाने पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा की प्रमुख सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी से या तो लावु श्री कृष्ण देवरायलु या जीएम हरीश बालयोगी के इस समिति में होने की संभावना है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और उससे जुड़े संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 को निचले सदन में पुरःस्थापित करने के लिए रखा, जिनका विपक्षी दलों ने पुरजोर विरोध किया। सदन में मत विभाजन के बाद विधेयक को पुरःस्थापित कर दिया गया। विधेयक पेश किए जाने के पक्ष में 263 वोट, जबकि विरोध में 198 वोट पड़े। इसके बाद मेघवाल ने ध्वनिमत से मिली सदन की सहमति के उपरांत संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 को भी पेश किया।

बिजली कनेक्शन में अनियमितता को लेकर संभल के सांसद जियाउर रहमान जांच के घेरे में आए

संभल(भाषा)। समाजवादी पार्टी नेता एवं संभल के सांसद जियाउर रहमान बिजली कनेक्शन में कथित अनियमितता को लेकर उत्तर प्रदेश बिजली विभाग की जांच के घेरे में आ गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि सांसद के परिसर में दो बिजली कनेक्शन हैं। कुमार ने कहा, एक कनेक्शन दो किलोवाट का है जो सांसद जियाउर रहमान के नाम पर है। दूसरा कनेक्शन भी दो किलोवाट का है जो उनके दादा शफीक-उर-रहमान बर्क के नाम है। उन्होंने कहा, उनके दादा की मृत्यु के बाद दूसरे कनेक्शन के नाम में कोई संशोधन नहीं कराया गया। अब हम इस कनेक्शन को सील कर रहे हैं और प्रयोगशाला में मीटर की जांच कराने के लिए नोटिस जारी कर रहे हैं। जांच संबंधित पक्षों की उपस्थिति में की जाएगी और पारदर्शिता के लिए प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता ने सांसद के बिजली बल में विसंगतियों का भी दावा किया। कुमार ने संवाददाताओं से कहा, पिछले छह माह में सांसद के मीटर में लगातार शून्य यूनिट की खपत दिखाई गई है। एकमात्र अपवाद जून में था जब 13 यूनिट की खपत दर्ज की गई। जुलाई से नवंबर तक मीटर ने शून्य यूनिट की खपत दिखाई। जब सुरक्षा उपायों के बारे में पूछा गया तो कुमार ने कहा, निरीक्षण के दौरान सुरक्षाकर्मी मौजूद थे। हालांकि, स्थानीय लोग अक्सर ऐसी जांच का विरोध करते हैं। बिजली विभाग की यह जांच जियाउर रहमान और अन्य के खिलाफ जारी पुलिस जांच के बीच हुई है। पुलिस की जांच 24 नवंबर को संभल में हुई हिंसा के संबंध में है जब एक अदालत के आदेश पर शाही जामा मस्जिद में किए गए सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हो गई थी। हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। इसके बाद यह मुद्दा एक बड़े राजनीतिक विवाद में बदल गया।

प्रतिबंध के बावजूद अफगानिस्तान के रास्ते भारत आ रहा चीनी लहसुन, मप्र के किसान परेशान : पटवारी

भोपाल(भाषा)। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को कहा कि भारत में चीनी लहसुन पर स्वास्थ्य कारणों से 10 साल पहले प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन इसे अफगानिस्तान के रास्ते भारतीय बाजार में लाया जा रहा है। पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश के किसान चीनी लहसुन की इस आमद से परेशान हैं। उन्होंने भोपाल की चोइथराम मंडी में चीनी लहसुन की आमद के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों के साथ प्रदर्शन किया। पटवारी ने कहा,केंद्र ने 2014 में चीनी लहसुन पर इस आधार पर प्रतिबंध लगा दिया था कि यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है, लेकिन यही चीज अफगानिस्तान के रास्ते भारत आ रही है, क्योंकि इस पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश, खासकर पश्चिमी मध्यप्रदेश में किसान बड़े पैमाने पर लहसुन की खेती करते हैं। लेकिन चीन से लहसुन आने के कारण इसकी कीमत में 50 फीसदी की गिरावट आई है। इस कारण राज्य के किसान अपनी लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। पटवारी ने कहा कि हजारों किसान इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों के बड़े पैमाने पर हो रहे आंदोलन पर ध्यान नहीं दे रही है और उनकी मांगों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही है। उन्होंने कहा, एक तरफ सरकार किसानों को कोई समर्थन मूल्य नहीं दे रही है, वहीं दूसरी तरफ चीन से लहसुन की तस्करी नहीं रुक रही है। इस कारण किसानों में काफी निराशा है। पटवारी ने कहा कि तराना से विधायक महेश परमार ने भी भारतीय बाजार में चीनी लहसुन की अवैध आमद का मुद्दा उठाया था।

वाराणसी में चार दशक से बंद पड़े मंदिर को खुलवाने की मांग

वाराणसी(भाषा)। वाराणसी में चार दशकों से बंद पड़े एक मंदिर को लोगों द्वारा फिर से खुलवाने की मांग करने के बाद, जिला प्रशासन ने मंदिर के स्वामित्व के दस्तावेजों की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मामले की जांच के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की एक टीम मंगलवार को मंदिर पहुंची। अपर जिलाधिकारी (शहर) आलोक वर्मा ने कहा, हमें इस मंदिर के बारे में समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला। अगले तीन-चार दिनों में हम इसकी जांच करेंगे। हमारे कानूनी सलाहकारों की टीम मंदिर के स्वामित्व की जांच कर रही है। अगर इसे सार्वजनिक संपत्ति घोषित किया जाता है तो मंदिर सभी के लिए खोल दिया जाएगा। काशी विद्वत परिषद की टीम यह जानने के लिए शास्त्रों का अध्ययन कर रही है कि दशकों से बंद पड़े मंदिर की स्थापना किसने की और इसकी प्राचीनता भी पता कर रही है। काशी विद्वत परिषद के महासचिव प्रोफेसर रामनारायण द्विवेदी ने कहा, हमारी टीम काशी के मदनपुरा क्षेत्र में बंद पड़े मंदिर की प्राचीनता और पौराणिक महत्व जानने के लिए पुराणों और प्राचीन ग्रंथों का अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा, हम इस पर भी मंथन कर रहे हैं कि अगर यह मंदिर बंद है तो इसे खोलने और फिर से पूजा शुरू करने का क्या तरीका है। हम कानूनी तरीकों से इस मंदिर के स्वामित्व का भी पता लगाएंगे। जैसे ही हमें मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी मिलेगी, हम प्रशासन से लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मंदिर को नियमित पूजा के लिए खोलने का अनुरोध करेंगे।

पुलिस उपायुक्त (काशी जोन) गौरव बंसवाल ने कहा कि इस मंदिर के बारे में सभी जानते हैं और यह कई सालों से बंद है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मंदिर करीब 40 वर्षों से बंद है। यह पता नहीं चल पाया है कि मंदिर के ताले की चाबी किसके पास है। अब कुछ संगठनों ने मंदिर का ताला खोलकर वहां पूजा शुरू करने की मांग की है। राजस्व और प्रशासन की टीमें वहां जांच कर रही हैं। बंसवाल ने कहा, पुराने रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी, उसे लागू किया जाएगा।" उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को मंदिर खोले जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से वहां पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं और लगातार गश्त की जा रही है। सोमवार को मदनपुरा इलाके में करीब चार दशक से बंद पड़े मंदिर को खोलने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। इस समूह का नेतृत्व सनातन रक्षा दल के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि मंदिर को खोलने का प्रयास किसी विवाद या संघर्ष के कारण नहीं है। शर्मा ने कहा, "मंदिर, जो अब मुख्य रूप से मुस्लिम समुदाय के लोगों के निवास वाले क्षेत्र में स्थित है, वर्षों से उपेक्षित रहा है। परिसर गंदगी और मलबे से भरा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि आसपास की जमीन, जो कभी हिंदुओं के स्वामित्व में थी, मुस्लिम परिवारों ने खरीद ली, जिसके कारण समय के साथ मंदिर खाली हो गया। शर्मा ने कहा, "मंदिर को फिर से खोलने को लेकर कोई विरोध या विवाद नहीं है। पुलिस ने अपना सहयोग बढ़ाया है और महापौर से भी चर्चा हुई है। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय अधिकारियों की देखरेख में मंदिर की सफाई जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने मस्जिद से सटी जमीन पर अतिक्रमण की जांच की

कुशीनगर (भाषा)। उप्र का कुशीनगर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ बुधवार सुबह हाटा क्षेत्र में मदनी मस्जिद का सर्वेक्षण किया। इसका मकसद सार्वजनिक संपत्ति पर अतिक्रमण के आरोपों की जांच करना था। हालांकि, सर्वेक्षण के परिणाम अभी तक सामने नहीं आए हैं। उप जिलाधिकारी (एसडीएम) प्रभाकर सिंह ने पुष्टि की कि मस्जिद से सटी सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के बारे में एक शिकायत के बाद सर्वेक्षण शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि आगे की कार्वाई सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, मुस्लिम समुदाय ने 15 साल पहले 32 डेसीमल का एक भूखंड खरीदा था और भूखंड के 30 डेसीमल हिस्से का इस्तेमाल करके मस्जिद का निर्माण किया था। प्रशासन के मुताबिक, हालांकि ऐसा प्रतीत होता है कि मस्जिद खरीदे गए क्षेत्र से आगे तक बनी हो सकती है। उसने कहा कि रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि समुदाय ने नगर पालिका की 4 डेसीमल भूमि और अतिरिक्त एक डेसीमल सार्वजनिक संपत्ति पर अतिक्रमण किया है।

उर्दू की जगह हिंदी के शब्द इस्तेमाल करेगी राजस्थान पुलिस

जयपुर (भाषा)। राजस्थान की भाजपा सरकार पुलिस महकमे में आमतौर पर काम लिए जाने वाले उर्दू शब्दों की जगह हिंदी शब्दों का इस्तेमाल करेगी। पुलिस विभाग द्वारा इस तरह के शब्दों और उनके हिंदी विकल्पों की जानकारी जुटाई जा रही है। विभाग ने इस संबंध में राज्य के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम के पत्र के बाद पुलिस मुख्यालय ने ऐसे शब्दों और उनके हिंदी विकल्पों के बारे में जानकारी मांगने की कवायद शुरू कर दी है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) यू आर साहू ने पिछले महीने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) को पत्र लिखकर उन उर्दू शब्दों का ब्योरा जुटाने को कहा था जो पुलिस के कामकाज में आमतौर पर इस्तेमाल हो रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया था कि वे पता लगाएं कि पुलिसिंग में उर्दू के कौन-कौन से शब्द इस्तेमाल हो रहे हैं।

संसदीय समिति ने अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं पर समयबद्ध कार्रवाई का आह्वान किया

नई दिल्ली(भाषा)। संसद की एक स्थाई समिति ने अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए इनके अनुमोदन में तेजी लाने और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने का संबंधित मंत्रालय से आग्रह किया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता पर स्थाई समिति ने 2023-24 के दौरान 2,064.95 करोड़ रुपए की निधि का इस्तेमाल न होने को लेकर चिंता जताई है। समिति ने बुधवार को लोकसभा में अपनी रिपोर्ट पेश की, इसने सिफारिश की कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समयसीमा का पालन करें। इसने साथ ही, देरी के लिए दंडात्मक प्रावधानों का प्रस्ताव दिया। समिति की रिपोर्ट में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके), छात्रवृत्ति कार्यक्रम और कौशल विकास योजनाओं जैसी पहलों को क्रियान्वित करने की चुनौतियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। समिति ने प्रक्रियागत देरी को दूर करने के लिए तत्काल कार्वाई की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिसके कारण पहले धन का कम उपयोग हुआ है। समिति ने अल्पसंख्यक छात्रों के लिए शैक्षिक सहायता में व्यवधान रोकने के वास्ते त्वरित अनुमोदन की सिफारिश की। समिति ने छात्रवृत्ति के अलावा मंत्रालय से अल्पसंख्यक समुदायों के लिए आवासीय शिक्षा, मुफ्त कोचिंग और विदेश में अध्ययन सहायता जैसी नई पहलों का पता लगाने का आग्रह किया। रिपोर्ट में अध्यक्ष पी सी मोहन ने जवाबदेही और समय पर कार्वाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अल्पसंख्यक समुदायों का कल्याण इन योजनाओं के ईमानदार और प्रभावी कार्यान्वयन पर निर्भर करता है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आवंटित संसाधन बिना किसी अनावश्यक देरी के जरूरतमंदों तक पहुंचें।

पेज 1 का शेष

अंबेडकर...

उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर शाह को मंत्रिमंडल से नहीं हटाया गया तो लोग सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि लोग बाबा साहब के लिए अपनी जान देने को तैयार हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश बाबा साहब अंबेडकर का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा और उन्होंने मांग की कि गृह मंत्री अमित शाह को राज्यसभा में अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। संविधान के 75 साल पूरे होने पर राज्यसभा में बहस का जवाब देते हुए गृह मंत्री शाह ने मंगलवार को कांग्रेस पर 'वोटर बैंक की राजनीति' के लिए अंबेडकर का नाम लेने को 'फैशन' बनाने का आरोप लगाया, जिसकी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने आलोचना की। उन्होंने कहा कि संविधान पर दो दिवसीय बहस के दौरान भाजपा सांसदों ने कांग्रेस और गांधी-नेहरू परिवार को गलत रोशनी में दिखाने की कोशिश की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, 'केवल वे लोग जो अधिक पाप करते हैं, उन्हें 'पुण्य' की चिंता करनी चाहिए। जो लोग देश, इसके लोगों और संविधान की रक्षा के बारे में चिंतित हैं, वे केवल बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर का नाम लेंगे और उन्हें केवल उनका नाम लेना होगा।' शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि अंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी भाजपा के 'अहंकार' को दर्शाती है और उन्होंने प्रधानमंत्री से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पूर्व सीएम ने भाजपा पर छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. अंबेडकर सहित महाराष्ट्र के प्रतीकों और पूजनीय हस्तियों का अपमान करने का आरोप लगाया। बसपा अध्यक्ष मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए बीआर अंबेडकर के नाम का शोषण करने और उनके योगदान का वास्तव में सम्मान या सम्मान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। मायावती ने आरोप लगाया कि इन पार्टियों ने दलितों और अन्य हाशिए के समुदायों के लिए पर्याप्त काम नहीं किया है।

मुंबई...

और मुश्किल से दो घंटे बाद दुर्घटना की सूचना मिली। उन्होंने दावा किया कि इस दुर्घटना में उनके नौका की कोई भूमिका नहीं थी। पडटे ने कहा, 'भारतीय नौसेना की एक स्पीडबोट ने पहले मेरी नाव को घेरा, फिर तेजी से आगे बढ़ी और फिर से तेज गति से वापस आकर नीलकमल से टकरा गई। सभी पर्यटकों ने लाइफ-जैकेट पहन रखी थी, जो अब अनिवार्य है। बचाव अभियान में एक दर्जन से अधिक अन्य नावें लगी हुई हैं। दुर्घटना स्थल पर मौजूद पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया (पीडब्ल्यूपी) के महासचिव और पूर्व विधायक जयंत पी. पाटिल ने कहा कि नौसेना के जहाज पर दोष है। नीलकमल नौसेना के जहाज से टकराने के तुरंत बाद पानी में डूब गया।

एनसीआर...

रीडिंग 480 से अधिक थी, जिससे निवासियों के लिए बेहद खतरनाक वातावरण बन गया। शेष स्टेशनों ने 'गंभीर' वायु गुणवत्ता की सूचना दी। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र जहांगीरपुरी (466), आनंद विहार (465) और बवाना (465) थे। रोहिणी (462), लाजपत नगर (461), अशोक विहार (456) और पंजाबी बाग (452) सहित प्रमुख क्षेत्रों में भी गंभीर एक्यूआई स्तर देखे गए, जिनमें से सभी ने 400 से अधिक रीडिंग दर्ज की। पिछले कुछ दिनों में हवा की कम गति के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है, जो प्रदूषकों को साफ करने के लिए पर्याप्त नहीं है और कम तापमान है, पिछले दो दिनों से न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है।

पिछली बार 19 नवंबर को एक्यूआई इस स्तर से ऊपर गया था, जब यह 460 पर पहुंच गया था। बृहस्पतिवार को वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रहने की उम्मीद है। हालांकि, मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में मध्यम से घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। प्रदूषण में यह उछाल हवा की गति में उल्लेखनीय गिरावट के कारण है, जिससे स्थानीय प्रदूषक वायुमंडल में केंद्रित हो गए, जिससे प्रदूषक जमीन के करीब फंस गए। पीएम 2.5 की सांद्रता वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वार्षिक पीएम 2.5 दिशानिर्देश मूल्य से 59.1 गुना अधिक है क्योंकि शीर्ष विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि भारत की जहरीली हवा का सार्वजनिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 महामारी से बड़ा प्रभाव पड़ेगा। स्विस वायु गुणवत्ता सूचकांक आईक्यूएयर के अनुसार, बुधवार सुबह दिल्ली के कुछ हिस्सों में प्रदूषण 550 के आंकड़े को पार कर गया, जो 300 के 'खतरनाक' स्तर से भी कहीं अधिक था। दोपहर 12.30 बजे, आईक्यूएयर के वास्तविक समय के आंकड़ों से पता चला कि विवेक विहार में एक्यूआई 890, आनंद विहार में 874, आईटीओ में 786, सोनिया विहार में 746, बुराड़ी क्रॉसिंग में 707, पंजाबी बाग में 702, रोहिणी में 680 और डीटीयू में 503 था। चूंकि पूरे क्षेत्र में दृश्यता काफी कम हो गई थी सफदरजंग हवाई अड्डे पर सुबह 6.30 बजे से 7 बजे के बीच सबसे कम दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई, जो उसके बाद सुधर कर 7.30 बजे 100 मीटर हो गई। पालम हवाई अड्डे पर सुबह 6 बजे से 9.30 बजे के बीच सबसे कम दृश्यता 300 मीटर दर्ज की गई, जो उसके बाद सुधर कर 10 बजे 400 मीटर हो गई। अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के औसत से थोड़ा अधिक था, लेकिन शाम को उम्मीद से अधिक ठंड महसूस हुई। दिन में पहले न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के सामान्य से एक डिग्री कम था। एनसीआर के पड़ोसी क्षेत्रों में भी खराब वायु गुणवत्ता का सामना करना पड़ा, हरियाणा के फरीदाबाद में एक्यूआई का स्तर 263, गुरुग्राम में 392 और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 390, ग्रेटर नोएडा में 330 और नोएडा में 364 रहा। भारत में शीत लहर चल रही है, जिससे कई राज्य अत्यधिक ठंड की स्थिति से जूझ रहे हैं क्योंकि तापमान शून्य से नीचे गिर गया है। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, पंजाब, तेलंगाना, ओडिशा और हरियाणा हैं।

कटरा...

छीनने पर तुला हुआ है। होटल व्यवसायी, दुकानदार, टट्टू संचालक, मजदूर और ट्रांसपोर्टर सभी रोपवे परियोजना के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। हम चाहते हैं कि परियोजना को रोका जाए।

वाइडन..

व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार नियुक्तियां करने और वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी। डीएचएस के अनुसार, इस नियम में एफ-1 वीजाधारक छात्रों के लिए कुछ सुविधा का भी प्रावधान है, जो अपने वीजा को एच-1बी में बदलना चाहते हैं।

आप जीती..

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे 100 बीमारियां आदमी को घेर लेती हैं। आदमी की सबसे बड़ी चिंता होती है कि वह इलाज कैसे कराएगा। वह कई ऐसे लोगों को भी जानते हैं जो अच्छे खासे परिवारों से आते हैं लेकिन उनके बच्चे उनका ख्याल नहीं रखते हैं। चुनाव के बाद इस योजना को पारित करेंगे। इसमें कोई बीपीएल, एपीएल, टीपीएल, आरपीएल की लिमिट नहीं होगी। अमीर हो या गरीब, सभी बुजुर्गों का इलाज मुफ्त कराया जाएगा। इस योजना में कोई अपर लिमिट नहीं होगी, जितना भी बुजुर्गों की बीमारी पर खर्चा आएगा उसे दिल्ली सरकार वहन करेगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन दो-तीन दिन में शुरू हो जाएगा। बुजुर्गों को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। उनके घर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता जाएंगे और उनका रजिस्ट्रेशन करेंगे। बुजुर्गों को एक कार्ड दिया जाएगा, उसे संभालकर रखना होगा। चुनाव के बाद जैसे ही हमारी सरकार बनती है, इस योजना को पास करके बुजुर्गों को स्वस्थ्य रखने की जिम्मेदारी पूरी करेंगे। इसके बदले में बुजुर्गों का आशीर्वाद चाहिए। मुख्यमंत्री आतिशी और आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि बेटा हो तो अरविंद केजरीवाल जी जैसा! पहले श्रवण कुमार बनकर लाखों बुजुर्गों को तीर्थयात्रा करवाई, और अब उनके स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखने के लिए संजीवनी योजना लेकर आए हैं। दिल्ली का हर बुजुर्ग स्वस्थ हो, यही प्रार्थना है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त इलाज 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी दिल्ली निवासियों को सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिलेगा, जिसका पूरा खर्च सरकार उठाएगी। 25 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा। कोई आय या सामाजिक-आर्थिक प्रतिबंध नहीं होगा। दिल्ली का वोटर आईडी रखने वाला कोई भी वरिष्ठ नागरिक योग्य है। स्वास्थ्य कार्ड बिना किसी भेदभाव के जारी किए जाएंगे।

जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लूंगा : छगन भुजबल

भाषा। नासिक

महाराष्ट्र के नए मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने के बाद अपने अगले कदम को लेकर चल रही अटकलों के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के असंतुष्ट नेता छगन भुजबल ने बुधवार को कहा कि वह जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि मुंबई में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेताओं के साथ चर्चा के बाद संभावित अगला कदम उठाया जाएगा। वहीं शिवसेना विधायक सुहास कांडे ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भुजबल को मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने के विरोध में राकांपा से इस्तीफा देने की चुनौती दी।

नासिक में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए भुजबल ने ओबीसी के साथ अन्याय के खिलाफ लड़ाई को सड़कों पर ले जाने की घोषणा की। देवेंद्र फडणवीस के विस्तारित मंत्रिमंडल से बाहर रखे जाने पर रविवार से नाराज चल रहे भुजबल ने एक बार फिर राकांपा प्रमुख अजित पवार पर परोक्ष हमला किया और इस घटनाक्रम के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। भुजबल के जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना वाले बयान ने उनके भविष्य के राजनीतिक कदम को लेकर अटकलों को जन्म दे दिया था। भुजबल अपने समर्थकों और उनके नेतृत्व वाली समता परिषद के सदस्यों के साथ बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं एक-दो दिन में मुंबई जाऊंगा और देश और महाराष्ट्र के ओबीसी नेताओं से मिलूंगा। चर्चा के बाद, शायद मुझे अगला कदम उठाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रश्नों का समाधान जल्दबाजी में नहीं किया जा सकता तथा निर्णय सोच-समझकर लिया जाना चाहिए। राज्य के पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री ने कहा, (राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष) प्रफुल्ल पटेल और (राज्य इकाई के अध्यक्ष) सुनील (तटकरे) ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की कि मुझे (मंत्रिमंडल में) शामिल किया जाए। यहां तक कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी आखिरी क्षण तक मुझे शामिल करने पर जोर देते रहे। लेकिन मुझे शामिल नहीं किया गया। अजित पवार का नाम लिए बगैर भुजबल ने कहा कि अन्य दलों के नेताओं पर आरोप लगाना व्यर्थ है, क्योंकि हर नेता अपनी पार्टी के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने रैली में कहा, मैं कई बार मंत्री बना और विपक्ष में भी बैठा। मैं दुखी नहीं हूं, लेकिन अपमान से मुझे दुख पहुंचा है। (ओबीसी) समुदाय के मुद्दों को सुलझाने के लिए कौन ढाल बनेगा? मैं ओबीसी के मुद्दे पर महाराष्ट्र और अन्य राज्यों का दौरा करूंगा।

शिवसेना विधायक सुहास कांडे ने बुधवार को अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भुजबल को मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने के विरोध में राकांपा से इस्तीफा देने की चुनौती दी। कांडे ने एक समाचार चैनल से बात करते हुए कहा, मुझे छगन भुजबल पर दया आती है। उनमें राकांपा छोड़ने का साहस नहीं है। अगर वह खुद को जुझारू मानते हैं तो इस्तीफा क्यों नहीं दे देते? उन्होंने कहा कि भुजबल ओबीसी समुदाय के अकेले प्रतिनिधि नहीं हैं। नांदगांव विधायक ने कहा, उन्हें मंत्री पद न दिए जाने का मतलब यह नहीं है कि ओबीसी पर विचार नहीं किया जा रहा है। हालिया विधानसभा चुनावों में कांडे ने नांदगांव विधानसभा क्षेत्र से भुजबल के भतीजे और पूर्व सांसद समीर भुजबल को हराया था।

महाराष्ट्र में विपक्ष ने विधान भवन की सीढ़ियों पर किया प्रदर्शन

नागपुर (भाषा)। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के सदस्यों ने सरकार पर किसानों के प्रति उदासीनता और उन्हें फसल उत्पादन का पर्याप्त मूल्य नहीं देने का आरोप लगाते हुए बुधवार को लगातार तीसरे दिन विधान भवन की सीढ़ियों पर विरोध प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार को नागपुर में शुरू हुआ था। बुधवार को विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे, शिवसेना (यूबीटी) के सुनील प्रभु और भास्कर जाधव, कांग्रेस नेता नाना पटोले, नितिन राउत, भाई जगताप समेत विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के सदस्यों ने विधान भवन की सीढ़ियों पर प्रदर्शन किया।

ग्राम न्यायालय स्थापित करने के लिए पूरे देश में एक फार्मूला नहीं हो सकता: सर्वोच्च न्यायालय

नई दिल्ली(भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि ग्राम न्यायालयों की स्थापना के लिए पूरे देश के लिए एक समान फार्मूला नहीं हो सकता, क्योंकि स्थिति राज्य दर राज्य निर्भर करेगी। संसद ने 2008 में एक कानून पारित किया था जिसमें नागरिकों को उनके घर के निकट न्याय उपलब्ध कराने के लिए जमीनी स्तर पर ग्राम न्यायालयों की स्थापना का प्रावधान किया गया था। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया गया था कि सामाजिक, आर्थिक या अन्य परेशानियों की वजह किसी को भी न्याय प्राप्त करने के अवसरों से वंचित न किया जाए। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें केंद्र और सभी राज्यों को शीर्ष अदालत की निगरानी में ग्राम न्यायालय स्थापित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

पीठ ने कहा, आप पूरे देश के लिए एक समान फार्मूला नहीं अपना सकते। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील की इस दलील पर संज्ञान लिया कि यहां ग्राम न्यायालय स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में कोई ग्राम पंचायत नहीं है।पीठ ने कहा, स्थिति राज्य दर राज्य निर्भर करेगी, कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में वैकल्पिक पारंपरिक प्रणालियां हैं और इसलिए इनमें से कुछ राज्यों में काम कर रहे न्यायालयों के पास पर्याप्त काम नहीं है। इस संबंध में गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) नेशनल फेडरेशन ऑफ सोसाइटीज फॉर फास्ट जस्टिस एवं अन्य ने याचिका दाखिल की थी। उनकी ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह सर्वविदित है कि भारत की अदालतों में कितने मामले लंबित हैं। उन्होंने कहा कि संभवत: कोई भी राज्य यह नहीं कह सकता कि उनके न्यायालय सभी मामलों से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। पीठ ने कहा कि इन सभी प्रश्नों का समाधान राज्य के विशिष्ट मुद्दों को ध्यान में रखकर करना होगा। शीर्ष अदालत में न्याय मित्र की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ अधिवक्ता निधेश गुप्ता ने सूचित किया कि इस मामले में उच्चतम न्यायालय के 16 अक्टूबर के आदेश के अनुपालन में कुछ राज्यों ने हलफनामे दाखिल कर विस्तृत जानकारी दी है, जिसमें स्थापित ग्राम न्यायालयों की संख्या के बारे में भी जानकारी शामिल है।

एनटीए सुधार: समिति ने स्थाई कर्मी न रखने, अफसरों और विशेषज्ञों के लिए लंबे कार्यकाल का सुझाव दिया

नई दिल्ली(भाषा)। परीक्षा सुधारों पर केंद्र की उच्चस्तरीय समिति ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में स्थाई कर्मियों की नियुक्ति करने की जगह आकर्षक सेवा शर्तों के साथ कर्मियों तथा क्षेत्र विशेषज्ञों के लिए लंबे कार्यकाल की सिफारिश की है। चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) और पीएचडी में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के आयोजन में कथित अनियमितताओं को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही सरकार ने एनटीए की कार्यप्रणाली का अध्ययन करने के लिए जुलाई में एक समिति का गठन किया था। विपक्ष ने दावा किया था कि एनटीए का संचालन 25 से भी कम स्थाई कर्मचारी की मदद से हो रहा है और ए इतने कम कर्मियों के सहारे किसी तरह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी नीट-यूजी सहित कई प्रमुख परीक्षाएं आयोजित करता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख आर. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, एनटीए में कर्मियों की नियुक्ति करते समय स्थाईकरण से बचना समझदारी है। लेकिन फिर भी केंद्रीय कर्मियों की योजना, अकादमिक या विशेष संगठनों के माध्यम से कर्मियों और क्षेत्र के विशेषज्ञों के लंबे कार्यकाल के माध्यम से निरंतरता तथा संस्थागत स्मृति को बनाए रखा जाना चाहिए। इसमें कहा गया है, सक्षम और इच्छुक व्यक्तियों को एनटीए में स्थानांतरित करने के लिए आकर्षक सेवा शर्तें तैयार की जा सकती हैं। इसमें प्रतिनियुक्ति पर विशेष वेतन, उच्च ग्रेड, प्रदर्शन-संबंधी प्रोत्साहन या योजनाएं, आयु सीमा में छूट शामिल हैं।

भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन की कमी को बहुआयामी दृष्टिकोण से दूर किया जा रहा है: संसदीय समिति

नई दिल्ली (भाषा)। संसद की एक स्थाई समिति ने कहा है कि मिग-21, मिग-23 और मिग-27 जैसे पुराने लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से हटाए जाने के कारण हाल के वर्षों में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू स्क्वाड्रन (लड़ाकू विमान के दस्ते) की संख्या में कमी आई है तथा बहुआयामी दृष्टिकोणों के माध्यम से यह समस्या दूर की जा रही है। रक्षा संबंधी स्थाई समिति ने मंगलवार को संसद में पेश की गई रिपोर्ट में यह भी कहा कि रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना में सामने आई जासूसी की घटनाओं तथा इस बाबत की गई कार्वाई के बारे में उसे सूचित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा है, पिछले पांच वर्षों में (जासूसी के) चार मामले सामने आए हैं। इसमें शामिल सभी कर्मियों को वायुसेना से बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें से एक मामला पुलिस को सौंप दिया गया है और उस पर दीवानी अदालत में मुकदमा चल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, स्क्वाड्रन की संख्या में कमी के मुद्दे पर मंत्रालय ने समिति को अवगत कराया कि मिग-21, मिग-23 और मिग-27 श्रेणी के पुराने विमानों को चरणबद्ध तरीके से (सेवा से) हटाए जाने के कारण हाल के वर्षों में लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या में कमी आई है। लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या में नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए इसे बहुआयामी दृष्टिकोणों के माध्यम से निपटा जा रहा है।

समिति को स्वदेश निर्मित एकल इंजन और चौथी पीढ़ी के बहु-भूमिका वाले हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस की लड़ाकू क्षमताओं के बारे में भी बताया गया। मंत्रालय ने समिति को बताया, भारतीय वायुसेना को तेजस एमके-1 विमान के दो स्क्वाड्रन मिले हैं और उन्होंने उनका संचालन शुरू कर दिया है। विमान का इस्तेमाल परिचालन भूमिकाओं के लिए किया जा रहा है और इसने हाल ही में संपन्न अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास तरंग शक्ति में हिस्सा लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि वायुसेना ने 83 एलसीए एमके-1ए की खरीद के लिए भी अनुबंध किया है और इसकी डिलीवरी फरवरी 2024 से शुरू होगी। डिजाइन और विकास के मुद्दों के कारण तेजस एमके-1ए कार्यक्रम में विलंब हुआ है। इसमें कहा गया है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को तेजस का उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय के हवाले से कहा गया है, वायुसेना ने अतिरिक्त 97 एलसीए एमके-1ए विमानों की खरीद के मामले में भी प्रगति की है, जिसके लिए अनिवार्यता को मंजूरी (एओएन) दे दी गई है और प्रस्ताव का अनुरोध (आरएफपी) जारी किया गया।

चालू वित्त वर्ष में अबतक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.45 प्रतिशत बढ़कर 15.82 लाख करोड़ पर

नई दिल्ली(भाषा)। चालू वित्त वर्ष में अबतक यानी 17 दिसंबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 16.45 प्रतिशत बढ़कर 15.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, 2024-25 में अप्रैल से लेकर 17 दिसंबर तक प्रत्यक्ष कर का कुल संग्रह 15.82 लाख करोड़ रुपए रहा है। इस दौरान अग्रिम कर संग्रह में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 7.56 लाख करोड़ रुपए हो गया। कुल कर संग्रह में 7.42 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कॉरपोरेट कर और 7.97 लाख करोड़ रुपए का गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह भी शामिल है। आलोच्य अवधि में 40,114 करोड़ रुपए का प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) भी एकत्र किया गया। प्रत्यक्ष कर संग्रह में कॉरपोरेट कर, व्यक्तिगत आयकर और एसटीटी शामिल होते हैं।

शरद पवार महाराष्ट्र के दो किसानों के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिले

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास आघाडी (एमवीए) की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति से हार के कुछ सप्ताह बाद हुई। पवार ने पश्चिमी महाराष्ट्र के फलटण के दो किसानों के साथ संसद में स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में उनसे मुलाकात की और उन्हें किसानों के खेत से लाए गए अनार की एक पेटी भेंट की। पवार ने हाल में प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी के तालकटोरा स्टेडियम में फरवरी में आयोजित होने वाले 98 वें मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए उन्हें आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद पवार ने कहा, मैंने साहित्य सम्मेलन के विषय पर बात नहीं की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शरद पवार ने किसानों के एक समूह के साथ बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इसमें राकांपा (एसपी) प्रमुख द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को अनार भेंट करने की तस्वीरें भी पोस्ट की गईं। पिछले माह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, राकांपा (एसपी), शिवसेना (उबाठा) वाले गठबंधन एमवीए को भाजपा, शिवसेना, राकांपा वाले गठबंधन महायुति से करारी हार मिली थी। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीट में से महायुति ने 235 और एमवीए ने 46 सीट जीती हैं।

शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रतिनिधियों ने विधेयक के कई प्रावधानों का विरोध किया

नई दिल्ली(भाषा)। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रतिनिधियों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति के समक्ष अपने विचार साझा किए। सूत्रों ने बताया कि बोर्ड ने विधेयक के कई प्रावधानों का विरोध किया, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इसके सदस्य विधेयक के विभिन्न पहलुओं पर अपनी राय देने और सांसदों के प्रश्नों का व्यापक रूप से जवाब देने के लिए तैयार नहीं थे। समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि समिति के सदस्यों ने कई मुद्दों पर बोर्ड के प्रतिनिधियों के विचार मांगे, और सदस्यों को बताया गया कि प्रतिनिधि बाद में एक विस्तृत संचार प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा,जरूरत पड़ने पर समिति उन्हें दोबारा भी बुला सकती है। लोकसभा ने गत 28 नवंबर को इस समिति का कार्यकाल बजट सत्र के आखिरी दिन तक के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी थी। बजट सत्र अगले साल के शुरू में आयोजित होगा। सरकार ने वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक गत आठ अगस्त को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद संयुक्त समिति को भेजने का फैसला हुआ था। इस विधेयक में वर्तमान अधिनियम में दूरगामी बदलावों का प्रस्ताव रखा गया है, जिनमें वक्फ निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना भी शामिल है।

जयशंकर ने इजराइली समकक्ष से पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

नई दिल्ली (भाषा)। गाजा में इजराइल और हमास के बीच संभावित युद्धविराम समझौते के संकेतों के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ फोन पर बातचीत की। दोनों पक्षों के बीच वार्ता में कई महीनों के गतिरोध के बाद, प्रस्तावित युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के लिए पिछले कुछ दिनों में कूटनीतिक बातचीत में तेजी आई है। बताया जाता है कि गाजा में लगभग 95 बंधक हमास के कब्जे में हैं। जयशंकर ने एक्स पर कहा, आज इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार से बात करके खुशी हुई। क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रमों पर उनसे मिली जानकारी के लिए मैं आभारी हूं। हमारे द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से मुलाकात के लिए उत्सुक हूं। समझा जाता है कि दोनों विदेश मंत्रियों ने 11 दिन पहले राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया की स्थिति पर भी चर्चा की।

अंडमान में द्वीपों का नामकरण स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को संरक्षित करने का प्रयास: मोदी

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंडमान निकोबार में द्वीपों का नामकरण स्वतंत्रता सेनानियों और प्रख्यात हस्तियों की स्मृति को संरक्षित करने और उनका उत्सव मनाने के सरकार के बड़े प्रयासों का हिस्सा है, जिन्होंने राष्ट्र पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अंडमान और निकोबार में द्वीपों का नामकरण हमारे नायकों के नाम पर करना, यह सुनिश्चित करने का एक तरीका है कि राष्ट्र के लिए उनकी सेवा को आने वाली पीढ़ियां याद रखें। उन्होंने कहा, यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और प्रख्यात व्यक्तित्वों की स्मृति को संरक्षित करने और उनका उत्सव मनाने के हमारे बड़े प्रयास का भी हिस्सा है, जिन्होंने हमारे राष्ट्र पर एक अमिट छाप छोड़ी है। आखिरकार, वे राष्ट्र ही विकास और राष्ट्र-निर्माण में आगे बढ़ते हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। प्रधानमंत्री ने नामकरण समारोह के दौरान दिया गया अपना भाषण भी साझा किया। उन्होंने कहा, इसके अलावा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का आनंद लें। सेलुलर जेल का भी दौरा करें और महान वीर सावरकर के साहस से प्रेरणा लें। पिछले साल जनवरी में, मोदी ने परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के नाम पर अंडमान और निकोबार में 21 द्वीपों का नाम रखा था।

ऑस्कर की दौड़ से बाहर हुई लापता लेडीज ब्रिटेन की हिंदी फिल्म संतोष अगले दौर में

नई दिल्ली (भाषा)। सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म की श्रेणी में भारत की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि लापता लेडीज़ ऑस्कर पुरस्कार 2025 की दौड़ से बाहर हो गई है, लेकिन ब्रिटेन की हिंदी फिल्म संतोष अगले दौर में पहुंच चुकी है। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (एएमपीएएस) ने बुधवार की सुबह घोषणा की कि किरण राव द्वारा निर्देशित यह हिंदी फिल्म उन 15 फीचर फिल्मों की सूची में शामिल नहीं है जो अंतिम पांच में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही है। ऑस्कर पुरस्कार 2025 के लिए अंतिम चुनी गईं फिल्मों की घोषणा 17 जनवरी को की जाएगी। अकादमी के अनुसार, 85 देशों या क्षेत्रों ने ऐसी फिल्में पेश की है जो 97वें अकादमी पुरस्कार के लिए अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के तहत विचार किए जाने के लिए पात्र हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस, जियो स्टूडियोज और किंडलिंग प्रोडक्शंस ने एक संयुक्त बयान में कहा, लापता लेडीज (अंगेजी में नाम- लॉस्ट लेडिज) इस साल एकेडमी अवार्ड में जगह नहीं बना पाई। हम इससे निराश भी हैं। लेकिन हम इस यात्रा के दौरान मिले अविश्वसनीय समर्थन और विश्वास के लिए बेहद आभारी हैं।

इसमें कहा गया, हम पुरस्कार के लिए अंतिम 15 में चुनी गई फिल्मों की टीम को बधाई देते हैं और पुरस्कार के अगले चरण के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। ब्रिटन की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि हिंदी भाषा की फिल्म संतोष (अपराध-ड्रामा पर आधारित) को अंतिम 15 में जगह मिली है। यह फिल्म ब्रिटिश-भारतीय फिल्म निर्माता सूरी की है और इसमें अभिनेत्री शहाना गोस्वामी और सुनीता राजवार ने अभिनय किया है।

शहाना गोस्वामी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारी फिल्म संतोष को मिली इस छोटी सी उपलब्धि के लिए पूरी टीम, खास तौर पर हमारी लेखिका-निर्देशक संध्या सूरी को बहुत खुशी है। 85 फिल्मों में से चयनित होना कितना अविश्वसनीय है। फिल्म को पसंद करने वाले, प्यार देने वाले और इसके लिए वोट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। इस सूची में फ्रांस की एमिलिया पेरेज , आई एम स्टिल हियर (ब्राजील), यूनिवर्सल लैंग्वेज (कनाडा), वेव्स (चेक गणराज्य), द गर्ल विद द नीडल (डेनमार्क) और जर्मनी की द सीड ऑफ द सेक्रेड फिग भी शामिल हैं। इसके अलावा इस सूची में फिल्म टच (आइसलैंड), नीकैप (आयरलैंड), वर्मीग्लियो (इटली), फ्लो (लातविया), आर्मंड (नॉर्वे), फ्रॉम ग्राउंड जीरो (फलस्तीन), डाहोमी (सेनेगल), और हाउ टू मेक मिलियंस बिफोर ग्रैंडमा डाइस (थाईलैंड) भी शामिल है। कान फिल्म के 77वें महोत्सव में यूएन सर्टेन रिगार्ड सेक्शन के तहत फिल्म संतोष का प्रीमियर जारी किया गया था।

एकनाथ शिंदे ने फडणवीस-उद्धव की मुलाकात को स्वागत योग्य बदलाव बताया

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच मुलाकात को बुधवार को स्वागत योग्य बदलाव करार दिया। उद्धव और उनके विधायक बेटे आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को नागपुर में विधान भवन परिसर में फडणवीस और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मुलाकात की थी। आदित्य ने कहा था कि मुलाकात के दौरान उन्होंने दोनों (फडणवीस और नार्वेकर) को शुभकामनाएं दीं और राजनीतिक परिपक्वता दिखाने एवं लोगों के हित में मिलकर काम करने की दिशा में कदम उठाने की बात कही।

महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के बीच नागपुर में संवाददाताओं से बातचीत में शिंदे ने कहा कि जो लोग लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सातवें आसमान पर थे और विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में लौटने पर हमें जेल भेजने की योजना बना रहे थे, वे अब मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, यह एक स्वागत योग्य बदलाव है। मुख्यमंत्री राज्य के नेता हैं और कोई भी उनसे मिल सकता है।

शिंदे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति सरकार को ईवीएम सरकार कहने के लिए विपक्ष की आलोचना की। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीट में से 30 पर जीत दर्ज करने वाले विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) को 288 सदर्स्ईय विधानसभा के लिए हुए चुनावों में महज 46 सीट से संतोष करना पड़ा था। वहीं, लोकसभा चुनाव में 17 सीट हासिल करने वाले महायुति ने विधानसभा चुनाव में 230 सीट पर जीत दर्ज कर राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखी थी। विधानसभा चुनावों के बाद एमवीए नेता इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की शुचिता पर सवाल उठा रहे हैं।

शिंदे ने कहा, जनादेश का अपमान मत कीजिए, वरना लोग अगली बार आपको और कड़ा सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार, जिसमें भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं, परिणाम देने के लिए एक टीम के रूप में काम करेगी। विपक्ष की मांग के बारे में पूछे जाने पर कि विभागों का आवंटन कब किया जाएगा, ताकि राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर जवाब मांगा जा सके, शिंदे ने कहा, मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री ऐसा करने में सक्षम हैं। उन्होंने एक देश, एक चुनाव नीति लागू करने से पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर चुनाव कराने की उद्धव ठाकरे की मांग को हास्यास्पद करार दिया। शिंदे ने कहा, यह मुख्य निर्वाचन आयुक्त के संवैधानिक पद को चुनौती देने के समान है और संविधान तथा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान है। शिवसेना की नीलम गोरे को विधान परिषद अध्यक्ष पद पर नियुक्त नहीं किए जाने के बारे में पूछे जाने पर शिंदे ने कहा, हम महायुति के रूप में काम कर रहे हैं। हम पद को लेकर नहीं लड़ते।

नागपुर में विधानसभा सत्र में भाग लेने जाते महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

शाह की आंबेडकर के बारे में टिप्पणी भाजपा के अहंकार को दर्शाती है: उद्धव ठाकरे

मुंबई(भाषा)। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी भाजपा के अहंकार को दर्शाती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके खिलाफ कार्वाई करनी चाहिए। ठाकरे ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. आंबेडकर समेत महाराष्ट्र के प्रतीकों व हस्तियों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शह के बिना शाह डॉ. आंबेडकर के बारे में टिप्पणी करने की हिम्मत नहीं कर सकते थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, डॉ. आंबेडकर के बारे में अमित शाह की टिप्पणी पार्टी (भाजपा) के अहंकार को दर्शाती है और इस टिप्पणी ने पार्टी का असली चेहरा उजागर कर दिया है। ठाकरे ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को डॉ. आंबेडकर के बारे में टिप्पणी के लिए अमित शाह के खिलाफ कार्वाई करनी चाहिए और अगर ऐसा करने में सक्षम नहीं पाते हैं तो अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा डॉ. आंबेडकर का नाम मिटाने की कोशिश कर रही है, लेकिन ऐसा नहीं हो सकता और ऐसा करने की कोशिश में वह खुद ही खत्म हो जाएगी। शिवसेना (उबाठा) के नेता ने सवाल किया कि क्या भाजपा के सहयोगी दल – तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल(यूनाइटेड), रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) और शिवसेना आंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी से सहमत हैं। उन्होंने कहा, आरएसएस को भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उसने अमित शाह के माध्यम से ऐसी बात कही है।

ठाकरे ने कहा, वे केवल सत्ता जिहाद में संलिप्त हैं। वे महाराष्ट्र को खत्म करना चाहते हैं। वे यह दिखाना चाहते हैं कि भाजपा के सत्ता में आने से पहले कोई अस्तित्व में नहीं था। उन्होंने इतना साहस जुटा लिया है कि अब तक वे (जवाहरलाल) नेहरू पर हमला करते थे, लेकिन अब आंबेडकर के बारे में बात करने लगे हैं। शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया पर संसद में अमित शाह द्वारा दिए गए भाषण का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यह भाजपा की नफरत की एक झलक है।

गार्डियन के सहयोगी अखबार द ऑब्जर्वर को टॉर्टोइस मीडिया को बेचे जाने की पुष्टि

लंदन। ब्रिटेन के गार्डियन अखबार के मालिक ने पुष्टि की है कि उसने दुनिया के सबसे पुराने रविवारी अखबार ऑब्जर्वर को टॉर्टोइज मीडिया को बेच दिया है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि अखबार को कितने में बेचा गया है।गार्डियन मीडिया समूह (जीएमजी) का स्वामित्व रखने वाले स्कॉट ट्रस्ट ने बुधवार को एक बयान में कहा कि टॉर्टोइज मीडिया नकदी और शेयरों के संयोजन के माध्यम से ऑब्जर्वर को खरीद रहा है। ऑब्जर्वर की स्थापना 1791 में हुई थी और यह 1993 में गार्डियन मीडिया समूह का हिस्सा बना था। इस अखबार को ब्रिटेन के मीडिया परिदृश्य में उदार मूल्यों का पैरोकार माना जाता है। टॉर्टोइस की स्थापना 2019 में लंदन टाइम्स के पूर्व संपादक और बीबीसी में समाचार निदेशक जेम्स हार्डिंग और लंदन में पूर्व अमेरिकी राजदूत मैथ्यू बारज़ुन ने की थी। करार के तहत टॉर्टोइस ने जीएमजी के साथ पांच साल का वाणिज्यिक समझौता किया है। इसके तहत वह मुद्रण और वितरण सेवाओं के साथ-साथ गार्डियन के माध्यम से विपणन के लिए भुगतान करेगा। स्कॉट ट्रस्ट न्यास टॉर्टोइस मीडिया में नौ प्रतिशत हिस्सेदारी भी लेगा और 2.5 करोड़ पौंड के निवेश के हिस्से के रूप में टॉर्टोइस मीडिया में 50 लाख पौंड (63 लाख अमेरिकी डॉलर) का निवेश करेगा। स्कॉट ट्रस्ट के अध्यक्ष ओले जैकब सुंडे ने बताया, यह सौदा ऑब्जर्वर के लिए नए निवेश और विचारों को सुनिश्चित करता है। यह करार इस अखबार को नए पाठकों तक ले जाएगा और समाज में उदार पत्रकारिता की हमारी भूमिका को आगे बढ़ाएगा। इसी के साथ लूसी रॉक को ऑब्जर्वर के मुद्रण संस्करण का संपादक नियुक्त किया गया है। वह पिछले 100 साल में अखबार के इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। ऑब्जर्वर को डिजिटल ब्रांड बनाने की अवधि में वह डिजिटल संपादक के साथ मिलकर काम करेंगी और प्रधान संपादक रॉक हार्डिंग को रिपोर्ट करेंगी। प्रस्तावित बिक्री का गार्डियन मीडिया समूह के पत्रकारों ने विरोध किया था और इस महीने की शुरुआत में 48 घंटे की हड़ताल की थी।

अक्षरधाम मंदिर शाश्वत भेंट है, जो सभी के लिए शांति लाएगी : तुलसी गबार्ड

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा खुफिया प्रमुख के पद के लिए चुनी गईं तुलसी गबार्ड ने न्यू जर्सी में अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया और इसे एक ऐसी शाश्वत भेंट बताया जो सभी के लिए शांति और खुशी लाएगी। उन्होंने कहा, प्यार, दया और एकता की भावना से एक साथ आए इतने सारे हाथों के काम के फलस्वरूप तैयार हुए इस अविश्वसनीय उत्पाद का वर्णन करने के लिए शब्द पर्याप्त नहीं हैं। स्वागत करने वाली वह भावना कुछ ऐसी है जिसे मैं यहां महसूस करती हूँ, जैसा कि मैं जानती हूँ कि लाखों अन्य लोग भी अक्षरधाम आने पर महसूस करते हैं। यह एक शाश्वस्त भेंट है जो यहां आने वाले सभी लोगों को शांति और खुशी देगी। गबार्ड रविवार को न्यू जर्सी के रॉबिंसविले में ।,000 से अधिक श्रद्धालुओं की एक सभा को संबोधित कर रही थीं।राष्ट्रपति पद के चुनाव में शानदार जीत के बाद ट्रंप ने एफबीआई और सीआईए समेत 18 अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के कामकाज की निगरानी के लिए गबार्ड (43) को नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक नामित किया है।गबार्ड 2012 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली पहली हिंदू अमेरिकी बनीं। 2020 में, उन्होंने कांग्रेस के लिए चुनाव नहीं लड़ा और इसके बजाय, डेमोक्रेटिक पार्टी में, राष्ट्रपति पद के लिए प्रायमरी (प्राथमिक चुनाव) में असफल कोशिश की। 2024 में वह रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गईं।उन्होंने अक्षरधाम मंदिर में अपने संबोधन में कहा, मैं आप सभी के बीच यहां आकर आभारी महसूस कर रही हूं और इस अविश्वसनीय स्वागत और उत्सव से मेरा दिल खुश हो गया है। यह मंदिर आध्यात्मिक नेता दिवंगत प्रमुख स्वामी महाराज की 103वीं जयंती समारोह मना रहा है।

पाकिस्तान में पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात तीन पुलिस अधिकारियों की बम धमाके में मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में मंगलवार को पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारियों को ले जा रहे एक वाहन के सड़क किनारे पड़े बम की चपेट में आने से तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस अधिकारी नासिर खान ने बताया कि यह घटना खैबर पख्तुनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में हुई। वाहन सवार पुलिस अधिकारी अपने थाने की ओर लौट रहे थे। अभी तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे एक दिन पहले ही खैबर पख्तुनख्वा के कराक शहर में पोलियो कार्यकर्ताओं की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों पर अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी और स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा एक कर्मचारी घायल हो गया था। पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही इस साल का अंतिम राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान शुरू किया है और इस अभियान का मकसद साढे चार करोड़ बच्चों को पोलियो से बचाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पाकिस्तान और पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान ही ऐसे दो देश हैं जो पोलियो मुक्त नहीं हो पाए हैं। पाकिस्तान में जनवरी से अब तक पोलियो के 63 मामले सामने आए हैं। यह पोलियो उन्मूलन अभियान 22 दिसंबर तक जारी रहेगा।

मॉस्को में वरिष्ठ जनरल की हत्या के मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया: रूस

मॉस्को। रूस की एक खुफिया एजेंसी ने बुधवार को कहा कि उसने मॉस्को में एक वरिष्ठ जनरल की हत्या के मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि संदिग्ध उज्बेकिस्तान का नागरिक है, जिसे यूक्रेन की खुफिया सेवा ने भर्ती किया था। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने संदिग्ध का नाम सार्वजनिक नहीं किया लेकिन यह बताया कि उसका जन्म 1995 में हुआ था। खुफिया एजेंसी के बयान के अनुसार संदिग्ध ने पूछताछ में बताया कि यूक्रेन की विशेष सेवा ने उसे भर्ती किया था। मॉस्को में मंगलवार को बम विस्फोट में लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की मौत हो गई थी। बम उनके अपार्टमेंट की इमारत के बाहर एक स्कूटर में लगाया गया था। बम उनके अपार्टमेंट की इमारत के बाहर एक स्कूटर में लगाया गया था। इससे एक दिन पहले यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने किरिलोव पर आपराधिक आरोप लगाए थे। यूक्रेन के एक अधिकारी ने बताया था कि सुरक्षा सेवा ने इस हमले को अंजाम दिया। किरिलोव सेना के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख थे। हमले में उनके सहायक की भी मौत हो गई

चेन्नई में जन्मी भारतीय-अमेरिकी ने जीता मिस इंडिया यूएसए खिताब

वाशिंगटन। चेन्नई में जन्मीं भारतीय अमेरिकी किशोरी कैटलिन सैंड्रा नील ने न्यूजर्सी में आयोजित वार्षिक सौंदर्य प्रतियोगिता मिस इंडिया यूएसए 2024 जीती है। कैटलिन (19) डेविस के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, मैं अपने समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ना चाहती हूं और महिला सशक्तीकरण तथा साक्षरता पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं। कैटलिन का जन्म चेन्नई में हुआ था और वह पिछले 14 वर्षों से अमेरिका में रह रही हैं। वह वेब डिज़ाइनर बनने के अलावा मॉडलिंग तथा एक्टिंग में भी अपना करियर बनाना चाहती हैं।भारत महोत्सव समिति (आईएफसी) द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में इलिनोइस की संस्कृति शर्मा को मिसेज इंडिया यूएसए और वाशिंगटन की अर्शिता कठपालिया को मिस टीन इंडिया यूएसए का खिताब दिया गया। मिस इंडिया यूएसए 2023 रिज़ुल मैनी और मिसेज इंडिया यूएसए 2023 स्नेहा नांबियार ने क्रमश: कैटलिन सैंड्रा नील और संस्कृति शर्मा को ताज पहनाया।इलिनोइस की मिस इंडिया यूएसए 2023 रिज़ुल मैनी और मिसेज इंडिया यूएसए 2023 स्नेहा नांबियार ने क्रमश: कैटलिन सैंड्रा नील और संस्कृति शर्मा को ताज पहनाया।इलिनोइस की निराली देसिया और न्यूजर्सी की मानिनी पटेल को मिस इंडिया यूएसए प्रतियोगिता में प्रथम उपविजेता और द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया। एक विज्ञप्ति में कहा गया कि वर्जीनिया की सपना मिश्रा और कनेक्टिकट की चिन्मई अयाचित को मिसेज इंडिया यूएसए प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय उप विजेता घोषित किया गया। रोड आइलैंड की धृति पटेल और सोनाली शर्मा को किशोर वर्ग में प्रथम और द्वितीय उप विजेता घोषित किया गया। प्रतियोगिता तीन श्रेणियों में आयोजित की गईं जिनमें 25 राज्यों से 47 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

वानुअतु को बड़े भूकंप के बाद आने वाले झटकों के लिए रहना चाहिए तैयार!

क्लेटन। द कन्वरसेशन

वानुअतु में भूकंप आने के बाद से मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भूकंप और उसके बाद आए झटकों से प्रभावित लोगों की मदद के लिए अंतराष्ट्रीय खोज और बचाव अभियान जारी हैं। मंगलवार दोपहर को प्रशांत महासागर में स्थित वानुअतु में आए 7.2 तीव्रता के भूकंप के कारण पोर्ट विला में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और दर्जनों लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र भूमि से मात्र 50 किलोमीटर की गहराई में था। तब से, लगभग उसी स्थान पर अनेक झटके आ चुके हैं, जिसमें बुधवार सुबह आया 5.5 तीव्रता का झटका भी शामिल है, जिससे तबाही और क्षति में इजाफा हुआ है। पिछले अनुभव के आधार पर, हम यह बता रहे हैं कि आगे क्या हो सकता है। ए झटके कब तक जारी रह सकते हैं? कल आए भूकंप की तीव्रता 7.2 थी, जिसे बड़ा भूकंप माना जा रहा है। एक ही क्षेत्र में 5 तीव्रता के कई झटके सिलसिलेवार झटकों (आफ्टरशॉक) के लक्षण होते हैं। आफ्टरशॉक एक के बाद एक आने वाले छोटे भूकंपों को कहा जाता है, जो बड़े भूकंप के बाद आते हैं। वास्तव में, 7 से अधिक तीव्रता वाले इस भूकंप के बाद हो सकता है कि 6 तीव्रता के भूकंप के झटके भी आएं। बड़े भूकंप के बाद 10 बार 5 तीव्रता के जबकि 10 बार 4 तीव्रता के भूकंप आफ्टरशॉक आ सकते हैं। ऐसा कई सप्ताहों से लेकर कई महीनों तक या इससे भी अधिक समय तक जारी रह सकता है, तथा भूकंप की तीव्रता और आवृत्ति आमतौर पर समय के साथ कम होती जाती है। क्या इससे भी बड़ा भूकंप आ सकता है?इस बात की बहुत कम आशंका है कि कल आए 7.2 से भी बड़ा भूकंप आ सकता है। इस मामले में, कल का भूकंप फोरशॉक रहा होगा यानी बड़े भूकंप से पहले आया छोटा भूकंप। हालांकि, यह बहुत आम नहीं है। केवल 5 प्रतिशत मामलों में ही ऐसा होता है। क्या रिंग ऑफ फायर यानी भूकंप की सबसे अधिक आशंका वाले क्षेत्रों का इससे कोई लेना-देना है? नुअतु रिंग ऑफ फायर में स्थित है। इसका नाम ज्वालामुखी के किनारों पर होने वाली क्रिया सबडक्शन से जुड़ा हुआ है। सबडक्शन तब होता है जब एक टेक्टोनिक प्लेट दूसरी के नीचे चली जाती है।

अमेरिका एमटीसीआर निर्यात नियंत्रण नीतियों को भारत के लिए अद्यतन करेगा

भाषा। वाशिंगटन

निवर्तमान बाइडन प्रशासन राष्ट्रीय सुरक्षा ज्ञापन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जो प्रक्षेपास्त्र प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) के तहत अमेरिका की निर्यात नियंत्रण नीतियों को अद्यतन करेगा। यह एक ऐसा कदम है जिससे अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत और अमेरिकी कंपनियों के बीच अधिक सहयोग होने की संभावना है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।अमेरिका के प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने यहां संवाददाताओं को बताया कि एमटीसीआर के तहत निर्यात नियंत्रण नीतियों को अद्यतन करने का लक्ष्य भारत जैसे करीबी साझेदारों के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में वाणिज्यिक सहयोग को और आगे बढ़ाना है। फाइनर ने कहा, हम निजी क्षेत्र के सहयोग में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए कदम उठा रहे हैं और महत्वपूर्ण बात यह है कि हम राष्ट्रीय सुरक्षा ज्ञापन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं, जो एमटीसीआर के तहत हमारी अपनी निर्यात नियंत्रण नीतियों को अद्यतन करेगा। फाइनर, उप विदेश मंत्री कर्ट कैम्पबेल और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने मंगलवार को ह्यूस्टन का दौरा किया और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अंतरिक्ष यात्रियों से मुलाकात की, जो अगले वर्ष अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के संयुक्त अभियान को अंजाम देने के लिए नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। एमटीसीआर का गठन 1987 में जी7 देशों ने किया जो 35 सदस्य देशों के बीच एक अनौपचारिक राजनीतिक समझौता है जिसका उद्देश्य मिसाइल और मिसाइल प्रौद्योगिकी के प्रसार को सीमित करना है। भारत 2016 में एमटीसीआर का सदस्य बना। फाइनर ने कहा कि व्यावहारिक दृष्टि से, इसका अभिप्राय होगा कि अमेरिकी कंपनियों को भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी करने में कम बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका न केवल अपने राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं, बल्कि अंतरिक्ष में सहयोगात्मक साझेदारी स्थापित करने के लिए भी मिलकर काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा, सरकार के रूप में हमारा काम उद्योगों के लिए एक ऐसा मंच तैयार करना है, जहां वे एक साथ मिलकर तेजी से और बड़े पैमाने पर नवाचार कर सकें। राष्ट्रपति के उप सहायक और राष्ट्रीय अंतरिक्ष परिषद के कार्यकारी सचिव चिराग पारीख ने कहा कि अमेरिका-भारत अंतरिक्ष सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है और यह गैर सैन्य अंतरिक्ष क्षेत्र, विशेष रूप से पृथ्वी विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान एवं अन्वेषण पर आधारित है। उन्होंने कहा, जैसा कि हम देखते हैं कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को किस तरह आगे बढ़ाया है, वे कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। हाल ही में, उन्होंने चंद्रयान-3 नामक एक रोवर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में उतारा है, और हम नासा के साथ मिलकर उन तत्वों के लिए कुछ पेलोड प्रदान करने में सक्षम हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन की जून 2023 में मुलाकात हुई और मानव अंतरिक्ष उड़ान और संयुक्त अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की गई, जिसमें वाणिज्यिक साझेदारी भी शामिल थी। उन्होंने कहा, इसलिए, हमारी साझेदारी गैर सैन्य और वैज्ञानिक अन्वेषण से मानवीय और अब वाणिज्यिक सहयोग तक पहुंच गई है। जैसा कि हमने आज ह्यूस्टन में सीखा, हमारे, उद्योग और भारतीय उद्योग के पास अंतरिक्ष में सहयोग करने के अवसरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ारीख ने कहा, हमें इस प्रकार के सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए बाधाओं को कम करने की आवश्यकता है। अगले वर्ष की शुरुआत में, हम भारत से एक उच्च-रिज़ॉल्यूशन सिंथेटिक अपर्चर रडार इमेजरी उपग्रह प्रक्षेपित करेंगे, जिसे नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन दोनों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जाएगा, जो हर 12 दिनों में पूरी पृथ्वी का मानचित्र बनाने में सक्षम होगा, ताकि जलवायु संकट से निपटा जा सके। उन्होंने कहा, हमारा सहयोग अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ेगा, संभवत: राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र में भी, क्योंकि हम दुनिया भर में दिखाई देने वाले कुछ प्रकार के खतरों से निपटने में सक्षम होने के लिए मिलकर काम करते हैं। इसलिए, भारत और अमेरिका के बीच अवसरों की कोई सीमा नहीं है और ब्रह्मांड की विशालता की तरह इसका विस्तार हो सकता है।

यह एक ऐसा कदम जिससे अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत और अमेरिकी कंपनियों के बीच अधिक सहयोग होने की संभावना है

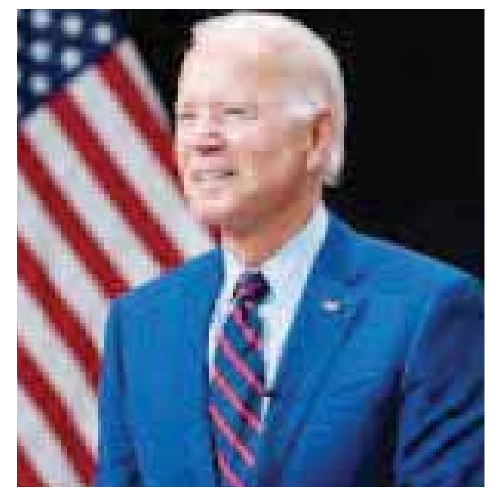

भारत-अमेरिका के संबंध बहुत अच्छे स्तर पर हैं, ट्रंप प्रशासन में भी ऐसे ही रहने की उम्मीद: बाइडन प्रशासन

वाशिंगटन। निवर्तमान बाइडन प्रशासन ने कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों को बहुत मजबूत स्थिति मैं छोड़कर जा रहा है, और विश्वास है कि ट्रंप के कार्यकाल में भी रिश्ते ऐसे ही रहेंगे। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जनवरी में पद की शपथ लेंगे, जिसके साथ ही मौजूदा बाइडन प्रशासन का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा, हम अमेरिका-भारत संबंधों को लेकर बहुत महत्वाकांक्षी हैं। डेलावेयर में हुए क्वॉड शिखर सम्मेलन के अलावा पिछले कई महीनों के दौरान हमारे बीच बहुत उच्च-स्तरीय संबंध रहे हैं, और हम बाइडन प्रशासन के आखिरी कुछ हफ्तों में इसी तरह के संबंध रहने की उम्मीद कर रहे हैं। कैम्पबेल, प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के साथ, मंगलवार को ह्यूस्टन में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष यात्रियों से मिलने आए थे। ए अंतरिक्ष यात्री अगले वर्ष नासा के साथ साझेदारी के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक संयुक्त प्रयास को अंजाम देने के वास्ते नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में प्रशिक्षण ले रहे हैं कैंपबेल ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि हम आगामी ट्रंप प्रशासन को द्विपक्षीय संबंध अच्छी स्थिति में सौंपेंगे। उद्योग, प्रौद्योगिकी, वित्त और रक्षा में हितधारकों का महत्वपूर्ण समर्थन जारी रहेगा। अंतरिक्ष से जुड़े महत्वपूर्ण प्रयासों में अमेरिका और भारत के बीच भागीदारी बहुत महत्व रखती है।

ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाने की चेतावनी दी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका के कुछ उत्पादो पर काफी ज्यादा शुल्क लगाता है और उन्होने एक बार फिर इसके बदले में भारतीय उत्पादों पर इसी तरह ज्यादा शुल्क लगाने की बात कही है। ट्रंप ने सोमवार को संवाददाताओ से कहा, आम तौर पर देखा जाता है कि अगर वे हम पर शुल्क लगाते है तो हम भी उन पर उतना ही शुल्क लगाते है। लगभग सभी मामलो मे वे हम पर शुल्क लगा रहे है, जबकि हम उन पर शुल्क नही लगा रहे हैं। उन्होंने चीन के साथ संभावित व्यापार समझौते पर पूछे गए एक सवाल के जवाब मे यह टिप्पणी की। ट्रंप ने कहा कि भारत और ब्राजील उन देशो मे शामिल है जो कुछ अमेरिकी उत्पादो पर काफी ज्यादा शुल्क लगाते हैं। ट्रम्प ने मार-ए-लागो में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगर भारत हमसे 100 प्रतिशत शुल्क लेता है, तो क्या हम उससे बदले में कुछ नही लेंगे? आप वाकिफ है, वे साइकिल भेजते हैं और हम उन्हे साइकिल भेजते है। वे हमसे 100 और 200 प्रतिशत शुल्क लेते है। भारत बहुत ज्यादा शुल्क लेता है। ब्राजील भी बहुत ज्यादा शुल्क लेता है। अगर वे हमसे शुल्क लेना चाहते है तो ठीक है, लेकिन हम उनसे इसी तरह ज्यादा शुल्क लेंगे। आगामी ट्रंप प्रशासन के लिए नामित वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि जो जैसा करता है उसके साथ भी वैसा ही करना, ट्रंप प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण विषय होने जा रहा है। उन्होंने कहा, आप हमारे साथ जैसा व्यवहार करते है, आपको उसी तरह से व्यवहार की उम्मीद करनी चाहिए।

बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने उल्फा नेता परेश बरुआ की मौत की सजा को उम्रकैद में बदला

ढाका। (भाषा) बांग्लादेश के एक उच्च न्यायालय ने बुधवार को उल्फा नेता परेश बरुआ की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया तथा पूर्वोत्तर भारत में अलगाववादी संगठन को हथियारों की तस्करी के प्रयास के 2004 के एक मामले में एक पूर्व कनिष्ठ मंत्री और पांच अन्य को बरी कर दिया। अप्रैल 2004 में चटगांव के रास्ते उत्तर-पूर्वी भारत में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के ठिकानों तक सुरक्षित तरीके से हथियार पहुंचाने के कुछ प्रभावशाली पक्षों के कथित प्रयासों के बावजूद कुल 10 ट्रक हथियार जब्त किए गए थे।जब्त हथियारों में 27,000 से अधिक ग्रेनेड, 150 रॉकेट लॉन्चर, 11 लाख से अधिक गोला-बारूद, ।,100 सब मशीन गन और 1.14 करोड़ कारतूस शामिल थे। क सरकारी वकील ने बताया कि उच्च न्यायालय की दो सदस्ईय पीठ ने उल्फा नेता परेश बरुआ की अनुपस्थिति में उसे सुनाई गई मौत की सजा को कम कर आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया। माना जा रहा है कि वह इस समय चीन में है। उन्होंने बताया कि न्यायमूर्ति मुस्तफा जमान इस्लाम और न्यायमूर्ति नसरीन अख्तर की उच्च न्यायालय की पीठ ने पूर्व गृह राज्य मंत्री लुत्फुज्जमां बाबर और छह अन्य को बरी कर दिया, जिन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी। फांसी की सजा से बचने वाले पांच अन्य लोगों में पूर्व महानिदेशक, सैन्य खुफिया बल (डीजीएफआई) के सेवानिवृत्त मेजर जनरल रज्जाकुल हैदर चौधरी, सरकारी उर्वरक संयंत्र (सीयूएफएल) के पूर्व प्रबंध निदेशक मोहसिन तालुकदार, इसके महाप्रबंधक इनामुल हक, उद्योग मंत्रालय के पूर्व अतिरिक्त सचिव नूरुल अमीन और जमात-ए-इस्लामी नेता मोतीउर रहमान निजामी शामिल हैं।

यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों के साथ मिलकर लड़ रहे करीब 200 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए, या घायल हुए

वाशिंगटन। (एपी) यूक्रेन के विरूद्ध रूसी सैन्यबलों के साथ मिलकर लड़ रहे उत्तर कोरिया के करीब 200 सैनिक कुर्स्क सीमावर्ती क्षेत्र में इस युद्ध में मारे गए या घायल हुए हैं। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पाकिस्तान के मौलवियों की दो टूक मदरसे सरकारी प्रभाव से मुक्त रहेंगे

इस्लामाबाद। (भाषा) पाकिस्तान के मौलवियों ने सरकार को यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके मदरसे सरकार के प्रभाव से मुक्त रहेंगे और सरकारी विभाग का हिस्सा नहीं बनेंगे। यह मौलवियों द्वारा 2019 में अपनाए गए रुख से विपरीत है। विभिन्न पारंपरिक मदरसा बोर्ड ने 2019 में संघीय शिक्षा मंत्रालय को कुछ नियंत्रण सौंपने पर सहमति जताई थी।इस्लाम के विभिन्न संप्रदायों के मौलवियों द्वारा संचालित मदरसों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था इत्तेहाद तंजीमात-ए-मदारिस पाकिस्तान ने मंगलवार को एक बैठक के बाद यह घोषणा की।मौलवियों के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने इस्लामाबाद में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान से उनके आवास पर मुलाकात की और मदरसों के पंजीकरण से संबंधित विधेयक को लेकर पैदा हुए विवाद में उनके रुख का समर्थन किया। जेयूआई-एफ नेता सरकार पर सोसाइटी पंजीकरण (संशोधन) विधेयक 2024 के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी करने का दबाव बना रहे हैं। इसका उद्देश्य 2019 के समझौते को वापस लेना है और इसी के साथ जिला प्रशासन को मदरसों का पंजीकरण करने का अधिकार मिलेगा। यहां से प्रकाशित मुख्य अंग्रेजी अखबार डॉन की खबर के मुताबिक, मौलवियों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल में बरेलवी, देवबंदी, शिया और अहले हदीस विचारधाराओं से संबंधित मदरसा बोर्ड शामिल थे, जबकि पांचवां बोर्ड जमात-ए-इस्लामी के नियंत्रण वाले मदरसों का था।बैठक के बाद जारी एक बयान में मुफ्ती तकी उस्मानी ने कहा कि 2019 में शिक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने का बोर्ड का सामूहिक निर्णय दबाव में लिया गया था, क्योंकि उस समय उन्होंने सोचा था कि किसी और की तुलना में शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रण में रहना बेहतर है।

प. एशिया के पुराने दो दुश्मनों में बढ़ रही तनातनी

कैनबरा। द कन्वरसेशन

सीरिया में बशर अल-असद के शासन का अंत होने के बाद पश्चिमी एशिया के पुराने दो दुश्मनों के बीच एक बार फिर से कटु प्रतिद्वंद्विता उभर रही है। सीरिया में ईरान और रूस की सबसे प्रभावशाली भूमिका के बजाय इजराइल और तुर्किए अपने परस्पर विरोधी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने का अवसर तलाश रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के नेतृत्व में हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंध तेजी से खराब हुए हैं। इससे दोनों देशों के बीच सीरिया को लेकर कटु टकराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि तुर्किए ने सीरिया के विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम समूह (एचटीएस) के नेतृत्व में असद को सत्ता से हटाने के लिए किए गए हमले का समर्थन का किया है जिससे सीरिया के सहयोगी ईरान और रूस को धोखा मिला है। तेहरान का मानना है कि तुर्किए के समर्थन के बिना एचटीएस यह नहीं कर पाता। अब ऐसा माना जा रहा है कि असद के शासन का अंत हो जाने के बाद एर्दोआन सुन्नी मुस्लिम दुनिया के लिए खुद को नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किए ने असद के शासन का अंत होने के तुरंत बाद दमिश्क में अपना दूतावास फिर से खोल दिया और उसने सीरिया का शासन चलाने में एचटीएस को मदद करने की भी पेशकश की। दूसरी ओर, इजराइल ने अपनी क्षेत्रीय और सुरक्षा महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए सीरिया में किसी का भी शासन न होने का लाभ उठाया। इसने सीरिया के गोलान हाइट्स क्षेत्र में घुसपैठ की और देश भर में इसकी सैन्य संपत्तियों पर बड़े पैमाने पर बमबारी की।

तुर्किए ने सीरिया और गोलान हाइट्स पर इजराइल की कार्वाई को जमीन हड़पने का प्रयास माना। अरब देशों ने इजराइल की इस कार्वाई की निंदा की और सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की मांग की।

सीरिया के भविष्य को लेकर इजराइल और तुर्किए आमने-सामने

इजराइल, सीरिया के एक जिहादी राज्य में तब्दील होने तथा वहां स्पष्ट रूप से एक इस्लामी समूह के सत्ता पर काबिज हो जाने से चिंतित है। हालांकि, एचटीएस के नेता अहमद अल-शरा (जिन्हें मोहम्मद अल-गोलानी के नाम से भी जाना जाता है) ने संकेत दिया है कि वह इजराइल के साथ संघर्ष नहीं चाहते। उन्होंने यह भी वचन दिया है कि वे किसी भी समूह को इजराइल पर हमले के लिए सीरिया का उपयोग करने की अनुमति नहीं देंगे। तुर्किय के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन लंबे समय से फलस्तीन का समर्थन और इजराइल की घोर आलोचना करते आए हैं। गाजा में हमास के साथ युद्ध शुरु हो जाने के बाद से इजराइल और तुर्किए के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पिछले कई वर्षों से एर्दोआन पर निशाना साधते रहे हैं। उन्होंने एर्दोआन को एक मजाक और तानाशाह कहा जिनकी जेलों में सबसे ज्यादा पत्रकार और राजनीति से जुड़े लोग बंद हैं। उन्होंने एर्दोआन पर कुर्द लोगों का नरसंहार करने का भी आरोप लगाया था। तुर्किए और इजराइल का सहयोगी माने जाने वाले अमेरिका ने यह सुनिश्चित करने के लिए गहन कूटनीतिक प्रयास शुरू कर दिए हैं कि एचटीएस सीरिया के भविष्य को सही दिशा में ले जाए। वह असद के शासन का अंत होने के बाद सत्ता पर काबिज हुई सरकार से चाहता है कि वह अमेरिका के हितों के अनुसार ही काम करे। अमेरिका के इन हितों में पूर्वोत्तर सीरिया में एचटीएस अमेरिका के कुर्द सहयोगियों का समर्थन करे और देश में अमेरिका के हजार सैनिकों को तैनात रहने दे। अमेरिका यह भी चाहता है कि एचटीएस इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह को पुन: ताकत हासिल करने से रोकता रहे।

बारिश से बाधित ब्रिसबेन टेस्ट ड्रॉ रहा

ब्रिसबेन।(भाषा) बारिश के कारण बार बार बाधित हुआ ब्रिसबेन टेस्ट आखिरकार पांचवें दिन बुधवार को ड्रॉ पर रहा जिससे भारत ने राहत की सांस ली होगी और पांच मैचों की श्रृंखला अब।.। से बराबरी पर ही है। भारत ने नौ विकेट पर 252 रन से आगे खेलते हुए 24 गेंद में आठ रन और जोड़े। इसके बाद आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी सात विकेट पर 89 रन के स्कोर पर घोषित करने का साहसिक फैसला लेकर भारत को 275 रन का लक्ष्य दिया। बारिश के कारण सुबह के सत्र में खेल नहीं हो सका और अब नतीजा निकलने के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा देखते हुए आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने विकेट की चिंता किए बिना ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। आस्ट्रेलिया ने 18 ओवर खेले और एलेक्स कैरी (20 गेंद में 20 रन), पैट कमिंस (10 गेंद में 22 रन) और ट्रेविस हेड (19 गेंद में 17 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। भारत ने दूसरी पारी में 2.। ओवर में बिना किसी नुकसान के आठ रन बना लिए थे जब बारिश के कारण चाय ब्रेक जल्दी लेना पड़ा। इसके बाद बारिश तेज हो गई और कोई खेल नहीं हो सका। चौथा टेस्ट बॉक्सिंग डे पर मेलबर्न में शुरू होगा।

भारत के लिए एक बार फिर जसप्रीत बुमराह ने 18 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज और आकाश दीप को दो दो विकेट मिले। नाथन मैकस्वीनी (चार) और मार्नस लाबुशेन (एक) को आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद से छेड़खानी का खामियाजा भुगतना पड़ा जबकि उस्मान ख्वाजा (आठ) और मिचेल मार्श (दो) अच्छी गेंदों पर आउट हुए। आस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के जड़े। इससे पहले बिजली कड़कने और बारिश के कारण पहले सत्र में 24 गेंदें ही डाली जा सकी। गाबा पर भारत की पहली पारी 260 रन पर खत्म होने के साथ ही खराब मौसम की चेतावनी डिजिटल स्कोरबोर्ड पर दिखाई गई। आकाश दीप (31) आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जो ट्रेविस हेड का शिकार हुए। उन्होंने जसप्रीत बुमराह (नाबाद 10) के साथ आखिरी विकेट के लिए 47 रन जोड़े। दोनों ने चौथे दिन भारत को फॉलोआन से बचाया था। आस्ट्रेलिया को पहली पारी में 185 रन की बढत मिली। भारतीय पारी खत्म होने के बाद खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम में ही रहने को कहा गया जबकि प्रशंसकों से सीमारेखा से दूर खुद को बारिश से बचाते हुए जगह लेने को कहा गया। भारी बारिश के कारण इसके बाद कोई खेल नहीं हो सका। पूरा मैच खराब मौसम और बारिश से बाधित रहा है और पांच में से चार दिन कई बार खेल रोका गया।सिर्फ दूसरे दिन ही पूरा खेल हो सका था। मैच भले ही ड्रॉ पर छूटा हो लेकिन भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी चिंता का सबब रही है और मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले उसे इसमें सुधार करना होगा। केएल राहुल को छोड़कर भारत के सारे बल्लेबाज आस्ट्रेलियाई तेज आक्रमण का सामना करने में नाकाम रहे हैं। कप्तान रोहित शर्मा खराब फॉर्म में है तो पर्थ के शतक को छोड़कर सुपरस्टार विराट कोहली आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों को नहीं खेल पा रहे। भारतीय बल्लेबाजों को सीमित ओवरों की तरह खेलने की तलब से बचना होगा। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह को छोड़कर कोई नहीं चल पाया है। ब्रिसबेन में मोहम्मद सिराज ने चोट के साथ गेंदबाजी की जिससे मेलबर्न टेस्ट में उनके खेलने पर भी संशय है। हर्षित राणा की जगह चुने गए आकाश दीप ने अच्छी गेंदबाजी की और बल्लेबाजी में भी उपयोगी रहे लिहाजा उनका अंतिम एकादश में रहना तय लग रहा है।

चयनकर्ताओं से कोई बातचीत नहीं, लेकिन

न्यूजीलैंड श्रृंखला के बाद थी अश्विन के संन्यास की उम्मीद

नई दिल्ली (भाषा)। रविचंद्र अश्विन ने अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से कहा कि अगर इस समय श्रृंखला में मेरी जरूरत नहीं है तो मेरे लिए खेल को अलविदा कहना ही बेहतर होगा। उन्होंने 14 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद संन्यास का फैसला भी अपने समय पर लिया। ऐसा माना जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद से ही उनके दिमाग में संन्यास का विचार था। इस श्रृंखला में भारत को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने टीम प्रबंधन को यह स्पष्ट कर दिया था कि अगर ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान उन्हें एकादश में जगह नहीं मिलती है तो वह ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे। भारत ने पर्थ में अश्विन पर वाशिंगटन सुंदर को तरजीह दी जिसके बाद इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने रोहित के आग्रह पर गुलाबी गेंद के टेस्ट के लिए एकादश में वापसी की। रविंद्र जडेजा ब्रिसबेन टेस्ट में खेले और जैसा कि रोहित ने गाबा में ड्रॉ हुए तीसरे टेस्ट के बाद कहा, कोई नहीं जानता कि मेलबर्न और सिडनी में होने वाले बाकी दो मैचों के लिए टीम कैसी होगी।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, चयन समिति की ओर से कोई संकेत नहीं मिला। अश्विन भारतीय क्रिकेट में एक दिग्गज हैं और उन्हें अपना फैसला खुद लेने का अधिकार है। अगली टेस्ट श्रृंखला इंग्लैंड में (जून से अगस्त) है जहां शायद भारत दो से अधिक विशेषज्ञ स्पिनरों को साथ नहीं ले जाए जो बल्लेबाज भी हों। भारत की अगली घरेलू टेस्ट श्रृंखला अक्टूबर-नवंबर में है। दस महीने लंबा समय है और एक बार जब यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र समाप्त हो जाएगा तो नजरें 2027 पर होंगी। अश्विन तब तक 40 वर्ष के हो चुके होंगे और उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट में बदलाव का दौर पूरा हो चुका होगा।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला समाप्त होने तक इंतजार नहीं करने के अश्विन के फैसले से यह भी संकेत मिला कि पर्थ में शुरुआती मैच उन पर सुंदर को तरजीह दिए जाने की उनके फैसले में अहम भूमिका रही। मैदान पर और मैदान के बाहर खेल को पढ़ने में सक्षम अश्विन ने शायद यह अनुमान लगा लिया होगा कि आगे क्या होने वाला है और शायद इससे उनके लिए फैसला लेना आसान हो गया।अश्विन ने भारतीय टीम की जर्सी को बहुत गर्व के साथ पहना। उन्होंने 537 टेस्ट विकेट लिए और 38 साल की उम्र में अश्विन रिजर्व खिलाड़ी की तरह सिर्फ ड्रेसिंग रूम में नहीं बैठना चाहते। न्यूजीलैंड श्रृंखला में स्पष्ट रूप से इसके संकेत मिले थे जब उन्होंने तीन मैच में नौ विकेट लिए जिसमें से दो मुकाबले पुणे और मुंबई में स्पिन की अनुकूल पिच पर खेले गए। इसकी तुलना में सुंदर ने पुणे में 12 विकेट लिए जबकि अश्विन को पांच विकेट मिले। पर्थ में जब अंतिम एकादश को अंतिम रूप दिया गया था तब रोहित मौजूद नहीं थे और यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि यह कोच गौतम गंभीर थे जिन्होंने यह तय किया था कि आगे चलकर भारत का नंबर एक ऑफ स्पिनर कौन होगा और वह अश्विन नहीं थे। टीम से जुड़ने के बाद रोहित को अश्विन को एडीलेड में खेलने के लिए मनाना पड़ा। भारतीय कप्तान ने खुलासा किया, जब मैं पर्थ पहुंचा तो हमने इस बारे में बात की और मैंने किसी तरह उसे गुलाबी गेंद के टेस्ट मैच के लिए रुकने के लिए मना लिया और उसके बाद, यह बस हो गया...उसे लगा कि अगर अभी श्रृंखला में मेरी जरूरत नहीं है तो मेरे लिए खेल को अलविदा कह देना ही बेहतर होगा। रोहित ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि जब उसके जैसा खिलाड़ी, जिसने भारतीय टीम के साथ इतने सारे पल देखे हों और वह हमारे लिए एक बड़ा मैच विजेता रहा हो, तो उसे अपने दम पर ए फैसले लेने की अनुमति दी जाए और अगर यह अभी है, तो ऐसा ही हो।

अच्छी बल्लेबाजी नही कर सका लेकिन अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहा हूं : रोहित शर्मा

ब्रिसबेन। (भाषा) भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि हाल ही मे उनका बल्लेबाजी फॉर्म औसत रहा है लेकिन वह अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहे है जिससे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाकी दो टेस्ट के लिए उम्मीद बंधती है। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पर्थ मे पहला टेस्ट नही खेल सके रोहित इस दौरे पर 3, 6 और 10 रन ही बना सके है। वह केएल राहुल को पारी की शुरूआत का मौका देने के लिए छह साल बाद मध्यक्रम मे बल्लेबाजी कर रहे है जिससे उनका काम और चुनौतीपूर्ण हो गया है। गाबा पर तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद रोहित ने अपनी बल्लेबाजी का ईमानदारी से आकलन करते हुए कहा , मै अच्छी बल्लेबाजी नही कर पा रहा हूं। इसे स्वीकार करने मे कोई बुराई नही है। लेकिन मुझे पता है कि मै कैसे तैयारी कर रहा हूं। इसमे कोई कमी नही है , बस क्रीज पर अधिक समय टिकने की जरूरत है और यह जल्दी ही होगा। उन्होने कहा , जब तक मेरा दिमाग, मेरा शरीर और मेरे पैर अच्छे चल रहे है, मै खुश हूं। कई बार आंकड़ो से आपको लगता है कि बहुत समय से बड़ी पारी नही खेली लेकिन मेरे लिए यह मायने रखता है कि मुझे दिमाग मे कैसा लग रहा है या मै कैसी तैयारी कर पा रहा हूं। यह सबसे अहम है। रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले ली। पिछले आस्ट्रेलिया दौरे के नायक अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा अभी भी घरेलू क्रिकेट खेल रहे है।

हम कोई जोखिम नहीं लेने वाले, एनसीए शमी की फिटनेस पर स्थिति स्पष्ट करे

ब्रिसबेन, 18 दिसंबर (भाषा) भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को कहा कि अब समय आ गया है कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) मोहम्मद शमी की फिटनेस पर स्थिति स्पष्ट करे। उन्होने जोर दिया कि जब तक वे शमी की स्थिति के बारे मे सुनिश्चित नही हो जाते तब तक मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी मे इस तेज गेंदबाज को उतारने का जोखिम नही उठाएंगे। शमी ने हाल ही मे समाप्त हुई सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान चोट से वापसी की और उन्हें शनिवार से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी के लिए भी बंगाल की टीम में चुना गया है। रोहित ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, अब समय आ गया है कि एनसीए से कोई उनके बारे में बात करे। वह हमारी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी है, जहां वह रिहैबिलिटेशन से गुजर रहा है। उन लोगो को ही आकर हमें किसी तरह की अपडेट देने की जरूरत है। एडीलेड में गुलाबी गेंद से खेले गए टेस्ट के बाद रोहित ने खुलासा किया था कि मुश्ताक अली ट्रॉफी मे खेलते समय शमी के घुटनो मे सूजन आ गई थी। उन्होंने कहा, मै समझता हूं कि वह स्वदेश मे बहुत क्रिकेट खेल रहा है। लेकिन उसके घुटने को लेकर भी कुछ शिकायते है। इसलिए हम नही चाहते कि खिलाड़ी यहां आए और फिर मैच के बीच मे बाहर हो जाए। आप जानते है कि जब ऐसा होता है तो क्या होता है। रोहित ने कहा, इसलिए हम ऐसा कोई जोखिम नही लेना चाहते। जब तक हम शत प्रतिशत, दो सौ प्रतिशता सुनिश्चित ना हों, हम कोई जोखिम नही लेंगे। पछली बार नवंबर 2023 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में भारत के लिए खेलने वाले 34 वर्षीय शमी टखने की चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहे और उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी।न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी से ठीक पहले उनके घुटने में सूजन आ गई।

गलतियों से सबक लेकर वेस्टइंडीज के खिलाफ निर्णायक टी20 में उतरेगी भारतीय महिला टीम

नवी मुंबई। (भाषा) भारतीय महिला क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के आक्रामक खेल का जवाब देने के लिए बृहस्पतिवार को निर्णायक तीसरे टी20 मैच में अपनी गलतियों से सबक लेकर उतरेगी जबकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर का खेलना अभी तय नहीं है। भारत ने पहले मैच में 49 रन से जीत दर्ज की लेकिन वेस्टइंडीज ने दूसरे मैच में उसे नौ विकेट से हराकर श्रृंखला में बराबरी की। वेस्टइंडीज ने 26 गेंद और नौ विकेट बाकी रहते जीत हासिल की और अपनी पारी में 27 चौके तथा दो छक्के लगाए। भारत का कोई भी गेंदबाज कैरेबियाई बल्लेबाजों को चुनौती नहीं दे सका और ओस ने काम और मुश्किल कर दिया। वेस्टइंडीज ने हालात का पूरा फायदा उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की। एक दिन में हालात में बहुत बदलाव नहीं होने वाला लेकिन भारत को अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार जरूर करना होगा। हरमनप्रीत पहले मैच में फील्डिंग के लिए नहीं आई और घुटने में चोट के कारण दूसरा मैच नहीं खेल सकी। पिछले तीन टी20 मैचों में दो अर्धशतक जमाने वाली हरमनप्रीत अगर नहीं खेलती है तो भारत को उनके अनुभव की कमी खलेगी। कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने श्रृंखला में दूसरा अर्धशतक लगाकर भारत को अच्छा स्कोर देने की कोशिश की लेकिन बाकी बल्लेबाजों से उन्हें सहयोग नहीं मिल सका। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने काफी अनुशासित प्रदर्शन किया और बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। स्मृति और रिचा घोष (32) को छोड़कर कोई भारतीय बल्लेबाज डटकर नहीं खेल सकी।

हरमनप्रीत की गैर मौजूदगी में जेमिमा रौड्रिग्स और दीप्ति शर्मा पर अतिरिक्त जिम्मेदारी होगी जबकि चौथे नंबर पर राघवी बिष्ट ने दूसरे मैच में पदार्पण किया।

भारत को वेस्टइंडीज की अनुभवी डिएंड्रा डोटिन से भी सावधान रहना होगा जो अच्छे फॉर्म में हैं। इनके अलावा हेली मैथ्यूज और कियाना जोसेफ के बल्लों पर अंकुश लगाना होगा।

टीमें : भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, नंदिनी कश्यप, जेमिमा रोड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, दीप्ति शर्मा, सजीवन सजना, राघवी बिस्ट, रेणुका ठाकुर, प्रिया मिश्रा, टिटास साधु, साइमा ठाकोर, मीनु मनि और राधा यादव।

वेस्टइंडीज: हेले मैथ्यूज (कप्तान), शेमाइन कैंपबेल, आलिया एलेन, शामिलिया कॉनेल, नेरिसा क्राफ्टन, डिएंड्रा डॉटिन, एफी फ्लेचर, शबिका गजनबी, चिनेले हेनरी, जाइदा जेम्स, कियाना जोसेफ, मैंडी मंगरू, अश्मिनी मुनिसर, करिश्मा रामहरक और राशदा विलियम्स।

हेड ने अपनी फिटनेस को लेकर आशंकाओंको खारिज किया

ब्रिसबेन। शानदार फॉर्म में चल रहे आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने भारत के खिलाफ वर्षाबाधित तीसरे टेस्ट के दौरान ग्रोइन की समस्या से जूझने अपनी फिटनेस को लेकर आशंकाओं को खारिज किया है। हेड ने कहा कि वह मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट तक फिट हो जाएंगे। प्लेयर आफ द मैच चुने गए हेड ने मैच के बाद कहा , मैं अपनी बल्लेबाजी से बहुत खुश हूं। थोड़ी सी सूजन है लेकिन अगले मैच तक ठीक हो जाएगी। हेड ने अभी तक 81 . 80 की औसत से 409 रन बना लिए हैं।वह तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन 17 रन की पारी के दौरान विकेटों के बीच दौड़ते हुए परेशानी में दिखे। वह भारत की दूसरी पारी के दौरान फील्डिंग के लिए भी नहीं आए थे जिससे उनकी फिटनेस पर सवाल उठने लगे। हेड ने श्रृंखला में अपनी कामयाबी का श्रेय चुनौतीपूर्ण हालात के अनुकुल ढलने को दिया। न्होंने कहा , विकेट चुनौतीपूर्ण था। मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी। स्टीव के साथ साझेदारी अच्छी रही। मैने हालात के अनुरूप जल्दी ढलने पर फोकस रखा।

बांग्लादेश ने दूसरे टी20 में वेस्टइंडीज को 27 रन से हराकर श्रृंखला जीती

किंग्सटाउन।(एपी) तास्किन अहमद की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से बांग्लादेश ने दूसरे टी20 मैच में वेस्टइंडीज को 27 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजई बढ़त बना ली।बांग्लादेश ने मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शमीम हुसैन की 17 गेंद में नाबाद 35 रन की पारी की बदौलत सात विकेट पर 129 रन बनाए। मेहदी हसन मिराज ने भी 26 रन का योगदान दिया। स्पिनर गुडाकेश मोती ने 25 रन देकर दो विकेट चटकाए।बांग्लादेश की पारी के दौरान दो बार बारिश ने खलल डाला लेकिन ओवरों में कोई कटौती नहीं हुई।इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम तास्किन (16 रन पर तीन विकेट), रिषाद हुसैन (12 रन पर दो विकेट), मेहदी हसन (20 रन पर दो विकेट) और तंजीम हसन शाकिब (22 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने 18.3 ओवर में 102 रन पर सिमट गई। रोस्टन चेस 32 रन बनाकर मेजबान टीम के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि अकील हुसैन ने 31 रन की पारी खेली। बांग्लादेश ने रविवार को पहला टी20 सात रन से जीता था।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

पार्ल। हरफनमौला सलमान आगा के कैरियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच में तीन विकेट से हराया। सलमान ने 90 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर टीम को तीन गेंद बाकी रहते जीत दिलाई। इससे पहले उन्होंने गेंदबाजी का कमाल दिखाते हुए अपनी आफ स्पिन से 32 रन देकर चार विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम नौ विकेट पर 239 रन ही बना सकी थी। पाकिस्तान ने 240 रन के लक्ष्य के जवाब में 20वें ओवर में चार विकेट 60 रन पर गंवा दिए थे। सलमान को एडेन माक्रम की गेंद पर विकेट के पीछे जीवनदान मिला जब वह छह रन पर थे। इसके बाद उन्होंने कोई मौका नहीं दिया। वहीं सईम ने दूसरा वनडे शतक लगाते हुए 119 गेंद में 109 रन बनाए। वह कैगिसो रबाडा को पुल शॉट खेलने के प्रयास में फाइन लेग में कैच दे बैठे।उन्होंने सलमान के साथ 141 रन की साझेदारी की।

विनिशियस जूनियर और ऐटाना बोनमाटी को फीफा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

दोहा। रीयाल मैड्रिड के स्टार विनिशियस जूनियर को फीफा द बेस्ट पुरस्कार में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी चुना गया जबकि बार्सीलोना की ऐटाना बोनमाटी ने महिला वर्ग में पुरस्कार जीता। चौबीस वर्ष के विनिशियस को पछाड़कर अक्टूबर में मैनचेस्टर सिटी के रौद्री ने बलोन डिओर जीता था। इसके विरोध में विनिशियस और मैड्रिड टीम ने पेरिस में पुरस्कार समारोह में भाग ही नहीं लिया था। इस बार रौद्री पांच अंक से विनिशियस से पिछड़ गए। ब्राजील के फॉरवर्ड विनिशियस फीफा के समारोह में पुरस्कार लेने पहुंचे थे। उन्होंने पुर्तगाली भाषा में कहा , समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरू करूं। लगा नहीं था कि यहां तक पहुंच सकूंगा। मैं गरीबी और अपराध के लिए बदनाम साओ गोंकालो की गलियों में नंगे पैर सड़क पर फुटबॉल खेला करता था। उन्होंने कहा , यहां तक पहुंचना मेरे लिए काफी अहम है। मैं उन बच्चों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं जिन्हें लगता है कि सब कुछ असंभव है। स्पेन की मिडफील्डर बोनमाटी ने लगातार दो साल बलोन डिओर जीतने के बाद यह पुरस्कार जीता।

क्रिकेट जगत ने अश्विन की तारीफों के पुल बांधे

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत के दिग्गज खिलाड़ियों ने बुधवार को सर्वकालिक महान खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन की सराहना की जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। भारतीय टीम के साथ अपने लंबे सफर के दौरान अश्विन ने खेल के विकास के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अपने खेल में बदलाव करना जारी रखा जिससे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी प्रभावित हुए। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, कैरम बॉल को बेहतरीन तरीके से फेंकने से लेकर महत्वपूर्ण रन बनाने तक, आपने हमेशा जीत का रास्ता ढूंढ़ लिया। आपकी यात्रा से पता चलता है कि सच्ची महानता प्रयोग करने और खुद को विकसित करने से कभी नही डरने मे निहित है। आपकी विरासत सभी को प्रेरित करेगी। भारतीय टीम में लंबे समय के उनके साथी विराट कोहली 14 साल की दोस्ती को याद करते हुए भावुक हुए तो वर्तमान कोच गौतम गंभीर ने भावी पीढ़ियों पर उनके प्रभाव की सराहना की। अजिंक्य रहाणे ने याद दिलाया कि जब वह स्लिप पर खड़े होते थे तो उनकी हर गेंद विकेट लेने वाली लगती थी। कोहली ने लिखा, मैं 14 साल आपके साथ खेला और आज जब आपने मुझे कहा कि आप संन्यास ले रहे हो तो इसने मुझे थोड़ा भावुक कर दिया और इतने साल एक साथ खेलने की यादें मेरे सामने आ गईं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा कि अश्विन की प्रतिभा पिछले कई वर्षों से भारतीय क्रिकेट की सफलता का आधार रही है।उन्होंने कहा, एक विलक्षण प्रतिभा से लेकर क्रिकेट इतिहास के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक बनने तक, उनकी उपलब्धियां बहुत गर्व का विषय हैं। उन्होंने स्पिन गेंदबाजी को फिर से परिभाषित किया और हमेशा आगे रहने की कोशिश की। अश्विन युवा क्रिकेटरों के लिए एक आदर्श हैं। अश्विन (38 वर्ष) ने गाबा मे भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट ड्रॉ होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अपने फैसले की घोषणा की। इससे पहले कोहली को ड्रेसिंग रूम में लंबी बातचीत के बाद अश्विन को गले लगाते हुए देखा गया जबकि यह ऑफ स्पिनर अपनी आंसू पोंछ रहा था जिससे उनके संन्यास की अटकलें लगाई जाने लगी।

रविचंद्रन अश्विन: ऐसा व्यक्ति जिसने सुरक्षित होकर खेलने मे कभी विश्वास नहीं किया

नई दिल्ली। रविचंद्रन अश्विन बचपन मे अपनी असुरक्षाओं से बहुत लंबे समय तक जूझते रहे और शायद वह फिर से असुरक्षाओं के दलदल मे नही फंसना चाहते थे। यही कारण है कि उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेना किसी भी उस व्यक्ति के लिए अप्रत्याशित नही होगा जिसने उनके सफर का अनुसरण किया है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के बाद सिडनी में भी संन्यास ले सकते थे लेकिन वह सिर्फ टीम के साथ जुड़े रहने के लिए तैयार नही थे। किसी को भी उन्हे यह बताने की ज़रूरत नही पड़ी कि अब खेल से दूर जाने का समय आ गया है। अश्विन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस मे अपनी संक्षिप्त उपस्थिति मे दुनिया को बता दिया कि वह जाने के लिए तैयार है। उन्होने एक सक्रिय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के रूप मे कई भूमिकाएं निभाईं। शीर्ष स्तर पर 14 साल बिताने के बाद भी अश्विन को किसी एक भूमिका मे बांधना बहुत मुश्किल है। उनके 765 अंतरराष्ट्रीय विकेट इस अनुभवी खिलाड़ी को समझने के लिए पर्याप्त आंकड़े नही है जिन्होने अपनी किताब मे बचपन मे असुरक्षित महसूस करने की बात स्वीकार की है। उन्होने धीरे-धीरे उस लड़ाई को जीत लिया और क्रिकेट ने उन्हे एक आश्वस्त व्यक्ति के रूप मे ढालने मे प्रमुख भूमिका निभाई। कुछ महीने पहले जब अश्विन की आत्मकथा आई हैव द स्ट्रीट्स के पहले हिस्से का विमोचन हुआ था तो उन्होंने पीटीआई से कहा था, मै पूरी तरह सुरक्षित रहने की बजाय जीवन मे असफल होना पसंद करूंगा। यही मेरा चरित्र है।

कॉल्विन ताल्लुकेदार्स कॉलेज ओल्ड ब्वॉयज वीक के तहत फुटबॉल मैच आयोजित

लखनऊ। कॉल्विन ताल्लुकेदार्स कॉलेज के प्रांगण में ओल्ड बॉयज वीक समारोह के अन्तर्गत बुधवार को दूसरे दिन फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राय स्वरेश्वर बली थे। मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह कुँ. मनीषवर्धन सिंह प्रबन्धक द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सम्मानित सदस्य कुँ. मनीषवर्धन सिंह (सचिव/प्रबन्धक), कुँ. विनय कुमार सिंह, कुँ. ध्यानपाल सिंह, वासुधेन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रधानाचार्य आईएससी शाखा सच्चिदानंद सिंह व प्रधानाचार्या यूपी बोर्ड शाखा अनुपमा सिंह, हेड मिस्ट्रेस डॉ. संगीता चौहान अनेक पूर्व अध्यापक एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। ओल्ड छात्रों में कर्नल एसी शाह (कैप्टन), शरद कपूर, अरूण टण्डन, संदीप सिंह चौहान, अजय सिंह चूणामणि, शैलेन्द्र सेठ, पियूष सक्सेना, वासुधेन्द्र प्रताप सिंह, भूपेन्द्र सिंह, उद्यन प्रताप सिंह, हमीदुल्ला खान, कुँ. विवेक सिंह, राजीव सिंह, कासिम सब्बीर एवं वर्तमान छात्र फराज खान (कैप्टन), अब्दुरहीम, अम्माद खान, मो. अरहम, हुजैफा यूसुफ, वैभव त्रिपाठी, आदित्य देव सिंह, आशीष यादव, द्रोनवीर सिंह, साद सिद्दीकी, अमान हैदर, कृष्णा सिंह, कार्तिकेय राज सिंह, उमर शाहिद, अरशान खान, मुजतबा नोमान थे। पुरातन छात्रों ने बड़े ही जोश व उमंग के साथ मैच खेला और इस मैच का आनन्द उठाया। इस मैच में ओल्ड बॉयज 8-2 गोल से विजयी रहे। प्रधानाचार्य सच्चिदानन्द सिंह द्वारा मुख्य अतिथि से खिलाड़ियों का परिचय कराया। मैच के अन्त में डॉ. संगीता चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उल्लेखनीय है मंगलवार को कॉल्विन ताल्लुकेदार्स कॉलेज के प्रांगण में ओल्ड बॉयज वीक के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया था जिस दौरान ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजा राकेश प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में इनडोर गेम्स और शूटिंग के प्रतियोगिता का शुभारंभ किया था।

किरण जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन का स्वर्ण जीता, तीसरे स्थान पर रहे कुसाले

भोपाल। (भाषा) भारतीय नौसेना के किरण अंकुश जाधव ने बुधवार को यहां पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एक अन्य ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर को हराकर 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन का खिताब जीता। जाधव ने फाइनल में 465.8 का स्कोर किया और मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप (463.1) को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया। स्वप्निल तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने 451.8 अंक बनाए। इससे पहले स्वप्निल ने क्वालीफिकेशन में 593 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। ऐश्वर्य उनसे एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। जाधव ने 590 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया था।इस स्पर्धा के जूनियर वर्ग के फाइनल में ओलंपियन जयदीप करमाकर के बेटे, पश्चिम बंगाल के एड्रियन करमाकर ने मध्य प्रदेश के कुशाग्र सिंह राजावत को हराकर आसानी से स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 462.0 का स्कोर बनाया जो राजावत से चार अंक अधिक है। राजस्थान के दीपेंद्र सिंह शेखावत 445.6 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।